4 | रायपुर संभाग
समाज के हर तबके को सौगात : डॉ. सनम जांगड़े...

6 | अभिमत
राष्ट्रपति चुनाव पीछे हटे बाइडेन

09 | विविध
धतूरा 10 का एक, बेल पत्ती, गेंदा और आंक आसमान पर

10 | संस्कारधानी
18 मामलों में आरोपी अजय जैन निकला चोरी...

रायपुर, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित

पायनियर

हमेशा सच के साथ

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, गुरुवार 25 जुलाई 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-08, अंक-333 मूल्य 3.00 ₹

चिंचक न्यूज

कुपवाड़ा में मुठभेड़ में एक आतंकवादी ढेर, जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में मंगलवार को शुरू हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि सेना का एक जवान शहीद हो गया। यह जानकारी अधिकारियों ने बुधवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि सेना का एक गैर-कमीशन अधिकारी (एनसीओ) सीमांत कुपवाड़ा के ट्रुमखान जंगलों में चल रहे एक अभियान में गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में चिकित्सा के दौरान उसकी मौत हो गई। ट्रुमखान जंगलों में मंगलवार को उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई जब सुरक्षा बलों की टीमें आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना प्राप्त होने के बाद तलाशी अभियान चला रही थीं। इससे पहले दिन में सेना ने बताया कि संदिग्ध गतिविधि देखी गई, जिसके बाद सतर्क सैनिकों ने उन्हें चुनौती दी।

बजट में सीजीटी में बढ़ोतरी का बाजार पर रहा असर, सेंसेक्स-निफ्टी गिरे

मुंबई। विश्व बाजार की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर चालू वित्त वर्ष के बजट में कैपिटल गेन टैक्स में बढ़ोतरी से निराश निवेशकों की बिकवाली का शेयर बाजार पर आज भी असर रहा, जिससे दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चौथे दिन गिरकर बंद हुए। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 280.16 अंक की गिरावट लेकर 80,148.88 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 65.55 अंक टूटकर 24,413.50 अंक पर रहा। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में जमकर लिवाली हुई, जिसने बाजार को और अधिक गिरने से बचाया।

बैरिकेडिंग पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया स्वतंत्र समिति बनाने का सुझाव

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय पंजाब-हरियाणा शंभू बॉर्डर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों से बातचीत करने के लिए निष्पक्ष व्यक्ति यों की एक समिति बनाने का बुधवार को सुझाव दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की पीठ ने हरियाणा सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए किसानों के विरोध प्रदर्शन के मुद्दे को हल करने के तरीके और साधन खोजने पर जोर दिया।

सीएम विष्णुदेव ने नालंदा परिसर की तर्ज पर 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी की दी सौगात

युवाओं को मिलेगी गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, 85 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी निर्माण के प्रस्ताव को वित्त विभाग से हरी झंडी मिल गई है। लाइब्रेरी को नॉलेज बेस्ड सोसायटी यानी ज्ञान आधारित समाज के प्रतीक के रूप में प्रदेश के अलग-अलग स्थानों में स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने संकल्पित है।

उन्होंने आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित लाइब्रेरी की सौगात दी है, जिसका लाभ युवाओं को मिलेगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे प्रदेश के युवाओं को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वित्त विभाग ने रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी के लिए 85 करोड़ 42 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। प्रदेश के 4 नगरीय निकायों में 500 सीटर और 9 नगरीय निकायों में 200 सीटर लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह उन विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होगा, जो छोटे शहरों में रहकर उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करना चाहते हैं या फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। लाइब्रेरी निर्माण का मुख्य उद्देश्य स्थानीय युवाओं के शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास को सुनिश्चित करना है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने मुख्य बजट भाषण में भी इसका जिक्र करते हुए कहा था कि युवाओं के अध्ययन के लिए नालंदा परिसर की तर्ज पर लाइब्रेरी निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि इन केंद्रों को नॉलेज बेस्ड सोसायटी यानी ज्ञान आधारित समाज के प्रतीक के रूप में स्थापित किया जाए, ताकि ये युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत और सरकार के लिए एक आदर्श बन सके।

'ई-बस सेवा योजना'

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा राज्य में ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं कोरबा हेतु कुल 240 बसों का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप किया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत 66 करोड़ है, जिसके लिए प्रथम अनुपूरक में 40 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए हम संकल्पित

सीएम साय ने कहा 'मोदी की गारंटी' में किये हर वादे को पूरा करने हमारी सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा प्रदेश की नारी शक्तियों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के लिए प्रथम अनुपूरक में 4 हजार 900 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। सशक्त नारी, सशक्त समाज का उद्देश्य ही हमारा संकल्प है। सीएम साय ने कहा आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेल में यातनाएं सहने वाले राज्य के लोकतंत्र सेनानियों (मीसाबंदियों) को इसके अंतर्गत 42 करोड़ का आकस्मिकता निधि अग्रिम स्वीकृत करते हुए भुगतान किया गया है।

अंतर संसदीय संघ की अध्यक्ष डा. एक्शन ने राष्ट्रपति मुर्मु से मुलाकात की

पायनियर संवाददाता ◂ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

तंजानिया की नेशनल असेंबली की अध्यक्ष और अंतर-संसदीय संघ की अध्यक्ष डॉ. तुलिया एक्सन ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने डॉ. एक्सन का स्वागत करते हुए उन्हें अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) का अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। मुर्मु ने कहा कि भारत लंबे समय से आईपीयू का सदस्य रहा है। भारतीय सांसद कार्यकारी समिति सहित इसकी विभिन्न समितियों में सक्रिय भागीदार हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए सांसदों को एक मंच प्रदान करने के लिए आईपीयू की सराहना की।

किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया गया है : सीतारमण

पायनियर संवाददाता ◂ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट आवंटन में राज्यों के साथ भेदभाव किये जाने के विपक्ष विशेषकर कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुये बुधवार को कहा कि इसमें किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया गया है और बजट भाषण में सभी राज्यों का नाम नहीं लिया जाता है, लेकिन बजट दस्तावेजों में सभी राज्यों के आवंटन का उल्लेख होता है। सीतारमण ने संवाददाताओं से अनौपचारिक चर्चा में इस संबंध में पूछे जाने पर कांग्रेस को चुनौती देते हुये कहा कि देश में सबसे अधिक बजट पेश करने वाली पार्टी अपने पूर्ववर्ती वित्त मंत्रियों के बजट भाषण को पढ़कर देखे कि क्या उसमें सभी राज्यों के नाम का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कांग्रेस पर बजट को लेकर लोगों में भ्रम फैलाने और गलत जानकारी देने का आरोप लगाते हुये कहा कि बजट को लेकर राज्यसभा में सदन के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो आज किया है वह उनके लंबे राजनीतिक जीवन को देखते हुये उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि बजट भाषण में नाम का उल्लेख हो या नहीं हो, लेकिन बजट दस्तावेज में राज्यवार आवंटन का उल्लेख होता ही है। उन्होंने कहा कि बजट दस्तावेज में एक-एक रुपया का हिसाब होता है और कहां से आया तथा कहां गया का विस्तार से जिक्र होता है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लिए अभी डेढ़ महीने पहले ही प्रधानमंत्री ने 26 हजार करोड़ की परियोजनाओं की शुरूआत की है जिससे करीब चार लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा कि केन्द्र प्रायोजित सभी परियोजनायें सभी राज्यों के लिए होती है। इसके आवंटन का लाभ सभी राज्यों को मिलता है और यह राज्यों पर निर्भर करता है कि वह अपने हिस्से का कितना उपयोग कर पाता है।

केंद्र सरकार ने बजट में दिल्ली और पंजाब के साथ किया सौतेला व्यवहार: 'आप'

वार्ता ◂ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

आप ने बजट को निराशाजनक करार देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने इस बजट में दिल्ली और पंजाब के साथ सौतेला व्यवहार किया है। 'आप' के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा कि इस बार का बजट बेहद निराशाजनक रहा है। इस बजट में सरकार ने ना तो रोजगार पर ध्यान दिया है, ना ही युवाओं और किसानों के लिए कुछ किया है। केंद्र सरकार ने इस बजट में दिल्ली और पंजाब के साथ सौतेला व्यवहार किया है। डॉ.पाठक ने कहा कि सरकार को जगाने की जरूरत है। इतने महान देश के प्रधानमंत्री होने के बाद इतनी छोटी विचारधारा से बजट बनायेंगे तो देश आगे कैसे बढ़ेगा? सरकार के इस बजट का कोई लक्ष्य नहीं है। आज बेरोजगारी दर 7.2 से बढ़कर नौ प्रतिशत हो गई है। कॉर्पोरेट मुनाफा तो बढ़ गया है लेकिन रोजगार नहीं बढ़ पाया है। किसानों को एमएसपी की गारंटी तो बहुत दूर की बात है सरकार ने खाद की सब्सिडी में 36 फीसदी की कमी कर दी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार देश के किसानों से बेहद नफरत करती है।

काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर क्रैश हुआ विमान, प्लेन में सवार 19 में से 18 की मौत

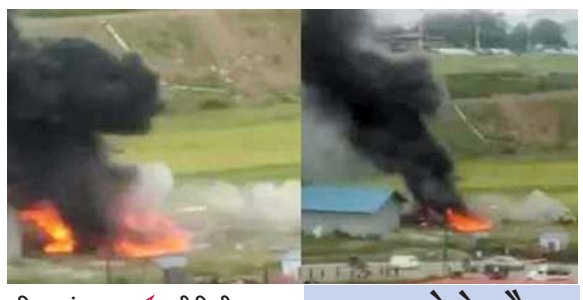

पायनियर संवाददाता ◂ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह उड़ान भरने के दौरान एक निजी एयरलाइन कंपनी सौर्य एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 19 लोग सवार थे। इनमें 18 लोगों की मौत की बात सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान पोखरा जा रहा था और सुबह करीब 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हवाई अड्डे पर तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विमान के पायलट को अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि विमान में लगी आग को बुझा दिया गया है।

उड़ान भरने के दौरान हुआ हादसा

पोखरा जाने वाले सौर्य एयरलाइंस के विमान के उड़ान भरने के दौरान रनवे से बाहर निकल जाने के कारण यह दुर्घटना हुई। विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 19 लोग सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटनास्थल से पांच शव बरामद हुए थे। जहाज के कैप्टन एमआर शाक्य को अस्पताल ले जाया गया है। हवाई अड्डे पर धुएं का घना गुबार देखा गया।

महादेव सट्टा एप्प का जशपुर जिले में कनेक्शन का हुआ खुलासा

पायनियर संवाददाता ◂ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

देशभर में सुर्खियों में रहने वाला महादेव सट्टा एप का जशपुर जिले से भी कनेक्शन मिला है। आरोपियों के पास से पुलिस ने लगभग 29 करोड़ रुपए के लेनदेन की पुष्टि की है। यह लेनदेन 95 बैंक खातों से किए गए हैं। इस संबंध में जशपुर पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि विकास लकड़ा उम्र 34 साल निवासी बंधाटोली थाना तपकरा ने 23 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराया कि माह नवंबर 2023 में ग्राम तपकरा के रहने वाले मनोज ताम्रकार एवं उसके 02 पुत्र सुकेश ताम्रकार, चंद्रसेन ताम्रकार उर्फ सोमू तीनों पिता-पुत्र इसके घर आए और बोले कि तुमको हमलोग नौकरी में लगा देंगें, जिसके लिये कुछ औपचारिकता पूर्ण करने पर नौकरी लग सकती है, लेकिन हमारी कुछ शर्तों को मानना पड़ेगा। तीनों पिता-पुत्र ने कहा कि अभी तुमको 05 हजार रू. नगद और अकाउंट खोलने व सिमकार्ड लेने के लिये आधार कार्ड, पैन कार्ड देना होगा। प्रार्थी ने खुद के बेरोजगार होने के कारण उन्हें 05 हजार रू. नगद व अकाउंट खोलने व सिमकार्ड लेने के लिये जरूरी दस्तावेज उन्हें दे दिया था।

लालच देकर खुलवाए खाते

माह फरवरी 2024 में तपकरा बस स्टैंड में प्रार्थी द्वारा सुकेश ताम्रकार एवं उसके साथी के साथ मिलने पर उन्हें अपनी नौकरी के बारे में पूछने पर वे बोले कि शासन की तरफ से वेकेंसी नहीं आ रही है जैसे ही वैकेंसी आयेगी, नौकरी लगवा देंगें, 03 लाख रू. की व्यवस्था करके रखना उन दोनों के द्वारा कहा गया। प्रार्थी द्वारा उनसे अपने नाम पर खोले गये खाता के बारे में पूछने पर वे गोल-मोल जवाब देने लगे एवं उनके द्वारा प्रार्थी के बैंक खाते एवं सिमकार्ड का दुरूपयोग किया जा रहा है। मनोज ताम्रकार एवं उसके पुत्र द्वारा प्रार्थी के नाम से 02 अलग-अलग बैंक में खाता खोला गया है।

विपक्षी दलों के सांसदों का संसद भवन के बाहर प्रदर्शन

वार्ता ◂ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

बजट पेश होने के बाद संसद की कार्यवाही शुरू होने से ठीक पहले कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने बुधवार को यहां संसद भवन के बाहर मकर द्वार के पास बजट को जन विरोधी बताते हुए प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह सहित कई दलों के प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया और सरकार विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन कर रहे थे। सबके हाथों में नारे लिखी हुई तख्तियां थीं और उनका कहना था कि बजट जन विरोधी है तथा उसमें जनता की भावनाओं का ध्यान नहीं रख कर चंद पूंजीपतियों के हितों को साधने का काम हुआ है।

राहुल गांधी से मिले किसान नेताओं ने उनकी आवाज उठाने का किया आग्रह

पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक के 12 किसान नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने विपक्ष के विपक्ष के नेता राहुल गांधी से संसद भवन परिसर में मुलाकात की तथा उनकी समस्याएं संसद में उठाने और उसको लेकर सरकार पर दबाव बनाने का आग्रह किया। इससे पहले गांधी ने कहा, किसान नेताओं को मैंने संसद भवन में मिलने के लिए बुलाया था लेकिन उन्हें अंदर नहीं आने दिया गया तो मैं ही उनसे मिलने बाहर चला गया। किसान मुझसे संसद भवन आकर मिले इसके लिए भी प्रधानमंत्री से पूछना पड़ेगा। गांधी के साथ जिन किसान नेताओं ने मुलाकात की उनमें पंजाब से जगजीत सिंह, श्रवण सिंह पंधार, सुरिजित सिंह तथा रमणदीप सिंह मान, हरियाणा से लखविंदर सिंह, तेजवीर सिंह, अमरजीतसिंह तथा अभिमन्यु, कर्नाटक से शांता कुमार, तेलंगाना से एन वेंकटेश्वर राम, तमिलनाडु से पी रामलिंगम शामिल हैं। बैठक में कांग्रेस के कुछ सांसदों ने भी हिस्सा लिया जिनमें- राजा बराड़, सुखजिंदर सिंह रंधावा, गुरजीत सिंह औजला,धर्मवीर गांधी, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, जय प्रकाश, जयराम रमेश भी मौजूद थे। विपक्ष के नेता ने किसानों से कहा, किसान नेताओं से मुलाकात के दौरान मैंने कहा कि कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में एमएसपी की कानूनी गारंटी देने की बात कही थी।

सचिन पायलट ने प्रदर्शन में फूंकी जान, हजारों की तादात में पुलिसबल रहे तैनात

विष्णु सरकार बनने के बाद कांग्रेस का पहला बड़ा प्रदर्शन, बारिश में भी डटे रहे कार्यकर्ता

पायनियर संवाददाता ◂ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य में भाजपा और सुशासन वाली विष्णु सरकार बनने के बाद निद्रा से जागी कांग्रेस ने पहला बड़ा प्रदर्शन किया। सत्ता गवाने के बाद कांग्रेस खेमे में बीते सात माह तक सन्नाटा छाया रहा। जबकि राज्य में संख्या की दृष्टि से विपक्षी दल यानी की कांग्रेस काफी मजबूत है। दरअसल में लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कह दिया कि अब बारात वाले घोड़े नहीं चलेंगे। दौड़ने वाले ही घोड़ों की जरूरत है। राहुल के इस राजनीतिक बयान के बाद मौका देख कांग्रेस ने राज्य में पहला बड़ा प्रदर्शन किया। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने प्रदेश कांग्रेस में जान फूंकते हुए विधानसभा घेराव से पहले आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले छह महीने में जो अपराध हुए हैं, उनकी जवाबदेही तय करने का समय आ गया है। पायलट ने कहा ये सरकार दिल्ली से चलती है। यहां लोगों को खबर ही नहीं है कि क्या होगा। विधानसभा घेराव के लिए बारिश के बीच सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी नेता-कार्यकर्ता मंडी गेट सभा स्थल पर शामिल हुए। मंच पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत समेत कई पूर्व विधायक व पूर्व मंत्री मंच पर एकजुट नजर आए। पायलट ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस सरकार ने इस आंदोलन को रोकने की हर संभव कोशिश की है, लेकिन कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता डरने वाला नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए सवाल किया कि हमारी सरकार में कलेक्टोरेट को कब जलाए हैं, आज यह घटना क्यों घट रही है? आज कोई थाना हो, लगातार भाजपा के गुंडे लोग थानेदार को भड़का रहे हैं। आज कोई पुलिस वाला संविधान और कानून के तहत काम नहीं कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश ने कहा कि जो बलौदा बाजार में सफेद कपड़ा पहने थे, पीटा गया। गिरोधपुरी में घटना घटी थी। 17 तारीख को सीबीआई से जांच कराने की मांग की गई। अगर जांच होती तो घटना नहीं होती। भूपेश बघेल ने कहा कि आज तक कभी ऐसी घटना नहीं घटी है। पहली बार यह घटना घटी है। उन्होंने कहा भाजपा के लोग मंच पर थे, पुलिस के लोग क्यों नहीं कर रहे हैं पूछताछ? यहां के ठेकदार व्यापारी लोग काम नहीं कर पा रहे हैं। नशाबाजी बढ़ गई है। नशेड़ी लोग पीट-पीट कर आदिवासी युवक को मार रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मंत्रियों के संरक्षण में यह हो रहा है। जैतखांभ काट दी गई, लेकिन आज तक कोई गिरफ्तार नहीं हुआ है। महिला, आदिवासी, उद्योगपति, व्यापारी सभी डरे हुए हैं।

सदन में नक्सली मुठभेड़ को लेकर हंगामा

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

सदन में नक्सली मुठभेड़ को लेकर जमकर मचा हंगामा। नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने नक्सल क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मियों पर बड़ा आरोप लगा दिया। महंत ने कहा कि, पुलिस वाले भरमार बंदूक ले जाकर आम लोगों के सामने रख देते हैं, और उन्हें नक्सली बताकर मार देते हैं। दरअसल नेता प्रतिपक्ष महंत ने नक्सल क्षेत्रों में आम नागरिकों की मौत के संबंध में सवाल पूछा था। उनहोंने पूछा था कि, पिछले छह महीने में कितने आम नागरिकों को नक्सलियों ने मारा। नेता प्रतिपक्ष के सवाल पर जवाब देते हुए गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा- छह महीने में 19 जवान शहीद हुए, 88 जवान घायल हुए। छह महीने में 34 आम नागरिकों को नक्सलियों ने मारा। उन्होंने बताया कि, इनमें से 4 को जन अदालत में मारा गया, 6 आईडी ब्लास्ट में, 24 लोगों की मुखबिरी के शक में हत्या की गई। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा- मारे गए नक्सलियो में कितने इनामी नक्सली थे, कितने बाहरी थे। तब गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा- 137 नक्सलियों पर इनाम था। तब फिर से महंत ने पूछा कि, अब तक कितने बन्दूक जब्त हुए, कितने चलते हैं, भरमार बन्दूक से फायरिंग होते देखे हैं। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि, पुलिस वाले आम लोगों के सामने भरमार बन्दूक लेकर रख देते हैं और उन्हें नक्सली बता देते हैं। जाँच काराएंगे क्या, भरमार बन्दूक चलने लायक़ है या नहीं। इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, कोई मर गया उसके पास बंदूक रखकर फोटो खींचा लेना उचित नहीं है। यह आशंका भी गलत है, नक्सलियों के पास एके 47 भी बरामद हुए हैं। इस पर विधायक विक्रम मण्डावी ने पीडिया गाँव में 10 निर्दोष ग्रामीणों को मारा गया। विक्रम मंडावी के इस आरोप पर गृह मंत्री ने कहा- इस तरह के आरोप लगाकर सुरक्षा बलों का मनोबल मत तोड़िए। इस पर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नारेबाजी होने लगी। इसके बाद कवासी लखमा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार जिन्हें नक्सली बात रही है वे सभी ग्रामीण थे और तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए वहां एकत्र हुए थे। पुलिस ने उन्हें घेर कर गोली मार दिया। लखमा के इस आरोप पर गृह मंत्री भड़क गए। उन्होंने इस बयान को गैर जिम्मेदाराना और सुरक्षाबलों का मनोबल गिराने वाला बयान बताया। फर्जी मुठभेड़ और ग्रामीणों की हत्या के आरोपों से भड़के शर्मा ने लखमा के बयान को गैर जिम्मेदाराना बताया। कहा कि ऐसे गैरजिम्मेदाराना का मैं इसका कोई जवाब देना नहीं चाहता। शर्मा के इस बयान से विपक्षी सदस्य नाराज हो गए और अपने स्थान पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे। इसके जवाब में बीजेपी विधायकों ने भी नारेबाजी शुरू कर दी।

कांग्रेस शासन में छत्तीसगढ़ बन गया था अपराध गढ़ : किरणदेव

पीड़ित को और पीड़ित करती थी कांग्रेस सरकार

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कानून-व्यवस्था और अपराध को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन को मुद्दाविहीन कांग्रेस का राजनीतिक प्रदर्शन बताया है। देव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सशक्त नेतृत्व में भाजपा की प्रदेश सरकार में सबको न्याय मिलने की गारंटी है और सबको न्याय मिल रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि सभी की मुकम्मल सुरक्षा का समुचित उपाय प्रदेश सरकार ने किया है, जबकि कांग्रेस के कार्यकाल में अपराधी बेलगाम थे और अपराधियों को संरक्षण देने का काम होता था। कांग्रेस के राज में जो पीड़ित होते थे, उनकी एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई थी। कांग्रेस शासनकाल में अंजाम दिए गए ऐसे तमाम अपराधों पर अब भाजपा सरकार कार्रवाई कर रही है और अपराधियों को सींखचों के पीछे डाल रही है। देव ने कहा कि इससे अधिक शर्मनाक बात और क्या हो सकती है कि कांग्रेस के शासन में कांग्रेस के ही विधायक तक तत्कालीन गृह मंत्री के सामने यह बोलते थे कि पुलिस एफआईआर नहीं लिखती है और सब्जी वालों, टमाटर वालों से भी पैसे वसूली करती है। देव ने कहा कि कानून-व्यवस्था के नाम पर प्रलाप करते कांग्रेसी पहले यह बताएं भूपेश सरकार के समय आखिर हो क्या रहा था? प्रदेश में सरकार चल रही थी या माफिया गुंडाराज? एनएसयूआई के अध्यक्ष शराब दुकानों से अवैध वसूली कर रहे थे। कांग्रेस के लोग यह कतई न भूलें कि भूपेश सरकार के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ अपराधियों का गढ़ बन गया था और अपराधी तमाम अपराध पुलिस की नाक के नीचे संगठित गिरोह बनाकर अपराध कर रहे थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि अब भाजपा की सरकार है, जिसके शासन में अपराधियों को पकड़ा जाता है, हर अपराध की एफआईआर लिखी जाती है। यहाँ पर कोई अपराधी बच नहीं सकता। अपराधियों में खौफ कायम हो रहा है और कांग्रेस के शासन में छत्तीसगढ़ जो अपराध गढ़ बन गया था, उसे फिर से शांति का टापू बनाने के लिए भाजपा की प्रदेश सरकार संकल्पित है ।

पेयजल प्रबंधन व संरक्षण, जन जागरूकता के लिए रायपुर नगर निगम की पहल

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के मार्गदर्शन में रायपुर नगर निगम ने संबद्ध स्व-सहायता समूहों को 'अमृत मित्र' के तौर पर नई पहचान दी है। उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के निर्देशन में रायपुर नगर निगम छत्तीसगढ़ का ऐसा पहला नगर निगम है, जिसने अमृत शहरों में स्व-सहायता समूहों को शुद्ध पेयजल प्रबंधन, जल संधारण, संरक्षण व जल उपयोगिता के संबंध में हर घर को जागरूक करने स्व-सहायता समूह के सदस्यों को फील्ड पर बड़ी जिम्मेदारी दी हैं। इन समूह सदस्यों को मानदेय देकर समूह को आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में भी कदम बढ़ाने वाला रायपुर नगर निगम पहला निकाय है। नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के अनुसार रायपुर शहरी क्षेत्र में अमृत मिशन के तहत शुद्ध पेयजल उपलब्धता की दिशा में नगर निगम काम कर रहा है। हर घर जल के बेहतर प्रबंधन से जुड़े, मितव्ययता के साथ जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में शासकीय प्रयासों में अपना साथ दें, इसके लिए जन जागरूकता की जिम्मेदारी नगर निगम से जुड़े स्व-सहायता समूह की दीदियों को दिया गया है। समूह की दीदियां उद्यानों के रख-रखाव में भी अपनी भूमिका निभाएंगी, साथ ही जल से जुड़ी हर गतिविधियों के संबंध में जागरूकता के विस्तार में अपना दायित्व निभाएंगी, इसके लिए मानदेय भी निर्धारित किया गया है। आयुक्त मिश्रा ने आगे बताया कि महिला स्व-सहायता समूह पानी टंकी परिसर की सफाई, अंतिम उपभोग हितग्राही के घर पर फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से वॉटर क्वालिटी टेस्ट के अलावा अधिकृत एजेंसी या संगठन से वॉटर टेस्टिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के साथ ही पर्यावरण अनुकूल उद्यान सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण, वॉल पेंटिंग, ग्राफिटी पेटिंग में लोक कलाकारों की मदद लेकर जल सुरक्षा अभियान को आगे बढ़ाएंगी।

ज्ञात हो कि आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार ने अमृत मित्र योजना अंतर्गत ऐसे स्व-सहायता समूहों को जन जागरूकता के विस्तार से जोड़ने व जल प्रबंधन की दिशा में सम्यक प्रयासों हेतु हाल ही में दिशा निर्देश जारी किए थे। रायपुर नगर निगम इन निर्देशों का परिपालन कर सबसे पहले अमृत मित्र स्क्रॉड को जिम्मेदारी सौंपी है। इन महिलाओं को प्रतिमाह राज्य शासन द्वारा निर्धारित 7200/- रुपए का मानदेय प्राप्त होगा।

थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी एवं एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने बस्तर की संस्कृति का प्रतीक चिन्ह किया भेंट

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

मानेकशॉ सेंटर नई दिल्ली में आयोजित सैनिक स्कूल के भूतपूर्व छात्र सम्मेलन में अरुणाचलप्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. परनायक, थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, एडमिरल दिनेश त्रिपाठी को बीजापुर के कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने छत्तीसगढ़ की ओर से बस्तर की संस्कृति का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में थल सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि बस्तर क्षेत्र बहुत ही सुंदर एवं प्राकृतिक सौन्दर्यता से परिपूर्ण है। जनरल द्विवेदी ने बताया कि उनके पिता जी की पोस्टिंग भी बस्तर क्षेत्र में रहा है जिनके कारण वे इस क्षेत्र से पूर्व से ही परिचित हैं। बीजापुर में सामाजिक संगठनों द्वारा सैनिक स्कूल की मांग पर जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने विधिवत प्रस्ताव प्रेषित करने संबंधी जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में केवल एक ही सैनिक स्कूल अंबिकापुर में है। कलेक्टर अनुराग पाण्डेय ने कहा बीजापुर में सैनिक स्कूल खुलने से जिले में विकास की गति को नया आयाम मिलेगा, छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों का बीजापुर से संपर्क बढ़ेगा।

आरईएस ईई के संरक्षण से मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना का बंटाधार, विष्णुदेव साय से कार्यवाही का इंतजार

पायनियर संवाददाता ➤ गरियाबंद
www.dailypioneer.com

आरईएस विभाग के कार्यपालन अभियंता के संरक्षण से मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है जिसका खमियाजा गांव-गांव के स्कूल मे अध्यन्नरत बच्चो उठाना पड़ रहा है क्योंकि ठेकेदार द्वारा नाम मात्र का मरमम्त किया है जिसे देख भी विभागीय कार्यपालन अभियंता आंख मूंदे बैठे हैं ऐसे देवभोग ब्लॉक के कुर्मीबासा स्कूल में देखने को मिला है। जहां 1 लाख 6 हजार से अधिक राशि मरम्मत के लिए स्वीकृत हुआ जिस पर ठेकेदार ने आधा ट्रीप रेत आधा ट्रीप गिट्टी और 20 एमएम गिनती के छड़ से लेंटर डालकर रफा-दफा करने की बात कही गई ना ठीक तरह स्कूल की मरम्मत हो पाई और रंग रोगन पोताई हुआ यहां तक स्कूल प्रबंधन द्वारा ठेकेदार से लाख गुहार के बावजूद भी भवन का छज्जा तक नही बनाया जबकि वर्षो पहले टूटा है ऐसे और भी कई स्कूल मैनपुर और देवभोग ब्लॉक के अंतर्गत अपने बुरे हाल पर आंसू बहा रहा है खास कर मैनपुर के स्कूलो के मरम्मत की चीख चीख कर अधिकारियों और ठेकेदार के भ्रष्टाचार को बया कर रही है जिससे लगभग जिला प्रशासन भी भली भांति अवगत हैं फिर भी ठेकेदारों के चढ़ावे के बीच अब तक कोई न्यायिक कार्यवाही नहीं हो रही है जबकि शिकवा शिकायतो का अंबार लगा रहा मगर कोई कार्यवाही नहीं होता देख लोगो ने शिकायत दर्ज कराना ही छोड़ दिया शायद यही वजह है कि क्वालिटीहीन स्कूल मरम्मत को अंजाम दिया गया है जिसकी शिकायत प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय तक भी हो चुकी है लेकिन अभी लोगो को कार्यवाही का इंतजार है।

तथ्यात्मक रिपोर्ट नहीं पहुंचने की संभावना

प्रदेश भर में 2000 करोड़ से अधिक की राशि से मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत हजारों स्कूल की मरम्मत के जांच करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी को दायित्व दिया रहा जिसके बाद यह आदेश को सर्कुलेट करते हुए सभी कलेक्टरों से जांच प्रतिवेदन मंगवाने की बात कही जाती हैं इसी तर्ज पर गरियाबंद से भी जांच रिपोर्ट भेजने की कवायद रही लेकिन उक्त रिपोर्ट में जमीनी हकीकत पूरी तरह गायब बताया जाता है क्योंकि जिन स्कूलों का निर्धारित मापदंड अनुसार दूर-दूर तक मरम्मत नही हुआ उस स्कूल को भी ठीक-ठाक मरम्मत होने की रिपोर्ट भेजने की अशंका जताई जा रही है मतलब मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूल मरम्मत के लिए आबंटित राशि आरईएस विभाग और ठेकेदार द्वारा कमाई का काम रहा क्योंकि ना शिकायत पर कार्यवाही होनी और कोई उच्च अधिकारियों की नजर ऐसे में इस योजना पर अपार भ्रष्टाचार की सीमा को लाघने की बात भी कही जाती हैं।

सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी और आर पसन्ना के निगरानी में जांच की मांग

जिस तरह गरियाबंद जिले में मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूल स्कूल में भ्रष्टाचार को अंजाम दिया है उसके खिलाफ जिला स्तर पर कार्यवाही होने की काफी कम संभावना बताई जाती है ऐसे में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ साथ दबी जुबान शिक्षको की शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी और पंचायत सचिव आर परसन्ना के निगरानी में जांच करने की मांग हो रही है ताकि जमीनी वस्तु स्तिथि अनुसार जांच हो और जांच अनुरूप कार्यवाही क्योंकि स्कूल मरम्मत के नाम पर लाखो रुपए के कमीशन खोरी को अंजाम दिया गया है।

20 घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद मिला तीन साल के नैतिक का शव, आंगनबाड़ी के बाहर खेलते-खेलते नाले में बह गया था मासूम

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

20 घँटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद घटना स्थल से 3 किलोमीटर दूरी पर ग्राम बड़गाँव के नाले के पास झाड़ियो में 3 साल मासूम नैतिक का शव फंसा मिला है। मंगलवार को दोपहर करीबन डेढ़ बजे आंगनबाड़ी में पढ़ने गए 3 साल के नैतिक की पास के नाले में बहने की ख़बर मिली थी। तब से चल सर्च अभियान चल रहा था। बुधवार की सुबह साढ़े 8 बजे बड़गांव नाले के पास झाड़ियों में मासूम बच्चे का शव मिला हैं। नगर सेनानी और ग्रामीणों की मदद से बच्चे के शव को बाहर निकाला गया। और फिर नहर पार कर मासूम के शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर लाया गया। इस हृदय विदारक घटना से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम छा गया हैं। वही कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के निर्देश पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक ने मामले में जांच समिति गठित की है। डौंडीलोहारा एसडीएम शिवनाथ बघेल को जांच समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। एवं अन्य सदस्य एसडीओपी, जिला महिला बाल विकास अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिव गठित जांच समिति का हिस्सा होंगे। 3 दिन के भीतर जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए गए है।

आंबा कार्यकर्ता व सहायिका की बड़ी लापरवाही

दरअसल मंगलवार करीबन डेढ़ बजे जिले के डौंडीलोहारा ब्लाक के ग्राम भेड़ी में बड़ी घटना घट गई थी। जहा आंगनबाड़ी में पढ़ने गया 3 साल का बच्चा नैतिक सिन्हा पिता वासुदेव सिन्हा आंबा केंद्र से लगे साढ़े 3-4 फीट के नाले में खेलते वक्त बह गया था। जिसकी तलाश देर शाम तक प्रशासन की टीम करती रही रही थी। पुनः दूसरे दिन बुधवार को भी बच्चे को ढूंढने नगर सेनानी की टीम द्वारा सर्च अभियान चलाया गया। वही घटना के सूचना मिलते ही मंगलवार को डौंडीलोहारा एसडीएम, पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुची थी और बच्चे की तलाश किया गया था। अब मासूम बच्चे की मौत के बाद पूरे मामले में लापरवाही की बात भी सामने आई है। जहा बच्चा आंगनबाड़ी में पड़ने गया था और ये घटना घट गई। इसमे बड़ी लापरवाही आंबा कार्यकर्ता और सहायिका की देखी जा रही है।

शासन प्रशासन की बड़ी लापरवाही

उक्त घटना के बाद क्षेत्र की कांग्रेस विधायक और पूर्व महिला बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया का मामले में बड़ा बयान सामने आया हैं। अनिला ने शासन-प्रशासन की लापरवाही से मासूम की जान जाने का आरोप लगाया है। बारिश में इतने बड़े नाली को खुला छोड़ना प्रशासन की लापरवाही बताया हैं। उन्होंने कहा कि कई ऐसे संस्थान है, जहा छोटे बच्चे पढ़ते है। वहा पर सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना सरकार का काम है। इस घटना में बड़ी लापरवाही सरकार और जिला प्रशासन की हैं। विधायक अनिला ने आंबा कार्यकर्ता और सहायिका की घोर लापरवाही बताया है। मृत मासूम बच्चे की मौत कर बाद जो परिजनों पर बीत रही है, इसकी जिम्मेदार शासन है।

25 July 2024 Pride Of Raipur

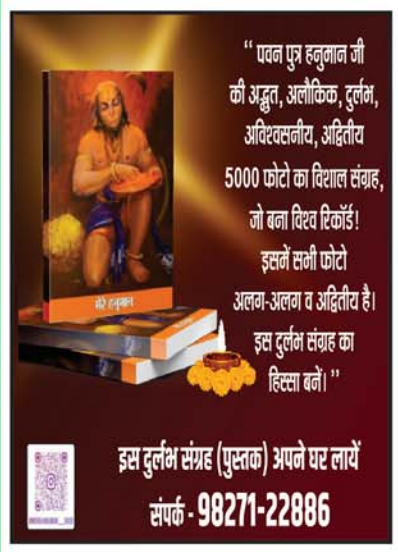

विज्ञापन के लिये संपर्क करें : 9827146567, 9329846567

तीन महिला इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, एक पर पांच और दो पर एक-एक लाख रुपए का घोषित था इनाम

पायनियर संवाददाता ➤ कांकेर
www.dailypioneer.com

कांकेर पुलिस को नक्सल मोर्चे में एक बड़ी कामयाबी मिली है। कांकेर में इनामी तीन महिला नक्सलियों ने पुलिस के सामने हथियार डाल दिए हैं। नक्सली गडचिरोली डिवीजन के तहत गट्टा लोकल स्कॉड ऑर्गेनाजेशन एरिया कमेटी सदस्य (डिप्टी कमांडर) और दूसरी टेलर टीम सदस्य के रूप में सक्रिय थी। तीसरी नक्सली मेढ़की एलओएस सदस्य थी। शासन की पुनर्वास नीति और अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैंप स्थापित कर पुलिस एवं सीमा सुरक्षा बल के बढ़ते प्रभाव से नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे है। आत्मसमर्पित एक नक्सली पर पांच लाख और दो नक्सलियों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। एडिशनल एसपी प्रशांत शुक्ला ने बताया कि कांकेर जिला पुलिस और सीमा सुरक्षा बल द्वारा नक्सलियों के विरुद्ध लगातार चलाये जा रहे हैं जिसके तहत तीन महिला नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। नक्सली संगठन अंतर्गत गढ़चिरोली डिवीज़न के भामरागढ़ एरिया कमेटी के गट्टा एलओएस में एरिया कमेटी सदस्य (डिप्टी कमांडर) मोती पोयाम उर्फ यमला पिता मंगलू पोयाम उम्र 25 वर्ष, ग्राम - बरदेला, थाना- जांगला, जिला - बीजापुर (छ.ग.) की रहने वाली है। दूसरी गडचिरोली डिवीजन अंतर्गत टेलर टीम सदस्य संचिला मंडावी पिता सोम्बारू मंडावी उम्र 21 वर्ष, ग्राम- उस पर, थाना- भैरमगढ़, जिला - बीजापुर (छ.ग.) की रहने वाली है जो नक्सली संगठन वर्ष 2015 और 2020 से सक्रिय होकर काम कर रही थी। तीसरी लखमी पददा पिता मंगलू पददा (काकनार एल ओ एस कमांडर) उम्र 20 वर्ष, पता - ग्राम - डोमांज, पोस्ट-कोहकमेटा, थाना - ओरछा, जिला-नारायणपुर, (छ.ग.) जो नक्सली संगठन में 2019 में पार्टी सदस्य के रुप में सक्रिय थी। तीनो पर छ.ग. शासन की 'पुनर्वास नीति' के तहत कुल 07 लाख रूपये का इनाम घोषित था।

नाबालिग छात्रा से भवन निर्माण का कार्य कराने वाले शिक्षक निलंबित

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कलेक्टर कुणाल दुदावत की अनुशंसा पर लोक शिक्षण संचालक द्वारा नाबालिग छात्रा से भवन निर्माण का कार्य कराने वाले शिक्षक विनोद शार्दुल को निलंबित कर दिया है। मूलतः शासकीय हाईस्कूल पल्ली में व्याख्याता (एल.एबी.) और वर्तमान में प्राचार्य के प्रभार पर पदस्थ विनोद शार्दुल को निलंबित कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि, विनोद कुमार शार्दुल द्वारा 7 जुलाई को कक्षा दसवीं में अध्ययनरत छात्रा लखेश्वरी मानिकपुरी व इस्ती नेताम को अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम सितली से कोंडागांव निमार्णाधीन भवन में कार्य करने के लिए लाया गया। निमार्णाधीन भवन के ऊपर से गिरने के कारण छात्रा लखेश्वरी मानिकपुरी की मृत्यु हो गई। संस्था प्रमुख होने के नाते शाला के छात्र-छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी शार्दुल की है, पर उन्होंने शाला की नाबालिग छात्राओं से जोखिम भरा कार्य कराया, जिसके कारण छात्रा लखेश्वरी मानिकपुरी की मृत्यु हो गई। शार्दुल द्वारा उक्त घटना की लिखित तथा मौखिक सूचना अपने उच्च अधिकारियों को भी नहीं दी गई। विनोद कुमार शार्दुल के इस कृत्य को बालक और कुमार श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 के धारा-3,। की उपधारा पप एवं छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम-3 के विपरीत पाते हुए कलेक्टर दुदावत द्वारा शार्दुल के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने की अनुशंसा पर यह कार्यवाही की गई। इसके साथ ही विनोद कुमार शार्दुल के विरुद्ध इस मामले में एफआईआर भी दर्ज कराया गया है। छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के उपनियम (1) के अन्तर्गत विनोद कुमार शार्दुल, प्रभारी प्राचार्य (मूल पद व्याख्याता एल.एबी.), शासकीय हाईस्कूल, पल्ली, विकासखण्ड व जिला कोण्डागांव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए इनका मुख्यालय, कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कोंडागांव निर्धारित किया गया है।

कलेक्टर ने कहा घुमंतु पशुओं के सड़कों पर विचरण में लगाए रोकथाम

कोंडागांव। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कलेक्टर ने घुमंतु पशुओं को सड़कों में आने से रोकने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि, आवारा पशुओं के सड़कों पर आने की स्थिति में तुरंत हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने घुमंतु पशुओं को गौशाला एवं कांजी हाउसों में रखने तथा पशुपालकों को जागरुक करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस अवसर पर मदिरापान कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग में रोशनी की व्यवस्था करने तथा ब्लैक स्पॉट में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही दुर्घटना की स्थिति में घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए तीन एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।

ब्लॉक कांग्रेस द्वारा बाढ़ पीड़ितों को दिया गया दैनिक उपयोगी सामग्री

पायनियर संवाददाता ➤ दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

किरंदुल में हो रही लगातार तेज मूसलाधार बारिश के कारण एनएमडीसी खदान पहाड़ की ओर से तीव्र गति में पानी व लौह चूर्ण के बहाव से किरंदुल के सुभाष नगर, बंगाली कैम्प, मलप्पा कैम्प एवम अन्य आस पास के क्षेत्र में हुए जलभराव से सैकड़ों लोगों को भारी नुकसान हुआ था। साथ ही प्रभावितों का घर, कपड़ा, बर्तन, वाहन एवं दैनिक घरेलू उपयोगी सामाग्री पानी में बह गए थे।इस प्राकृतिक आपदा के समय जरूरतमंदों को सहयोग करते हुए बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा वार्ड मांक 06 में पीड़ितों को छाता, चप्पल गर्म कपड़े एवं दैनिक उपयोगी सामग्री वितरण किया गया।मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजू रेड्डी, बबलू सिद्दीकी, पार्षद दिनेश प्रसाद सिंह, रमेश देशमुख एवं कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में न करें कोई लापरवाही : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। जिला कार्यालय में कलेक्टर ने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन पर निगरानी के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सभी नोडल अधिकारी अपने-अपने निर्धारित ग्राम पंचायतों का भ्रमण करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन पर निगरानी रखेंगे। उन्होंने कहा कि इससे विभिन्न योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में सहायता प्राप्त होगी। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु सभी निर्मित शेडों को कार्यशील बनाने व स्व सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से कचरा संग्रहण एवं निष्पादन करने के निर्देश दिए। उन्होंने गारबेज वल्नरेबल प्वाइंट से कचरा हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी इस दौरान दिए। उन्होंने सामुदायिक बायोगैस तथा शौचालय के निर्माण में गति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राशन कार्डों में सदस्यों के ई-केवाईसी के कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि, जिन दुकान संचालकों द्वारा इस कार्य में लापरवाही बरती जा रही है, उनके विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने दिव्यांग शिविरों में प्राप्त आवेदनों के आधार पर दिव्यांगों की जांच सुनिश्चित करते हुए दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए समाज कल्याण विभाग की उप संचालक को निर्देशित किया। इसके साथ ही स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने के लिए भी निर्देशित किया। स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ ही कुष्ठ, क्षय रोग के रोगियों की पहचान करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए ग्रामवार लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने इसके साथ ही आश्रम-छात्रावासों में अध्ययनरत बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की समीक्षा भी की। उन्होंने मलेरिया तथा डायरिया की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि, लोगों को मच्छरदानी के उपयोग के लिए जागरूक करें। इसके साथ ही जल ाित एवं पानी टंकियों का क्लोरीनाईजेशन करें। उन्होंने लंबे समय तक बिना सूचित किए हुए कार्य में अनुपस्थित कर्मचारियों के विरुद्ध सामान्य प्रशासन विभाग के निदेर्शानुसार बर्खास्तगी की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया।

किरन्दुल में भारी बारिश के कारण गिरी घर की दीवार

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

लौहनगरी किरंदुल में पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जन जीवन अस्त व्यस्त हैं तथा पेड़ गिरने, छत टूटने एवम घर गिरने जैसी घटनाएं देखी जा रहीं हैं। तेज बारिश के कारण सुबह करीब 05 बजे वार्ड क्र. 04 धरमपुर कैम्प में विमला दुर्गा नामक महिला के घर की दीवार गिरकर धराशायी हो गई तथा शीट एडवेस्टर टूटने के साथ घरेलू सामग्री क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान परिवार के सदस्य घर पर सो रहे थे लेकिन उन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना की जानकारी पटवारी पुलक देवनाथ को दिया गया हैं।

एनएमडीसी किरंदुल परियोजना ने पेश की मानवता की नायाब मिसाल

पायनियर संवाददाता ➤ किरंदुल
www.dailypioneer.com

एनएमडीसी किरन्दुल परियोजना ने कल यानि मंगलवार को 179 आपदा पीड़ित प्रत्येक परिवार को 20 हज़ार रुपये चेक के माध्यम से मंगल भवन बंगाली कैम्प में आपदा सहयोग राशि प्रदान कर मानवता की नायाब मिसाल कायम की है। एनएमडीसी लिमिटेड के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी तथा निदेशकों के सतत मार्गदर्शन एवं कलेक्टर, जिला प्रशासन दंतेवाड़ा की सहमति एवं असीम सहयोग और मुख्य महाप्रबंधक तथा परियोजना प्रमुख, किरंदुल कॉम्प्लेक्स संजीव साही के नेतृत्व में उक्त राशि के चेक आर राजाकुमार महाप्रबंधक (उत्पादन), उपमहाप्रबंधक (कार्मिक) बी के माधव, सुब्रमण्यमन एम महाप्रबंधक (विद्युत), संजय कोचर महाप्रबंधक (खनन), विवेक चंद्रा एसडीएम के कर कमलों से पीड़ित परिवारों को वितरित किए गए।परिवारों के नुक़सान का सर्वे पटवारी एवं किरंदुल कॉम्प्लेक्स द्वारा गठित समिति ने किया। इसके पश्चात नुकसान का जायजा परियोजना एवं जिला प्रशासन द्वारा लेकर मुआवजा दिया जाएगा। विदित हो कि घटना के दिन से ही पीड़ित परिवारो को राहत शिविर में रहने और खाने की उत्तम व्यवस्था किरंदुल के मंगल भवन में परियोजना ने की है। ऐसे विभिन्न कार्यों में किरंदुल कॉम्प्लेक्स के कार्मिक, सिविल आदि विभागों के कर्मियों और जिला प्रशासन के कर्मियों के साथ ही 200 लोगों ने लगातार हो रही बारिश में रात दिन मेहनत कर के इस प्राकृतिक आपदा में युद्ध स्तर पर पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाई है। ऐसे कठिन समय में पीड़ित परिवारो के प्रति पूर्ण सहानुभूति रखते हुए किरंदुल कॉम्प्लेक्स प्रबंधन ने राहत कार्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सभी को अनंत धन्यवाद दिए है।

वन अधिकार पट्टों के नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन का दिया गया प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

वन अधिकार पत्र के तहत मिले वनभूमि का भी नामांतरण एवं बंटवारा राजस्व भूमि की तरह हो सकेगा। इन इलाकों में वन विभाग के रेंजर तहसीलदार की भूमिका निभाएंगे। राज्य सरकार ने रेंजरों को तहसीलदार के अधिकार से लैस कर दिया है। जिला कार्यालय के वन अधिकार पट्टों के नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि, राज्य सरकार ने वनवासियों के हितों को सामने रखकर कुछ इस तरह का निर्णय लिया है। वन अधिकार पट्टाधारी वनवासी अगर पट्टे की जमीन को अपने बेटों के बीच बंटवारा करना चाहें तो पुस्तैनी जमीन की तरह बंटवारा कर सकेंगे। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के नाम नामांतरण भी करा सकेंगे। रेंज आफिस में नामांतरण व बंटवारा का काम होगा। उन्होंने 10 अगस्त तक नामांतरण के सभी प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने वन भूमि नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन से संबंधित दस्तावेजों को सहेज कर रखने के संबंध में भी निर्देशित किया।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद् दल्ली राजहरा जिला बालोद (छ.ग.)

फोन नं./फैक्स नं. 07748-286524 E-mail : mcdallirajharar@rediffmail.com

क्रमांक/833/लो.नि.व./नि.आ.सू./2024-25 // मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना // दल्लीराजहरा, दिनांक 23/07/2024

नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा अध्यक्ष/पार्षद निधि अंतर्गत निम्नांकित कार्य के लिये सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदारों से पी.डब्ल्यू.डी.एस.ओ.आर. 01.01.2015 भवन, सड़क एवं विद्युत एस.ओ.आर. 01.06.2020 प्रचलित एस.ओ.आर. में कम या समान अथवा अधिक प्रतिशत दरों पर निविदा प्रपत्र प्रपत्र ''A'' में त्रि-लिफाफा पद्धति के माध्यम से स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक के माध्यम से दिनांक 14.08.2024 को समय अपरान्ह 3:00 बजे तक मुहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि - 01.08.2024 समय 4:00 बजे तक
2. निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 08.08.2024 समय 4:00 बजे तक
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 14.08.2024 समय 3:00 बजे तक
4. निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 14.08.2024 समय 4:00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	समयावधि
1	अध्यक्ष निधि से विभिन्न वार्डों में चबुतरा मंच निर्माण/सार्वजनिक/सामुदायिक/सांस्कृतिक भवन निर्माण एवं संधारण तथा सीमेंटीकरण सह नाली निर्माण एवं सौंदर्याकरण कार्य	19.00	कार्यादेशानुसार
2	पार्षद निधि से विभिन्न वार्डों में पाईप लाईन विस्तारीकरण कार्य	15.65	
3	पार्षद निधि से विभिन्न वार्डों में सार्वजनिक सामुदायिक/सांस्कृतिक भवनों का संधारण एवं निर्माण कार्य	15.47	
4	पार्षद निधि से विभिन्न वार्डों में चबुतरा एवं मंच संधारण तथा निर्माण कार्य	15.70	
5	पार्षद निधि से विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण तथा संधारण कार्य	8.26	
6	पार्षद निधि से विभिन्न वार्डों में बोर खनन कार्य फिटिंग सामग्री सहित	10.00	

टीप:- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय के संबंधित विभाग से प्राप्त की जा सकती है साथ ही विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद्, दल्लीराजहरा

भंवरा, गेड़ी, बांटी, टायर दौड़, फुगड़ी, कुर्सी दौड़, रस्सी खींच रहा आकर्षण का केंद्र

प्राथमिक शाला मुरारीपारा में छग के पारंपरिक खेलों का किया आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव से संबंध सभी शालाओं में तृतीय दिवस को खेल दिवस मनाने का निर्देश प्राप्त हुआ था।

इसी कड़ी में भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव से संबंध शासकीय प्राथमिक शाला मुरारी पारा बड़ेबेंदरी में प्रधान अध्यापक एवं कब दूमास्टर पवन कुमार साहू के नेतृत्व में एवं शिक्षिका उत्तरा साहू व संतोषी पटेल एवं कब-बुलबुल टीम के छात्र-छात्राओं के उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से बालक वर्ग में भंवरा, गेड़ी, बांटी, रस्सी खींच, मेंढक दौड़, पुट्टुल, गुब्बारा फुलाना एवं टायर दौड़ का आयोजन किया गया। वहीं बालिका वर्ग में फुगड़ी, बिल्लस, कुर्सी दौड़, रस्सी कूद, गुब्बारा फुलाना, रिंग फसाना, तथा सभी वर्ग के छात्र-छात्राओं को ध्यान योग कराया गया । पारंपरिक खेलों में भंवरा में गणेश प्रथम, परित द्वितीय, गेंडी में हर्षवर्धन प्रथम, कन्हैया द्वितीय, बांटी में गणेश प्रथम, मौसम द्वितीय, रस्सी खींचने हर्षवर्धन टीम ने बाजी मारी। वही मेंढक दौड़ में अनीस, शिव प्रकाश, सौरभ व बालिका वर्ग के खेलों में फुगड़ी में सविता प्रथम, वंदना द्वितीय, बिल्लस में सविता प्रथम, वंदना द्वितीय, कुर्सी दौड़ में भावना प्रथम, आरुषि द्वितीय, रस्सी कूद में सविता प्रथम, वंदना द्वितीय, गुब्बारा फुलाने में मुस्कान प्रथम, एलिजा द्वितीय, रिंग फसाने में वंदना प्रथम, आरुषि द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उपरोक्त सभी प्रतिभागियों को विद्यालय परिवार की ओर से लेखनी भेंट कर सम्मानित किया गया व उपरोक्त सभी पारंपरिक खेलों को नियमित रूप से खेलने हेतु प्रेरित किया। इस प्रकार के खेल आयोजन से शारीरिक एवं मानसिक विकास होती है। इसलिए नियमित रूप से घरों में एवं विद्यालयों में खेल खेलना आवश्यक है। विशेष रूप से सहयोग के लिए संस्था प्रभारी पवन कुमार साहू ने उत्तरा साहू, संतोषी पटेल एवं कब बुलबुल टीम का आभार व्यक्त किया।

आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड

(पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात) (CIN: L65922RJ2011PLC034297)
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: 201-202, द्वितीय मंजिल, साउथ एंड स्क्वायर, मानसरोवर इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302020

कब्जा नोटिस

जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता **आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात)** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए ''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002'' की धारा 13(12) और सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के नियम 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणियों को मांग सूचना पत्र जारी किया गया। नीचे तालिका में उनके सामने दर्शाए अनुसार राशि का मांग पत्र प्राप्ति के 60 दिन के अंदर भुगतान करने की मांग की गयी। यह है कि ऋणी सम्बंधित राशियों का भुगतान करने में विफल रहे अत: ऋणीयों तथा आम जनता को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त एक्ट की धारा 13(4) सहपठित नियम 9 के नियमों के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में नीचे वर्णित सम्पत्तियों का अधिपत्य तालिका में उनके सामने दर्शाई गई दिनांक को ग्रहण कर लिया है। ऋणियों व जमानतियों को विशिष्टया तथा सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। इन सम्पत्तियों के साथ किसी भी प्रकार का व्यवहार निम्न खातों के सामने दर्शाई गई बकाया राशि तथा उन पर ब्याज व खर्चों के लिए आवास फाईनेंस **आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड (पूर्व में ''ए यू हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड'' के नाम से ज्ञात)** के प्रभार के अध्यधीन होगा।

ऋणी का नाम	धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक संपत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख एवं प्रकार
संतोष कुमार, आशा यादव खाता स. LNRAI00721-220191783	16 मई 2024 ₹ 1672511/- बकाया दिनांक 14 मई 2024	सम्पत्ति केएच नं. 125/3 का भाग (केएच नं. 125/1-125/2 का भाग), स्थित गांव तुलसी, पी.एच नं. 17, आरआईसी-व तहसील-तिल्दा, जिला-रायपुर, छत्तीसगढ़-394114 **क्षेत्रफल 1950 वर्ग फीट**	सांकेतिक कब्जा दिनांक 22 जुलाई 2024

स्थान : जयपुर दिनांक : 25-07-2024 प्राधिकृत अधिकारी आवास फाइनेंसियर्स लिमिटेड

समाज के हर तबके को सौगात : डॉ. सनम जांगड़े

बजट युवाओं के लिए नई संभावनाओं का द्वार खोलेगा : रितेश श्रीवास्तव

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

पूर्व विधायक व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े ने प्रस्तुत केंद्रीय बजट जो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र की मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पूर्ण बजट पेश किया उस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा की, बजट में वित्त मंत्री ने देश के समृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों के साथ-साथ लोगों के निजी हितों का भी विशेष ध्यान रखा है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने उन सभी जनकल्याणकारी योजनाओं को विस्तारित करने का भी ऐलान किया है, जो कि मौजूदा समय में लोगों के निजी हितों को सकारात्मक तरीके से प्रभावित कर रहे हैं। इसके अलावा, लोगों के हितों को केंद्र में रखते हुए वित्त मंत्री ने कई बड़े ऐलान किए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना आदिवासी-बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनाएगी। इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा।

भारत को विकसित बनाने की दिशा में बड़ा कदम : कृष्णा अवस्थी

भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री कृष्णा अवस्थी ने केंद्रीय बजट के प्रस्ताव में आधारभूत संरचना को मजबूत करने 11,11, 111 करोड़ रुपए के प्रावधान को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि जिस भी देश में आधारभूत संरचना को मजबूत करने का काम होता है, वही देश विकसित होता है। इससे निवेश बढ़ता है, इससे परिवहन की लागत कम होती है, नौकरियों में वृद्धि होती है और देश के नागरिकों को मिलने वाली तमाम सुविधाओं में वृद्धि होती है। आधारभूत संरचना के लिए यह प्रावधान देश की आर्थिक उन्नति और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दृष्टि से बेहतर महत्वपूर्ण साबित होगा।

विकसित भारत की राह मजबूत करने वाला बजट

भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी रितेश श्रीवास्तव ने केंद्रीय बजट में युवाओं को गारंटी मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में युवाओं और रोजगार की गारंटी पर फोकस दिखा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ईपीएफओ को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने पांच योजनाओं के लिए बजट में 2 लाख करोड़ के आवंटन का ऐलान किया है। इस बजट में उन्होंने पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा दिया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि संगठित क्षेत्र में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए तीन किस्तों में जारी किया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पूरे वर्ष और उससे आगे की ओर ध्यान देते हुए, इस बजट में, विशेष रूप से रोजगार, कौशल, और मध्यम वर्ग पर फोकस करते हैं। 5 साल की अवधि में 4.1 करोड़ युवाओं के लिए रोजगार, कौशल और अन्य अवसरों की सुविधा के लिए 5 योजनाओं और पैकेज की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसमें 2 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। हर शहर, हर गांव, हर घर एंटरप्रेन्योर बनाना है। इसीलिए मुद्रा लोन के तहत बिना गारंटी के लोन को 10 से बढ़ाकर 20 लाख किया गया है। यह युवाओं के सामने संभावनाओं के द्वारा खोलने वाला बजट है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुजनों का किया सम्मान

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

शाउमावि दुलारपाली में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा अपने गुरुजनों का भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। सम्मान समारोह शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्य डॉ गोपीनाथ साहू मुख्य आतिथ्य में तथा प्राचार्य प्रेमानन्द भोई की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वीणावादिनी माँ सरस्वती की पूजन वन्दन कर किया गया। ततपश्चात कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा अप्पी साहू और आरती साहू की अगुवाई में विद्यार्थियों ने समवेत स्वर में सरस्वती गुरु वन्दना प्रस्तुत की। शिक्षक टेकलाल पटेल, के के नायक, डी एल पोर्ते, शरद कुमार बाघ ने गुरु पूर्णिमा के महत्व व पारम्परिक गुरु शिष्य संस्कृति पर प्रकाश डाला। वहीं रोहित साहू, अंजली पटेल और सुशांत प्रधान ने अपने विद्यार्थी काल के प्रसंग व संस्मरण सुनाया और बताया कि शिक्षक का प्रभाव जीवन को प्रभावशाली बना देता है। डी एल खटकर ने कहानी के माध्यम से गुरु के महत्व को बताया। मुख्य अतिथि ने अपने उदबोधन में कहा कि गुरु शिष्य का यह मधुर सम्बन्ध सदा बना रहे। प्राचार्य ने अध्यक्षीय उदबोधन में माँ को प्रथम गुरु बताया और ब्रह्मा, विष्णु,और महेश गुरू को क्यों कहा जाता है,स्पष्ट किया। टेषु साहू, कामिनी साहू, परी वैष्णव, पूजा निषाद, खुशबू ने गीत कविता के माध्यम से गुरु का गुणगान किया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यार्थियों ने स्वप्रेरणा से किया, मंच संचालन प्रार्थना प्रभारी खुशी साहू कक्षा बारहवीं ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हाराधन चौधरी व सी एस विशाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

क्षेत्र मे दो दिन से झड़ी 24 घंटे मे 74.2 मिली मीटर वर्षा रिकार्ड दर्ज

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

सावन लगते ही पहले ही दिन से शुरू हुई बारिश मंगलवार को पूरे दिन और रात मे लगी सावन की झड़ी जारी रही । इस दौरान पंचायत सचिव घनश्याम दीवान से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि नर्रा मे करीब 74.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज इस तरह कोमाखान तहसील मे 83 मिली मीटर वर्षा दर्ज मुनगासेर मे 85 मिली मीटर वर्षा दर्ज किया गया है। दिन और रात लगातार बारिश से बाहरा नार खेत खलियान लबालब जल भराव होने से तालाब मे तब्दील हो गई बाहरा नार खेत जुलाई माह के पहला पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी बारिश नही होने से लोग परेशान रहे जैसे ही सावन माह का आगमन हुआ वैसे ही बारिश शुरू हो गई । क्षेत्र मे गरज चमक एवं हवा के साथ झमाझम बारिश होने से अब लोगो को उमस गर्मी से राहत अच्छी बारिश होने से अब रोपा बियासी का कार्य मे आयेगी तेजी इसके अलावा नदी नाला तालाबो व जलाशाय का जलस्तर भी बढ़ा ।

बजट बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने में सहायक होगा : योगेश अग्रवाल

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

वरिष्ठ भाजपा नेता योगेश अग्रवाल ने कहा बजट पेश किया गया है वो बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने में सहायक होगा किसानों के लिए अनेक योजनाएं बनाई गई है जो कृषि को बढ़ावा देने में सक्षम होगा छत्तीसगढ़ को केंद्रीय बजट में 42 हजार 300 करोड की विभिन्न योजनाओं के लिए प्रावधान किया गया है यह बजट बहुआयामी विकास के लिए है छत्तीसगढ़ में रेलवे लाइन, सड़क, निर्माण स्वीकृत किए गए हैं मैं इस बजट का स्वागत करता हूं।

सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी बजट : टेसूलाल धुरंधर

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य टेसूलाल धुरंधर ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में 2024-25 के लिए प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बजट सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए समग्र विकास की अवधारणा पर आधारित सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी बजट है, उन्होंने कहा कि 2047 तक आत्मनिर्भर विकसित भारत बनाने के संकल्प पर अमल करते हुए बजट में गांव गरीब किसान महिला व युवाओं का विशेष ध्यान रखा गया है,बजट में देश की सुरक्षा को प्रथम प्राथमिकता देते हुए 454773 लाख करोड़, ग्रामीण विकास के लिए 265808 लाख करोड़, कृषि के लिए 151851 लाख करोड़ तथा शिक्षा के लिए 125638 लाख करोड़,तीन करोड़ परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास, शहरी आवास के लिए दस लाख करोड़, महिलाओं के लिए गहनों के एक्साइज ड्यूटी पर छूट का लाभ तथा 63000 गांवों में पीएम जनजातीय उन्नत अभियान पांच करोड़ आदिवासियों को लाभ पहुंचाने का प्रावधान,एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशीप के अंतर्गत पांच हजार रुपए प्रतिमाह देने, एक करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक बिजली फ्री देने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत सहित वेतनभोगियों के उम्मीदों पर खरा उतरते हुए नई टैक्स व्यवस्था के तहत स्टैंडर्ड डिडक्शन 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 75 हजार रुपए कर दिया गया है तथा टैक्स स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव कर मध्यम वर्ग को संतुष्ट करने का प्रयास किया गया है, इस प्रकार कुल मिलाकर बजट सबका साथ सबका विकास पर आधारित संतुलित दस्तावेज कहा जा सकता है।

बजट में स्वीकृत सड़कों का निर्माण पर रोक लगाना सरकार की जनविरोधी मानसिकता : विनोद चंद्राकर

विस क्षेत्र के ग्रामीणों व सरपंचों का सरकार पर से भरोसा उठा, दिल्ली जाकर बता रहे समस्या

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने महासमुंद विधानसभा क्षेत्र क्र. 42 के विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्य को भाजपा शासन द्वारा आर्थिक मितव्ययिता के नाम पर रोकने का आरोप लगाते हुए इसे भारतीय जनता पार्टी के साय सरकार की जनविरोधी मानसिकता का परिचायक बताया है। चंद्राकर ने कहा कि आज स्थिति यह आ गई है कि कलेक्टर से मुख्यमंत्री तक पंचायत के चुने हुए जनप्रतिनिधि गुहार लगाते थक चुके हैं। अब उन्हें अपनी मांगों व समस्याओं के समाधान के लिए दिल्ली तक दौड़ लगानी पड़ रही है। इसका स्पष्ट उदाहरण ग्राम बम्बूरडीह के सरपंच शत्रुहन चेलक है। जिन्होंने दिल्ली जाकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निवास तक जमीन पर लोटते हुए अपनी मांग व समस्याओं से उन्हें अवगत कराया है। 2-3 किमी लंबी छोटी सड़क के लिए ग्राम बम्बूरडीह के ग्रामीणों द्वारा चंदा एकत्र कर सरपंच को दिल्ली केंद्रीय मंत्री के पास भेजना यह इंगित करता है कि क्षेत्र के ग्रामीणों को साय सरकार पर भरोसा नहीं रहा। या यूं कहा जाए कि प्रदेश के विष्णुदेव सरकार जनता के अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पा रहा है। चंद्राकर ने कहा कि अपने कार्यकाल में उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से निवेदन कर महासमुंद विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण (पुल-पुलियों सहित) कार्य को बजट वर्ष 2023-24 में शामिल करवाया था। साल भर से निर्माण कार्य शुरू नहीं होने से क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश है। उक्त स्वीकृत कार्य आज प्रारंभ हो गए होते तो ग्रामीणों की बड़ी समस्या का समाधान हो जाता। लेकिन, भाजपा सरकार की जनविरोधी मानसिकता के चलते कार्य प्रारंभ नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले महासमुंद विधानसभा क्षेत्र के अनेक सड़क निर्माण कार्य बजट वर्ष 2023-24 में शामिल है, कार्य स्वीकृत भी है। कतिपय प्रशासनिक कारणों से कार्य प्रारंभ नहीं किये गये हैं। साथ ही कुछ कार्यों की निविदा भी नहीं हुई। चंद्राकर ने इस संबंध में उप मुख्यमंत्री अरूण साव को पत्र के माध्यम से जनहित के इस महत्वपूर्ण

कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने निवेदन भी किया था। चंद्राकर ने बताया कि 2023-24 बजट में निम्न मार्ग शामिल हैं - महासमुंद-तुमगांव मार्ग का चौड़ीकरण कार्य लंबाई 12.40 किमी, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 353 से लभराकला तक सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण लंबाई 12 कि.मी., महासमुंद के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल जाने का पहुंच मार्ग निर्माण लंबाई 0.50 कि.मी., वि.खं. व जिला महासमुंद के जामली से सिरगिड़ी मार्ग में डामरीकरण लंबाई 3 कि.मी., बरोंडा चौक महासमुंद से बम्हनी तक सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य लंबाई 9 कि.मी., बेमचा - परसवानी मुख्य पक्की सड़क से गोठिया खार तक डामरीकरण कार्य लं. 2 कि.मी., बेमचा ठाकुरदिया सड़क से बेलसोंडा तक डामरीकरण पक्की सड़क निर्माण लंबाई 2.50 कि.मी., ग्राम शेर से भलेसर तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 4 कि.मी., झलप-रायतुम-अचानकपुर मार्ग कि.मी. 1 से 9 चौड़ीकरण कार्य लंबाई 9 कि.मी., गोंगल से कुरुभाठा मार्ग निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित लंबाई 2 कि.मी., तुरेंगा से सरेकेल पहुंच मार्ग निर्माण कार्य लंबाई 2 कि.मी., सरेकेल से पाटनदादर तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 2.50 कि.मी., बम्हनी-नांदगांव-बेलसोंडा मार्ग (किमी 11 से 15/8 (100) तक) का मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य लंबाई 4.70 किलोमीटर, महासमुंद-भोरिंग-बेलटुकरी-अछोली मार्ग का मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य लंबाई 8.20 किमी, बावनकेरा से खम्हारमुड़ा (बेलपारा) तक सड़क निर्माण कार्य लंबाई 1.5 कि.मी. शामिल हैं। चंद्राकर ने कहा कि उपरोक्त लोकहितकारी कार्यों को सरकार द्वारा आर्थिक मितव्ययिता के नाम पर रोकना भाजपा के जनविरोधी मानसिकता को दर्शाता है। उपरोक्त सड़कों का निर्माण, चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण अत्यंत आवश्यक है। तुमगांव मार्ग चौड़ीकरण भी जरूरी हो गया है। क्योंकि, इस मार्ग पर अनगिनत दुर्घटनाएं आए दिन हो रही है। शासकीय उपेक्षा व अनावश्यक प्रशासनिक विलंब से आम जनमानस को परेशानी हो रही है। अतः जनहित के प्रति उदारता दिखाते हुए तत्काल सड़कों का निर्माण प्रारंभ कराया जाए।

देशवासियों की आकांक्षाओं का बजट विकसित भारत के संकल्प का पर्याय : श्याम बाई साहू

पायनियर संवाददाता ➤ कसडोल
www.dailypioneer.com

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रदेश मंत्री श्याम बाई साहू ने कहा की मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले बजट में सर्वांगीण, सर्वव्यापी तथा सर्व-समावेशी विकास के साथ वर्ष 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना की गई है। बजट में चार वर्ग गरीब, महिला, युवा और किसान का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा इस बजट में विशेष रूप से रोजगार, कौशल प्रशिक्षण, किसान और मध्यम वर्ग पर फोकस किया गया है। कौशल और रोजगार सृजन की घोषणाएं ऐतिहासिक हैं। 5 वर्ष की अवधि में 4.1 करोड़ युवाओं को सीधा लाभ होगा। कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के उत्पादकता और अनुकूलनीयता पर 1.52 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। पीएम आवास योजना के तहत 3 करोड़ नए घर बनाये जाएंगे। मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख की गई है। बजट में एम एस एम ई उद्यम के लिए वित्तीय पैकेज की घोषणा की गई है। साथ ही एम एस एम ई सेक्टर को दबाव के दौरान बैंक ऋण आसानी से मिलता रहे इसके लिए क्रेडिट गारंटी योजना शुरू होगी। प्रदेश मंत्री साहू ने बताया की बजट में वित्त मंत्री महोदया ने 9 सूत्रीय योजना पेश करते हुए विकसित भारत के लिए कृषि में उत्पादकता, रोजगार एवं कौशल, सामाजिक न्याय, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार और सुधार को प्राथमिकता में रखा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को 5 सालों के लिए बढ़ाने के ऐलान से 80 करोड़ से अधिक लोगों को सीधा लाभ होगा। आगे उन्होंने कहा वैश्विक अर्थव्यवस्था के मुश्किल दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, भारत में महंगाई दर करीब 4 फीसदी है। चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था के 6.5 से सात प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश मंत्री श्याम बाई साहू ने कहा कि केंद्रीय बजट देशवासियों की आशाओं, आकांक्षाओं और अमृतकाल के सभी संकल्पों को सिद्ध करने वाला है। उम्मीदों भरा यह बजट भारत को प्रगति की नई ऊंचाई पर पहुंचाएगा।

सीमारानी प्रधान को मिली पीएचडी की उपाधि

पायनियर संवाददाता ➤ भंवरपुर
www.dailypioneer.com

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द में हिंदी विभाग में पदस्थ सहायक प्राध्यापक एवं ग्राम हरदी निवासी सीमारानी प्रधान पति युगल किशोर प्रधान को 'बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के छत्तीसगढ़ी काव्य में राष्ट्रीय चेतना' विषय पर पीएचडी की उपाधि मिली है। इन्होंने अपना शोध कार्य शोध निर्देशक, डॉ अनुसुइया अग्रवाल, डी. लिट् प्राचार्य, शास महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद एवं सहायक शोध निर्देशक डॉ शीला दानी सहायक प्राध्यापक शास. कला एवम् वाणिज्य कन्या महाविद्यालय देवेंद्र नगर, रायपुर के निर्देशन में पूरा किया। इनका शोध केंद्र, शा.कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय देवेंद्र नगर रायपुर रहा है। साहित्यकार के रूप में प्रसिद्ध सीमारानी का जन्म फूलझर अंचल के ग्राम मोहका में पिता प्रेमलाल साहू एवं माता मालती साहू के घर हुआ था। बचपन से ही मेधावी रही प्रधान की प्रारंभिक शिक्षा गांव की स्कूल में हुई। कुछ समय मिडिल स्कूल भूकेल में शिक्षिका के पद पर भी पदस्थ रही। उन्होंने बताया कि घर गृहस्थी का काम के साथ-साथ पीएचडी की डिग्री हासिल करना एक बड़ी चुनौती भरा काम था। एक ग्रामीण परिवेश से निकलकर डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करना जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि मानती हूँ। प्रधान लेखन कला के क्षेत्र में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इनके द्वारा लिखा शिव भजन रिलीज हो चुका है जिसको फ़िल्मी गायक सुरेश वाडेकर ने अपना स्वर दिया है। इनका साझा कविता संग्रह कुसुम, छत्तीस रागनियां, नई मंजिले, प्रथमा, भारत रत्न प्राप्त विभूतियों पर, अर्जुन अवार्ड प्राप्त खिलाड़ियों, भारतीय संस्कृति पर आधारित साझा संग्रह, शहीद वीर नारायण सिंह, थर्ड जेंडर आधारित लघु कथा का प्रकाशन हो चुका है। इसके अतिरिक्त नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर व्याख्यान विविध विषयों पर शोध परक व विमर्श आधारित साझा संग्रह प्रकाशित हो चुका है। हिंदी, ओड़िया, छत्तीसगढ़ी, संबलपुरी, लरिया में लेखन कार्य एवं सामाजिक गतिविधि में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए वर्तमान में बाबा बिशासहे कुल कोलता समाज के आंचलिक सभा रायपुर के उपाध्यक्ष हैं।

यह सरकार बचाओ स्कीम का बजट है : हितेंद्र ठाकुर

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीता रमन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट प्रस्तूत किया जिसकी आलोचना करते हुए बलौदाबाजार जिला कांग्रेस अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर ने कहा कि इस बजट में सरकार ने किसानों मजदूरों महिलाओं एवं युवाओं के लिए कुछ भी विशेष प्रावधान नही किया है । इस बजट में कृषि क्षेत्र के लिए न तो पर्याप्त राशि आबंटित की गई है और न ही बीते कई वर्षों से आंदोलन में बैठे किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी दी गई है उन्होंने कहा कि सरकार की आमदनी के मुख्य स्रोत मध्यम वर्गीय आमजन, नौकरी पेशा कर्मचारी, आयकर दाताओं को भी जो राहत दी गई है वह भी ऊंट के मुह में जीरे जैसी है जहाँ एक ओर सरकार ने आयकर में 50 हजार का स्टैंडर्ड डिडक्शन बढ़ाया गया तो दूसरी तरफ छोटी, छोटी बचत करने वाले मध्यमवर्गीय नौकरी पेशा लोगो पर शार्ट टर्म केपिटल गेन टैक्स में 5 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई। इस बजट में सिर्फ कुर्सी बचाओ,सरकार बचाओ बजट की छाप देखने को मिल रही है। जिसमे सिर्फ बिहार और आंध्रप्रदेश राज्यो को ही पूरी तरह से केंद्रित किया गया है। देश की सरकार इन्ही दो राज्यो की सत्तासीन पार्टी की बैसाखियों के बदौलत टिकी हुई जिसके चलते वित्त मंत्री शायद ये भूल गई है कि देश मे अन्य राज्यो के लिए भी उन्हें कुछ प्रावधान करना चाहिए। युवाओं के विषय में ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में पहली नौकरी पक्की देने की जो घोषणा की थी जिसमे सभी युवाओं को सालाना 1 लाख रुपये का स्टायफण्ड देने की बात कही थी उसकी कॉपी इस सरकार ने करने का प्रयास किया है किंतु उसमे भी युवाओं को ठगने का काम करते हुए सिर्फ 60 हजार रुपये सालाना का बजट में प्रावधान किया है ।कुल मिला कर इस बजट में आम उपभोक्ता, गरीबो, महिलाओं, एवं मध्यमवर्ग के लिए कुछ नही किया गया यह एक सरकार बचाओ स्कीम का निराशा जनक बजट है ।

मतगणना के बाद स्कूलों में टेबल कुर्सियों को लौटाना भूल गए प्रशासन

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

महासमुंद जिला प्रशासन की लापरवाही देखिये कि लोकसभा चुनाव के दौरान मतगणना के लिए स्कूलों में बच्चों के बैठने के लिए रखी गई सैकड़ों कुर्सियां-टेबलों और कई स्कूलों से प्रधान पाठक तक के बैठने की रिवाल्विंग कुर्सियां उठा तक ले गए और मतगणना निपटने बाद उन्हें स्कूलों तक लौटाना भूल गए। जानकारी अनुसार मतगणना के बाद स्कूलों के प्राचार्य और शिक्षक जिला प्रशासन से लगातार कुर्सी टेबलों को वापस करने की मांग करते रहे, पत्र व्यवहार भी किया। लेकिन किसी ने भी इस पर कोई पहल नहीं। स्कूल खुलने के बाद भी किसी का ध्यान इस ओर नहीं रहा। अब हालात यह है कि बारिश जारी है और बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे हैं। इस बारिश में बच्चों के जमीन पर बैठने का श्रेय जिला प्रशासन को जाता है। इस मामले की खबर कलेक्टर प्रभात मलिक को इसकी जानकारी दी और कुर्सी टेबलों को स्कूलों तक पहुंचाने की मांग की। इस पर कलेक्टर ने कहा कि जल्दी ही विभागीय अफसरों से इस बारे में बात की। इसके तुरंत बाद जिला शिक्षा अधिकारी मोहन राव से बात की तो उन्होंने कहा था-मैं बाहर हूं आप हमारे विभाग के अफसर नंदकुमार सिन्हा से बात कर लीजिएगा। शिक्षा विभाग के अधिकारी नंदकुमार सिन्हा से बात की तो उन्होंने कहा कि मुझे पता नहीं है फिर भी कोशिश करता हूं। एक अधिकारी ने तो यह भी कहा कि स्कूलों तक टेबल कुर्सियां पहुंच जाएंगी, आप इसे अखबार में प्रकाशित मत कीजिए, बेकार बात का बतंगड़ बनेगा। इतना कहने के बाद सभी अधिकारी अपने वादे भी भूल गए। पंद्रह दिन बीत गये हैं, लेकिन अधिकारियों के वादे तो वादे होते हैं, वादों का क्या? यह तस्वीर जिला मुख्यालय के पास ही छह किलोमीटर दूर स्थित सोरिद स्कूल की तस्वीर है। टेबलकुर्सी के अभाव में सातवीं कक्षा के बच्चे जमीन पर बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। वहीं स्टेशन पारा स्कूल के प्राचार्य टेबल पर बैठकर अपना काम निपटा रहे थे। मतगणना के वक्त जिला प्रशासन ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सोरिद से 60, बम्हनी हायर सेकंड्री स्कूल से 60, लाफिन खुर्द हाई स्कूल से 30, मिडिल स्कूल लाफिन खुर्द से 33, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला स्टेशनपारा से 39 कुर्सी-टेबल की व्यवस्था की थी। बच्चों की इन कुर्सियों के भरोसे जिला प्रशासन ने मतगणना भी करा दी और कुर्सी टेबलों को स्कूलों में पहुंचाने की कोशिश तक नहीं की। तमाम स्कूल के शिक्षकों ने बातचीत में कहा कि 4 जून को मतगणना के बाद से कुर्सी टेबल को स्कूलों तक पहुंचाने की मांग की जा रही है। लेकिन अधिकारियों की लापरवाही देखिये कि मतगणना के बाद 16 जून स्कूल खुलने के वक्त तक उनके पास पूरे 12 दिन थे कुर्सियों को स्कूलों तक पहुंचाने के लिए। ठीक है कि गर्मी की छुट्टी के बाद स्कूल खुल गए। लेकिन बारिश शुरू हुई, तब भी अधिकारियों को बच्चों की हालत पर तरस नहीं आई। आज 24 जुलाई है और अब तक कुर्सियों को स्कूलों तक नहीं पहुंचाया गया है। उन्हें इस खबर को किसी अखबार में छप जाने की चिंता भी नहीं है। खबर प्रकाशन के बाद शायद उनकी तंद्रा टूटे और बच्चों को कुर्सी टेबल नसीब हो सके। बहरहाल देश का भविष्य कहे जाने वाले बच्चे गीली जमीन पर बैठकर पढ़ाई करने मजबूर हैं।

खरोरा में 27 से जनसमस्या निवारण पखवाड़ा का आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ खरोरा
www.dailypioneer.com

सावन लगते ही पहले ही दिन से शुरू हुई बारिश मंगलवार को पुरे दिन और रात मे लगी सावन की झड़ी जारी रही। इस दौरान पंचायत सचिव घनश्याम दीवान से जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि नर्रा मे करीब 74.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज इस तरह कोमाखान तहसील मे 83 मिली मीटर वर्षा दर्ज मुनगासेर मे 85 मिली मीटर वर्षा दर्ज किया गया है। दिन और रात लगातार बारिश से बाहरा नार खेत खलियान लबालब जल भराव होने से तालाब मे तब्दील हो गई बाहरा नार खेत जुलाई माह के पहला पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी बारिश नही होने से लोग परेशान रहे जैसे ही सावन माह का आगमन हुआ वैसे ही बारिश शुरू हो गई। क्षेत्र मे गरज चमक एवं हवा के साथ झमाझम बारिश होने से अब लोगो को उमस गर्मी से राहत अच्छी बारिश होने से अब रोपा बियासी का कार्य मे आयेगी तेजी इसके अलावा नदी नाला तालाबो व जलाशाय का जलस्तर भी बढ़ा।

खाद्य सुरक्षा मानक के तहत बड़ी कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा जिले में खाद्य गुणवत्ता को लेकर बड़ी कार्यवाही की गई हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने शाम सूर्या ट्रेजर आईलैण्ड माल मिलाई स्थित केएफसी डोमिनोज, मैकडानल्ड पिज्जा हट, हल्दीराम रिसाली स्थित डॉमिनोज पर छापामार कार्यवाही की गई। इस जांच कार्यवाही में कंपनियों के खाद्य पदार्थों के रख-रखाव एवं दस्तावेजों संबंधित बड़ी लापरवाही सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सूर्या ट्रेजर आईलैण्ड माल में मल्टीनेशलन फुड कंपनी केएफसी में खाद्य के तलने के लिए जो तेल इस्तेमाल होता है।

मौके पर जांच कि एवं खाद्य तेल का नमूना संकलित कर जांच हेतु भेजा गया है। इस्तेमाल किए जा रहे तेल को निर्धारित टीपीएम से अधिक होने पर दुबारा इस्तेमाल नही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। पिजा हाट में वेज और नानवेज खाद्य पदार्थों को एक ही फ्रिजर में रखा होना पाया गया। पेंकिंग के लिए इस्तेमाल हो रहे ट्रे कि सफाई बताया गया कि एक महिने में एक बार कि जाती है। मौके पर कार्यरत कर्मियों का मेडिकल जांच रिर्पोट नही पाया गया। वेज और नानवेज प्रोसेसिंग एरिया में बनाए गए काऊटर में आईडेंटि फिकेशन नही होना पाया गया। विभाग से सुधार करने हेतु 10 दिन का समय देकर इंफ्रवमेंट नोटिस जारी किया।

मेकडोनलाड में वेज और नानवेज खाद्य पदार्थों को एक ही स्टोर रूम में रख होना पाया गया। मौके पर कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट एवं रजिस्टर्ड कंपनी से पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट नही पाया गया। अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी किया गया है। सूर्या ट्रेजर आइलैण्ड में संचालित डोमिनोज में खाद्य विभाग कि टीम को खाद्य लाइसेंस डिसप्ले मे नही मिला। एक ही फ्रिज में वेज नानवेज का सांघरण पाया गया इसके साथ ही वहां कार्य करने वाले कर्मियों के मेडिकल जांच रिपोर्ट कि गलत जानकारी दी गई विवेचना करने पर पाया गया जिन व्यक्तियों के मेडिकल सर्टिफिकेट दिखाए गए मौके पर वह व्यक्ति कार्यरत ही नही थे। रजिस्टर्ड एजेन्सी से पेस्ट कंट्रोल कराया जाना नही गया। वेजनानवेज पिज्जा सेकने के लिए एक ही ट्रे का उपयोग किया जा रहा था। मौके पर डोमिनोज का गुमास्ता लाइसेंस वैध होना नही पाया गया विभाग द्वारा नोटिस जारी करते हुए 10 दिवस का समय दिया गया है।

शासकीय आदर्श कन्या उ.मा.वि.में गुरु पूर्णिमा पर्व उत्साहपूर्वक मनाया गया

दुर्ग। दुर्ग नगर के बी.आर.जे. शासकीय आदर्श कन्या उ.मा.वि. में 22 जुलाई 2024 को गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया। एडीएम अरविन्द कुमार एक्का, संयुक्त संचालक शिक्षा आर.एल. ठाकुर एवं जिला शिक्षा अधिकारी अरिवन्द मिश्रा की मौजूदगी में उक्त आयोजन उत्साहपूर्वक मनाया गया। गुरू पूर्णिमा पर्व का शुभारंभ माता सरस्वती जी एवं महर्षि वेदव्यास जी के तैलचित्र में माल्यार्पण कर सरस्वती वन्दना एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर शाला के छात्र-छात्राओं द्वारा गुरु महिमा पर आधारित गीत, कविता तथा राऊत नाच के माध्यम से गुरूजनों के प्रति आदर सम्मान अर्पित किया गया। छात्राओं ने निबंध प्रतियोगिता के द्वारा गुरु महिमा पर अपने भाव प्रगट किये। चूँकि माँ हमारी प्रथम गुरू होती है।

छत्तीसगढ़ की समन्वयवादी संस्कृति के प्रतीक थे वली मुहम्मद: परदेशी

गौसेवक स्वतंत्रता सेनानी स्व. वली मुहम्मद की पुण्यतिथि पर अगासदिया परिसर में हुआ आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

साहित्य व संस्कृति को समर्पित संस्थान अगासदिया की ओर से गौसेवक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. वली मुहम्मद की 68 वीं पुण्यतिथि पर एक वैचारिक आयोजन बुधवार 24 जुलाई को आमदी नगर हुडको स्थित परिसर में हुआ। इस दौरान स्व. वली मुहम्मद के व्यक्तित्व पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए वहीं उनके व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित दूरदर्शन से प्रसारित हो चुके सीरियल 'भूमिपुत्र' पर भी सार्थक चर्चा हुई। शुरुआत में अतिथियों ने अगासदिया के प्रेरणा स्त्रोत स्व. संत पवन दीवान और गौसेवक स्वतंत्रता सेनानी स्व. वली मुहम्मद का स्मरण किया। अपनी बात रखते हुए अगासदिया के संयोजक व प्रख्यात साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा ने बताया कि स्व. वली मुहम्मद अमीन पटवारी के प्रतिष्ठित पद पर थे और अंग्रेजी राज में सुखमय जीवन बिता सकते थे। लेकिन उन्होंने संघर्ष का रास्ता चुना, तीन बार दीर्घ अवधि के

लिए जेल गए और यातनाएं सही। डॉ. वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विभिन्न समाज के बीच समन्वय स्थापित करने में स्व. वली मुहम्मद का विशेष योगदान रहा क्योंकि जब युवावस्था में वो टाटा नगर नौकरी के लिए गए तो पहली बार उन्होंने वहां 'गौकशी' देखी और इससे व्यथित होकर एक कविता 'गइया रोवत-रोवत करे पुकार, मोर प्राण बचा लो हरि' की रचना की और छत्तीसगढ़ लौट गए। यहां वह आजीवन गौ सेवा में जुटे रहे। उनकी इसी कविता को प्रख्यात पंथी नर्तक देवदास बंजारे ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंच पर गा कर अमर कर दिया। आयोजन में वरिष्ठ रंगकर्मी व छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता विनायक अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 1997 में देश की स्वतंत्रता की अर्ध शताब्दी पर दूरदर्शन रायपुर के प्रस्ताव पर हम लोगों ने सीरियल 'भूमिपुत्र' का निर्माण किया। तब सीमित संसाधनों के बीच दुर्ग के ग्राम मोहलई में मई के तपिश भरे महीने में लगातार 8 दिन में काम पूरा किया गया। जिसमें गौसेवक स्वतंत्रता सेनानी स्व. वली मुहम्मद सहित छत्तीसगढ़ के 12 स्वतंत्रता सेनानियों पर धारावाहिक की किस्तें तैयार हुईं। गहन शोध के बाद इस सीरियल की पटकथा डॉ. परदेशीराम वर्मा ने लिखी। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि यह मेरे लिए गौरव की बात है कि छत्तीसगढ़ के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानियों पर केंद्रित टीवी सीरियल 'भूमिपुत्र' की पूरी शूटिंग मेरे अपने गांव मोहलई में हुई थी। उन्होंने कहा कि इस कालजयी टीवी सीरियल 'भूमिपुत्र' का पुनःप्रसारण किया जाना चाहिए और स्व. वली मुहम्मद के प्रेरक व्यक्तित्व से आज की पीढ़ी को रूबरू कराना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए पत्रकार व लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने कहा कि स्व. वली मुहम्मद के देश और अपने छत्तीसगढ़ के प्रति योगदान अतुलनीय है और इसे रेखांकित किया जाना आज की पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है।

बीएसपी सेक्टर-6 सोसाइटी ने दी रिटायर कर्मियों को विदाई, किया अंतिम भुगतान

वरिष्ठ कर्मी बीएसपी और हमारी सोसाइटी के आधार : मिश्र

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाई
www.dailypioneer.com

भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में विदाई सह संस्था में जमा उनकी निधियों का अंतिम भुगतान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान माह जून-2024 या उसके पूर्व सेवानिवृत हुए भिलाई स्टील प्लांट के कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र व अन्य पदाधिकारियों ने इन सदस्य कर्मियों को शाल/श्रीफल और उनकी जमा पूंजी का खाता देय चेक देकर सम्मानित किया। शुरुआत में अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने कहा कि सभी वरिष्ठ कर्मी भिलाई स्टील प्लांट और हमारी सोसाइटी के आधार स्तंभ रहे हैं। ये हमेशा हमारी सोसाइटी के परिवार का हिस्सा रहेंगे और इनका बीएसपी व हमारी सोसाइटी के प्रति योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों में कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से अनिल कुमार, सरजू राम चेलक,संजय एडवाडकर, डोमार सिंह, सिंटर प्लांट-3 से लक्ष्मीकांत रजक, नरसय्या.नेतराम नामदेव, एलडीसीपी से रामलाल, ब्लास्ट फर्नेस से त्रिपाल, एम श्रीनिवास राव, राजू लाल, श्याम राव ढोके,कोंडय्या, पीएचडी से अजय खन्ना, रिसर्च एंड कंट्रोल लैब से अशोक कुमार मिश्रा, नईम अख्तर, टाउनशिप इलेक्ट्रिकल एंड इंजीनियरिंग विभाग से इरनापेट विश्वनाथन सुनील,ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से प्रमोद कुमार, जनरल इस्टैब्लिशमेंट से वीरेंद्र कुमार चंद्रवंशी, प्रमोद कुमार,मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल से उमेश कुमार त्रिपाठी, बाबूराव, रमेश कुमार लोधी, पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन से सुरेश कुमार साहू, फाउंड्री एंड पैटर्न शॉप से किशोर कुमार, हॉर्टिकल्चर से गोविंद राम।

समय पर प्रॉपर्टी टैक्स भुगतान करने वाले करदाताओं को 4 प्रतिशत छूट

समय पर टैक्स का भुगतान, जिम्मेदार नागरिको की पहचान

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र के समस्त करदाताओं को वर्तमान वित्तीय वर्ष का सम्पत्ति कर का भुगतान किये जाने पर 4 प्रतिशत का छुट का लाभ दिया जा रहा है।सम्पत्ति कर सनहाल का भुगतान कर छुट का फायदा उठाया जा सकता है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि शहर में ऐसे भी बहुत सारे करदाता ऐसे है,जिन्होने पूर्व के वर्षो का टैक्स का भुगतान अभी तक नहीं किया है। जिसके कारण उन्हे पैनाल्टी सहित टैक्स का भुगतान करना पड़ता है। समयसीमा में टैक्स की राशि का भुगतान कर निगम को सहयोग प्रदान करे तथा अनावश्यक पैनाल्टी से भी बचे।उन्होंने अपील कर करदाताओं से कहा कि समय पर टैक्स का भुगतान, जिम्मेदार नागरिको की पहचान बने।उन्होंने कहा सभी करदाताओं से अनुरोध है कि, नगर विकास तथा आपके मूलभूत सुविधा में लगे कर्मचारियों को समय से वेतन भुगतान के लिए आप अपना टैक्स की राशि का भुगतान जल्द करें।नगर निगम के अंतर्गत रहने वाले लोगों के लिए प्रॉपर्टी टैक्स में छूट का आखिरी मौका है. जुलाई तक संपत्ति कर भुगतान करने वाले करदाताओं को चार प्रतिशत की छूट दी जावेगी.घर बैठे भुगतान कर छूट का लाभ उठाया जा सकता है।

दस दिवसीय लोक वाद्य कार्यशाला का समापन आज

भिलाई। संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से आयोजित दस दिवसीय लोक वाद्य कार्यशाला का समापन 25 जुलाई को शाम 5:00 बजे रखा गया है। संग्रहालय परिसर कुहुकी कला ग्राम मरोदा सेक्टर, भिलाई में आयोजित इस समारोह में कार्यशाला के दौरान शामिल हुए प्रशिक्षक शिल्पकारों का सम्मान किया जाएगा। यह जानकारी संयोजक रिखी क्षत्रिय ने दी।

जांच में शिकायतकर्ता दोषी, निगम ने गिराई दीवार

पायनियर संवाददाता ➤ रिसाली
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम ने जांच के बाद शिकायतकर्ता को ही दोषी पाया। वह नाली की जमीन पर अतिक्रमण कर रखा था। निगम के तोडू दस्ता टीम ने दीवार हटाकर पानी निकासी का रास्ता बनाया। नेवई खदान पारा वार्ड 34 निवासी प्रहलाद वर्मा ने शिकायत की थी कि बारिश का पानी उसके घर के सामने एकत्र हो रहा है। पानी निकासी नहीं होने से घर की दीवार ढह सकती है। पड़ोसी पानी निकासी करने नहीं दे रहे है। आवेदन की जांच में खुलासा हुआ कि प्रमोद वर्मा ने ही पानी निकासी के रास्ते पर अतिक्रमण कर रखा है। वह नाली को घेर ईट की दीवार खड़ी कर रखा है। यही वजह है कि पड़ोसी भी दीवार को हटाने कह रहे है। निगम ने दीवार तोड़कर पहले नाली की जमीन को मुक्त कराया और पानी निकासी संसाधन तैयार किया। इसी तरह मैत्रीकुंज स्थित पानी टंकी के नीचे 1000 वर्ग फीट अतिक्रमण हुए जमीन को मुक्त कराया। दरअसल आशीष सिंह ओवर हेड टैंक के नीचे खाली जमीन पर टीन शेड तैयार कर रहा था। निगम के चेतावनी के बाद वह शेड तो निकाल लिया था, किन्तु ईट की दीवार को नहीं हटाया था। बारिश में दुर्घटना की आशंका देखते हुए निगम कर्मियों ने दीवार को जेसीबी की मदद से हटाया।

सड़क पर कचरा, वसूला जुर्माना-अतिक्रमण हटाकर लौट रही टीम ने गंदगी फैलाने पर दुकानदार से 2000 जुर्माना वसूला। जानकारी के मुताबिक नेवई स्थित निषाद फर्नीचर का संचालक लकड़ी का बुरादा सड़क पर फेक रहा था। चेतावनी के बाद भी गंदगी फैलाने पर कार्रवाई की गई।

सड़क पर मटेरियल, 2000 जुर्माना-निगम ने मार्ग अवरूद्ध करने पर मकान मालिक से 2000 जुर्माना राशि वसूल की। रूआबांधा निवासी मोहन यादव कच्चा मकान को पक्का बनाने का कार्य कर रहा है। वह भवन निर्माण सामग्री को सड़क पर रखा था। नागरिकों की लगातार शिकायत करने और मार्ग पूर्ण रूप से अवरूद्ध होने पर निगम ने कार्रवाई की।

निगम ने सैनिक कमान्डेट को लिखा पत्र, एनडीआरएफ की स्पेशल टीम करेगी 40 फिट गहराइयों में उतरकर इंटकवेल के पम्पों में फंसे कचरे की सफाई

- बारिश के मौसम में शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम, दुर्ग विगत दिनों से लगातार बारिश व जल संसाधन विभाग द्वारा काफी मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण शिवनाथ का जलस्तर बढ़ते जा रहा है, और जारी भी है, जिससे नगर निगम, दुर्ग के दोनो एनिकट के आसपास काफी मात्रा में कचरा आ रहा है, व इनटेकवेल के इनलेट जालियों में कचरा फंस रहा है। लगातार जलस्तर बढ़ने के कारण सफाई कार्य किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है, जिससे पर्याप्त मात्रा में पानी फिल्टर प्लांट तक पहुंच नहीं पा रहा है व टंकियों को भरने में विलम्ब हो रहा है,अथवा जलप्रदाय प्रभावित हो रहे है।इनटेक वेल की जाली से कचरे की सफाई हेतु नगर सैनिक कमान्डेट को पत्र लिखा गया है। यदि N.D.R.F की स्पेशल टीम के द्वारा सफाई कार्य संभव हो पायेगा। तभी दोनो समय में जलप्रदाय हो पायेगा। अन्यथा शहर की जलप्रदाय एक ही समय होने की संभावना बन रही है।जल स्तर कम होने पर व कचरे की सफाई के बाद ही जल प्रदाय सामान्य रूप से दोनो समय हो पायेगा। बारिश के मौसम में शिवनाथ का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।जिससे शिवनाथ नदी तट में लगे 24 एमएलडी के इंटकवेल में कचरा आने की बार बार शिकायतो के कारण घरों में पेयजल सप्लाई में दो दिनों से बाधा आ रही है। मानसून में लगातार बारिश होने एवं मोगरा जलाशय के गेट खोलने से नगर निगम क्षेत्र की आधी आबादी का पेयजल कनेक्शन से जुड़ा है।महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त लोकेश चन्द्रकर एवं जलकार्य प्रभारी संजय कोहले के निर्देश पर जलकार्य विभाग के सहायक अभियंता गिरीश दीवान द्वारा जिला सैनिक कमांडेंट के टीम को पत्र लिखकर 24 एमएलडी इंटकवेल के 40 फिट गहराइयों में उतरकर पम्पो फसे कचरे की सफाई करने के लिए अनुरोध किया गया है। बता दे कि 42 एवं 24 एमएलडी के इंटकवेल में कचरा फसने के कारण दिनाँक 24 दिन बुधवार को प्रथम पहरी में जलप्रदाय प्रभावित रहेगी।

लगातार बारिश से जल भराव की स्थिति नहीं है निगम भिलाई क्षेत्र में

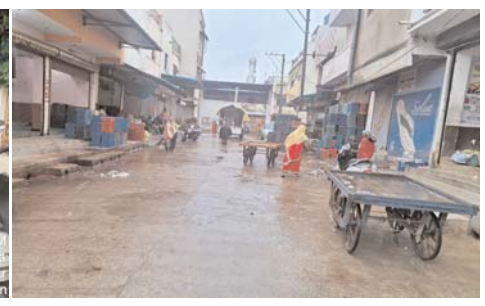

पायनियर संवाददाता ➤ भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

मानसूनी बारिश की शुरूआत होने से लगातार वर्षा हो रही है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार नगर निगम भिलाई के सभी जोन के आयुक्त एवं आपदा प्रबंधन बाढ़ नियंत्रण का दल सचेत है। निगम के सभी जोन में अधिकारी कर्मचारी निचली बस्तियों में जाकर निरीक्षण कर रहे है, कहीं भी जल भराव नहीं है। निगम के कर्मचारी नालो में जल कुम्भी, खरपतवार, पुराने पेड़ आदि के फसने की संभावना बनी रहती है उन जगहो को साफ कर रहे है। जिससे बर्षा का जल लगातार नाली एवं नालो के माध्यम से आगे निकल जाये, किसी प्रकार का जल भराव न हो। बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ में हेल्प लाईन काउंटर 24 घंटा काम कर रहा है।

संभावना को देखते हुए जे.सी.बी. और डिजल से चलने वाला मोटर पम्प की व्यवस्था सभी जोन में की गई है। आवश्यकता पड़ने पर पानी की निकासी तात्कालिक रूप से की जा सके। तोड़फोड़ दस्ता के साथ जोन का दल भी भ्रमण कर रहा है। निगम आयुक्त ने नागरिको से अपील की है कि कहीं भी जल भराव जैसी समस्या आने पर निगम के कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते है। मौसमी जल जनित बिमारी जैसे- डायरिया या फूड पाउजनिंग से बचाव हेतु पानी उबाल कर पीये, उल्टी दस्त तीन बार से ज्यादा होने पर डॉक्टरो से परामर्श ले। घर में साफपानी में नमक, चीनी का घोल ओआरएस बनाकर पीते रहे। जिससे शरिर में पानी की कमी न हो। शरिर में पानी की कमी होने से सुस्ति आने लगती है। तुरंत डॉक्टर से सम्पर्क करें, डायरिया के लक्षण हो सकते है। सतर्क रहेना ही सबसे बड़ा बचाव है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, मंडल क्रमांक 1, रायपुर (छ.ग.)
दूरभाष: (0771) 2331431 फैक्स: (0771) 4055885 ईमेल: Se1.raipur@gov.in

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

ज्ञाप क्र. 5771/40-/सा.24/2024 रायपुर, दिनांक 22/07/2024

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निम्नलिखित निविदा को तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है।

	एन.आई.टी.क्र./निविदा क्र.	निविदा दिनांक	जी.नं./दिनांक
1	64/155600	02.07.2024	242500809/03.07.2024
2	93/155908	12.07.2024	242501107/15.07.2024

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
मंडल क्रमांक 1, रायपुर (छ.ग.)

G-242501285/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, संभाग-महासमुन्द (छ.ग.)

// निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण) //

क्रमांक-3094/एन.आई.टी. क्र.-2/2024-25/व.ले.लि. महासमुन्द, दिनांक 19/07/2024

1. निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 02/08/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
2. ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 13/08/2024 अपरान्ह 5.30 बजे तक
3. निविदा खोलने की तिथि :- 14/08/2024 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का विवरण/ No. of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक सात्वेंसी (रू. में)
2 T0004	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासुंद के एनाटॉमी विभाग में मानव शरीर (CADAVER) रखने के लिये टंकी निर्माण कार्य एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद में अस्थाई पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्रथम तल के लेक्चर हॉल में पार्टीशन एवं फाल्स सिलिंग का कार्य।	6.32 5000.00 95000.00
2 T0005	शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासुंद के स्टॉफ के वाहनों हेतु पार्किंग शेड का निर्माण कार्य।	9.57 7500.00 144000.00

टीप :- (1) उपरोक्त निविदा में निविदा प्रपत्र Form-A में तथा निविदा प्रपत्र की कीमत राशि रू. 750/- है। (2) उपरोक्त निविदा में निविदाकारों की श्रेणी ई-पंजीयन के अंतर्गत ''द'' से ''अ'' तक है। (3) उपरोक्त निविदा में कार्य की अवधि 02 माह निर्धारित है।

निविदा संबंधी शर्ते एवं विशेष शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ./स.)
संभाग-महासमुन्द (छ.ग.)

G-242501275/2

निगम टीम द्वारा इंटेकवेल के 40 फिट गहराई में जाकर मशक्कत के बाद पम्प में फसे झिल्ली पन्नी को निकाला बाहर

महापौर, जलकार्य प्रभारी 24 एवं 42 एमएलडी इंटेकवेल में फंसे कचरे की सफाई कार्य की निगरानी मे घंटो रहे डटे

पायनियर संवाददाता ➤ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में चार दिनों से लगातार बारिश के कारण शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। शिवनाथ नदी महमरा एनीकट पर लगभग 15 फीट ऊपर से पानी बह रहा है। जिसके चलते आसपास के क्षेत्रों से शिवनाथ नदी के इंटेकवेल में कचरा फंसने से शहर में पानी सप्लाई प्रभावित हुई है। बुधवार को अल सुबह महापौर धीरज बाकलीवाल, जलकार्य प्रभारी संजय कोहले,सहायक अभियंता गिरीश दीवान, जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर सहित 24 एमएलडी इंटेकवेल के सफाई कार्य हेतु गौताखोर दल को बुलवा कर इंटेकवेल में फंसे कचरे की सफाई करवाते हुए स्थल पर डटे रहे। शिवनाथ नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण निगम की टीम के लगातार प्रयास करने के बावजूद भी सही तरीके से सफाई नही होने के कारण महापौर धीरज बाकलीवाल एवं जलकार्य प्रभारी संजय कोहले ने गौताखोर टीम के साथ मिलकर मौके पर 40 फीट गहराई में उतर कर पम्प में फसे झिल्ली पन्नी को बड़ी मशक्कत के बाद सफाई कर बाहर निकलवाया।विदित हो की 3 दिवस निरन्तर बारिश होने से तथा मोंगरा जलाशय से पानी छोड़ने के कारण शिवनाथ नदी में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो गई। जिससे इंटेकवेल में कचरा फंसने के कारण 3 दिनों से पूर्णरूपेण जलप्रदाय नहीं हो पा रहा है। महापौर धीरज बाकलीवाल, आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, एवं संजय कोहले जलकार्य प्रभारी द्वारा जल विभाग टीम को तत्काल जलप्रदाय को सामान्य करने हेतु निर्देशित दिया गया साथ ही गुणवत्ता पूर्वक पेयजल प्रदान करने हेतु आवश्यक क्लोरीनेशन, ब्लीचिंग पाउडर एवं एलम की पर्याप्त उपलब्धता सूनिश्चित करने निर्देशित किया गया है। नगर निगम की टीम द्वारा बुधवार की सुबह बोरसी, पोटिया, बघेरा, शंकरनगर, शक्तिनगर एवं पद्मनाभपुर टंकी से एवं शेष 11 एमएलडी की टंकी तांदुला, लुचकी पारा, तकियापारा क्षेत्र, आंमदी मंदिर वार्ड, सिविल लाईन क्षेत्र, स्टेशन रोड, दीपक नगर, रायपुरनाका में जलप्रदाय किया गया। प्रभावित क्षेत्र शनिचरी बाजार पानी टंकी, शिक्षक नगर, सिकोलाबस्ती,कर्मचारी नगर, कातुलबोर्ड एवं अन्य छूटे गये क्षेत्र में शाम को जलप्रदाय किया जावेगा। गुरुवार दिनांक 25 जुलाई से सुबह जलप्रदाय सामान्य होने की शतप्रतिशत संभावना है। साथ ही निर्देशानुसार प्रदाय किये गये क्षेत्र में tail-end तक पानी की सेम्पलिंग किया जा रहा है, एवं बोर तथा हैण्ड पम्पों में क्लोरीनेशन/ ब्लीचिंग पाउडर डालकर पेयजल को स्वच्छ एवं बैक्टिरिया मुक्त किया जा रहा है। महापौर धीरज बाकलीवाल ने बाढ़ की स्थिति में 40 फीट गहराई में उतर कर पम्प में फसे झिल्ली पन्नी एवं जलकुम्भी की सफाई करने वाले टीम में शामिल राजेश निषाद, संजय यादव एवं कुशाल निषाद की तरीफ करते हुए सहायक अभियंता गिरीश दिवान को 15 अगस्त स्वतंत्रा दिवस के उपलक्ष्य में सामानित करने के निर्देश दिये, साथ ही बाढ़ की स्थिति में एनडीआरएफ N.D.R.F. टीम को शिवनाथ नदी पर एलर्ट रहने एंव नगर निगम का सहयोग करने हेतु कलेक्टर से चर्चा किये।

संपादकीय

राष्ट्रपति चुनाव पीछे हटे बाइडेन

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन पीछे हट गए हैं और उन्होंने ट्रंप का मुकाबला करने के लिए कमला हैरिस के नाम पर मुहर लगा दी है। स्वास्थ्य के बारे में आशंकाओं को देखते हुए अंततः जो बाइडेन ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पीछे हटने का फैसला किया। उनके स्थान पर संभवतः अमेरिका की उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक उम्मीदवार होंगी। इस प्रकार अब मुकाबला कमला बनाम ट्रंप होगा जो पिछले चुनाव में राष्ट्रपति पद पर पुनः निर्वाचित होने के लिए चुनाव में जो बाइडेन से हार गए थे। चुनाव के समय 82 वर्ष की आयु वाले राष्ट्रपति बाइडेन ने व्यक्तिगत कारणों से नए नेतृत्व को स्थान देने की इच्छा प्रकट की है। व्हाइट हाउस से अपने संबोधन में उन्होंने विश्वास प्रकट किया कि उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस में उनके प्रशासन का एजेंडा आगे बढ़ाने तथा राष्ट्र को आगे ले जाने की नेतृत्व क्षमता है। राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि 'काफी लंबे विचार विमर्श के बाद उन्होंने व उनकी पत्नी ने सोचा कि यह नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने का समय है।' उन्होंने उल्लेख किया कि उप-राष्ट्रपति हैरिस ने राष्ट्रपति कार्यकाल के सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण समय में उनका साथ दिया और वे सुश्री हैरिस की प्रतिबद्धता, बुद्धि तथा अमेरिकन जनता के प्रति अडिग निष्ठा के गवाह रहे हैं। कमला हैरिस की उम्मीदवारी अनेक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक है। चुने जाने पर वे पहली महिला राष्ट्रपति तथा इस पद पर पहुंचने वाली पहली अश्वेत व दक्षिण एशियाई अमेरिकन होंगी। उप-राष्ट्रपति के रूप में सेवा दे चुकी हैरिस, खासकर अपराध न्याय सुधार, आप्रवास व जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रशासनिक क्षमता वाली हैं। लेकिन हैरिस को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उनको संभवतः 'प्राइमरी' की दौड़ के साथ ही आम चुनाव प्रचार अभियान में सफल होना होगा। उनको डेमोक्रेटिक पार्टी में प्रगतिशील व मध्यमार्गी समूहों को संबोधित करते हुए भविष्य का एक आकर्षक दृष्टिकोण पेश करना होगा ताकि दुलमुल मतदाताओं का समर्थन प्राप्त हो सके। उम्मीद है कि उनके अभियान में वर्तमान प्रशासन की उपलब्धियां रेखांकित की जाएंगी जिनमें आर्थिक सुधार प्रयास, कोविड-19 वैश्विक महामारी से मुकाबला तथा सामाजिक न्याय व समानता को प्रोत्साहित करने वाली पहलें शामिल हैं।

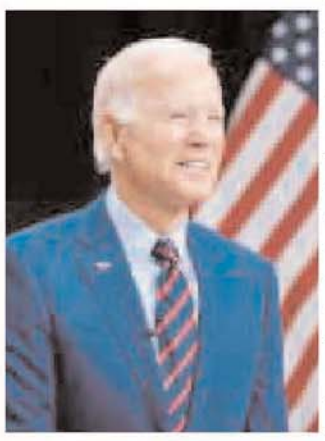

जो बाइडेन का निर्णय अभूतपूर्व है क्योंकि किसी राष्ट्रपति उम्मीदवार ने इतने विलम्ब से निर्णय नहीं लिया है। उनके निर्णय के पीछे दो महत्वपूर्ण तत्व हो सकते हैं। पहला, 'राष्ट्रपति बहस' में उनके निस्तेज प्रदर्शन के कारण विपक्षी देश का नेतृत्व करने की उनकी पहचान पर सवाल उठाने लगे थे। दूसरा, हत्या के प्रयास के बाद ट्रंप सुर्खियों में आ गए हैं और उनके प्रति व्यापक संवेदना उमड़ी है। हालांकि, दोनों घटनायें असंबद्ध हैं, पर इनके कारण डेमोक्रेटों को अन्य विकल्पों पर विचार के लिए मजबूर होना पड़ा। रिपब्लिकन पक्ष को इस घोषणा के बाद नीतियों का पुनः आंकलन करना पड़ेगा। बाइडेन के दौड़ से बाहर होने के बाद अब संभावित रिपब्लिकन उम्मीदवारों को कमला हैरिस की नीतियों से मुकाबले पर ध्यान देना होगा। डोनाल्ड ट्रंप व फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डी सैंटिस रिपब्लिकन नामांकन की दौड़ में हैं। आने वाले महीनों में पता चलेगा कि कमला हैरिस अपने अभियान को क्या रूप देती हैं, देश के सामने उपस्थिति महत्वपूर्ण मुद्दों को कैसे संबोधित करती हैं तथा अपने समर्थन में एक व्यापक गठबंधन बनाती हैं। उनकी उम्मीदवारी अमेरिकन राजनीति में नया अध्याय खोल रही है जिससे डेमोक्रेटिक पार्टी तथा देश का भविष्य निर्धारित हो सकता है।

ग्रामीण आर्थिक विकास की रूपरेखा

भारत का ग्रामीण क्षेत्र महत्वपूर्ण मोड़ पर है। लघु व हरित उद्यमों से उसका परिवर्तन हो सकता है। उसमें भारत का 'विकास इंजन' बनने की संभावना है।

मोनिका बी. सूद
(लेखिका, विकास विशेषज्ञ हैं)

समावेशी व टिकाऊ विकास के लिए भारत के ग्रामीण क्षेत्र में बदलाव जरूरी है। यह बदलाव लघु एवं हरित उद्यमों के माध्यम से संभव है जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी, महिला सशक्तीकरण होगा तथा कुशल कामगारों को रोजगार मिलेगा। पूंजीगत परियोजनाओं तथा खोजी योजनाओं में आरबीआई द्वारा प्राप्त अतिरिक्त एक लाख करोड़ डिविडेंट जैसी धनराशि का प्रयोग कर भारत ग्रामीण क्षेत्रामें में स्व-टिकाऊपन को प्रोत्साहन दे कर युवाओं से दबाव कम कर अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ा सकता है। इस समग्र दृष्टिकोण से न केवल रोजगार की तत्कालीन आवश्यकतायें पूरी होंगी, बल्कि दीर्घकालीन पूंजी निर्माण तथा पर्यावरण संरक्षण की नींव भी पड़ेगी। लघु एवं हरित उद्योगों को 'विकास इंजन' के रूप में अवसर मिलना चाहिए। लघु उद्यम हमेशा से भारत की कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहे हैं। इन श्रम-बहुल उद्यमों में कृषक समाज की अकुशल व अर्धकुशल श्रमशक्ति को समाहित कर रोजगार सृजन के साथ बिना ज्यादा प्रशिक्षण के वर्तमान जीवन मानकों में बदलाव लाया जा सकता है।

इन उद्योगों के विकास से अन्य बिजनेसों पर भी व्यापक प्रभाव पड़ेगा जो उनको तथा सामान्य अर्थव्यवस्था की सहायता करते हैं। इसमें हरित उद्योग परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा, आर्गेनिक खेती तथा टिकाऊ विनिर्माण को शामिल करने वाले ये क्षेत्र अक्सर दुहरा लाभ देते हैं। इससे उत्पादन एवं पर्यावरण प्रबंधन में रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में हरित उद्योगों की स्थापना से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण क्षरण के कारण पैदा सामाजिक समस्याओं का समाधान होता है तथा आजीविका के टिकाऊ साधन विकसित होते हैं। इसके लिए बायोगैस व बायोफ्यूल प्लांट, सौर ऊर्जा फार्म, आयुर्वेदिक व यूनानी दवा उद्योग तथा सहकारी आर्गेनिक खेती महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इन उपायों से रोजगार सृजन होगा, फासिल ऊर्जा पर निर्भरता घटेगी तथा पर्यावरण संरक्षण होगा।

भारत में कुल ग्रामीण जनसंख्या में महिलाओं की जनसंख्या लगभग 30 प्रतिशत है जिसमें से अधिकांश का लाभ नहीं उठाया गया है। इन महिलाओं में रोजगार और उद्यमिता की वृद्धि से काफी सामाजिक-आर्थिक लाभ हो सकते हैं। सूक्ष्म एवं टिकाऊ उद्योग महिला सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं क्योंकि वे महिलाओं को रोजगार देने, कौशल विकास तथा बिजनेस अवसर प्रदान करते हैं। स्वयंसहायता समूह, महिला-आधारित कोआपरेटिव तथा सूक्ष्म उद्यम ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की उत्पादक सहभागिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इन पहलों का केन्द्र वे क्षेत्र हैं जहां महिलाओं का प्रभुत्व है। इनमें हैंडीक्राफ्ट, टेक्सटाइल उत्पादन, वैकल्पिक व आयुर्वेदिक उत्पादों का उत्पादन, दुग्ध उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण शामिल हैं। महिलाओं को अपने बिजनेस स्थापित करने तथा उनका विस्तार करने के लिए कर्ज, प्रशिक्षण तथा बाजार से संपर्क जरूरी हैं। इससे उनके परिवारों की आय बढ़ती है तथा सामुदायिक विकास होता है। ग्रामीण विकास में सार्वजनिक-निजी साझेदारी या पीपीपी को बढ़ावा देने से ग्रामीण विकास में कौशल व संसाधनों को एकत्र करने में सहायता मिल सकती है। इस प्रकार पीपीपी माडल लघु एवं हरित उद्योगों का ग्रामीण क्षेत्रों में विकास करने की पहल कर सकते हैं तथा सरकारी और निजी निवेशकों की सहायता प्राप्त कर सकते हैं। सरकार इसके लिए नीतिगत समर्थन के साथ ही विकास एवं वित्तीय समर्थन का परिवेश तैयार कर सकती है, जबकि निजी पक्ष फंड, तकनीकी उद्यमिता एवं प्रबंधन कौशल में उनकी सहायता कर सकते हैं। इस माडल के आधार पर ग्रामीण विकास के लिए आरबीआई द्वारा मिले एक लाख करोड़ रुपये डिविडेंट के एक हिस्से का प्रयोग निजी उद्यमों के साथ सह-फाइनेंस के लिए किया जा सकता है। इसका प्रयोग औद्योगिक क्लस्टरों के निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं तथा प्रशिक्षण संस्थानों के निर्माण में किया जा सकता है जहां सामाजिक व पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ प्रभावी क्रियान्वयन व जवाबदेही सुनिश्चित हो।

पूंजी का निर्माण तथा ग्रामीण विकास विकास की दो महत्वपूर्ण प्रक्रियायें हैं जिनको समझने और विश्लेषण करने की आवश्यकता है। कुल मिला कर एक लाख करोड़ के आरबीआई डिविडेंट का प्रयोग टिकाऊ ग्रामीण विकास परियोजनाओं में पूंजीगत निवेश का मजबूत आधार बनाने के लिए हो सकता है। सड़कों, पुलों, नवीकरणीय ऊर्जा सुविधाओं तथा इंडस्ट्रिल इस्टेटें बनाने के माध्यम से तत्काल रोजगार मिलेगा तथा दीर्घकालीन आर्थिक विकास में सहायता मिलेगी। लक्षित निवेश से हर साल लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा जिससे ग्रामीण बेरोजगारी और तनाव को काफी सीमा तक समाप्त करने में सहायता मिलेगी। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में अकुशल और अर्धकुशल लोगों को रोजगार देना संभव होगा। इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों की भावी पीढ़ियों को बेरोजगारी से सुरक्षा मिलेगी, शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारों का पलायन थमेगा तथा शहरी-ग्रामीण असमानता घटेगी। स्थानीय स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी कार्यालयों में ग्रामीण नौजवानों को रोजगार मिलने से मानवशक्ति संबंधी मुद्दों से निपटने में सहायता मिलेगी, सेवायें प्रदान करने में सुविधा होगी तथा जनसंख्या का कल्याण होगा।

रणनीतिक ग्रामीण विकास एजेंडे की फंडिंग के लिए लीक से हट कर सोचने की जरूरत है ताकि अनेक स्रोतों से फंडिंग जुटाई जा सके। एक लाख करोड़ रुपये के आरबीआई डिविडेंट की तरह सीएसआर के योगदान, पंचायतों और नगरपालिकाओं के अपने फंड तथा ईंधन, आयकर व जीएसटी पर खास सेस से प्राप्त धन को भी इसमें जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, अनिवार्य रूप से सीएसआर फंड का 25 प्रतिशत योगदान कार्पोरेट धन के ग्रामीण विकास में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके साथ ही लक्जरी वस्तुओं, कारों, विमान किरायों तथा जीएसटी पर 0.5 प्रतिशत सेस लगाने से बहुत बड़ी अतिरिक्त धनराशि प्राप्त हो सकती है। इसके साथ ही कौशल विकास योजनाओं-एसकेएस तथा अस्पतालों के एसकेएस फंडों से आवश्यक क्षेत्रों में वेतन के लिए समुचित फंड प्राप्त किए जा सकते हैं। शेयर व्यापार पर थोड़ा सेस लगा कर ऐसी योजना के लिए काफी राजस्व जुटाया जा सकता है जिससे ग्रामीण रोजगार कार्यक्रमों के लिए स्थाई फंडिंग संभव होगी।

ग्रामीण क्षेत्र में बेरोजगारी को संबोधित करना जरूरी है। वर्तमान समय में भारत में बेरोजगारी 8 प्रतिशत का आंकड़ा छू चुकी है। देश में बेरोजगारों की कुल संख्या का 1 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों से आता है। यदि प्रधानमंत्री बेरोजगारी की दर घटा कर 6 प्रतिशत करना चाहते हैं और यह विकसित देशों में बेरोजगारी दर के लगभग बराबर हो तो कम से कम एक करोड़ ग्रामीण नौजवानों के लिए रोजगार सृजन करना होगा। इस योजना को ग्रामीण नौजवान जनसंख्या में कम वेतन वाले रोजगारों पर ध्यान देना चाहिए और इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसे रोजगार के अवसर युवाओं को अपने समुदाय में रहने के लिए प्रेरित करें ताकि वे कुशल रोजगार अवसरों के मामले में प्रतियोगिता न करें। इस दृष्टिकोण से मजदूरी को 10,000 रुपये महीना निर्धारित कर कार्य का वितरण 80:20 के आधार पर ग्रामीण परिवारों में किया जाना चाहिए।

इससे संगठित श्रम रोजगार बाजारों में बाधा नहीं आएगी। ग्रामीण विकास के लिए रिजर्व बैंक के अतिरिक्त एक लाख करोड़ डिविडेंट के साथ ही फंडिंग के अन्य स्रोत खोले जाने चाहिए। इसका प्रयोग कर ग्रामीण पुनर्जीवन फंड का गठन तथा इसके लिए रोडमैप तैयार किया जा सकता है। लघु उद्योग, हरित उद्योग, महिला तथा अकुशल ग्रामीण श्रमिक इस योजना को टिकाऊ बना सकते हैं। इससे बेरोजगारी घटेगी तथा पर्यावरण पर दीर्घकालीन सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पीपीपी तथा पूंजी निर्माण पर ध्यान देने से यह योजना टिकाऊ होगी, इसे विस्तार दिया जा सकेगा और यह ग्रामीण भारत की बेहतर तस्वीर पेश करेगी।

ओलम्पिक में बिहार का प्रतिनिधित्व नहीं

> खेल मामलों की इस दयनीय स्थिति को लेकर बीओए और राज्य सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल चल रहा है।

ज्ञान भद्र
(लेखिका स्तम्भकार हैं)

बिहार एक बार फिर ओलंपिक में जगह बनाने से चूक गया। ज्ञान भद्र द्वारा इस महीने के आखिरी हफ्ते में पेरिस में 17 दिनों तक चलने वाले ओलंपिक खेलों का शानदार उद्घाटन समारोह होने जा रहा है। इसके मद्देनजर भारत के खेल पंडित इस बात का अंदाजा लगा रहे हैं कि भारतीय खिलाड़ी देश के लिए कितने पदक जीतेंगे। हालांकि, इस लेख को लिखे जाने तक खेल एवं युवा मामलों के मंत्रालय ने 117 खिलाड़ियों और 140 सहायक कर्मचारियों की सूची पर अपनी मुहर लगा दी थी।

अब सवाल यह है कि क्या बिहार का कोई खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है? इसका जवाब नहीं है। टोक्यो ओलंपिक की तरह पेरिस ओलंपिक में भी बिहार के खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व नहीं है। इसके पीछे तीन कारण हैं। पहला, जहां तक ??बिहार में खेल बुनियादी ढांचे की बात है तो यहां पर्याप्त संख्या में स्टेडियम, खेल से संबंधित प्रशिक्षण केंद्र और कोचों के कुशल मार्गदर्शन का अभाव है। इसका कारण यह माना जा सकता है कि खेल क्षेत्र में सरकारी निवेश बहुत कम है। यहां तक कि बिहार सरकार को खेलो इंडिया योजना के तहत 50.83 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता भी राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास या एथलीटों के कौशल को निखारने के लिए इस्तेमाल नहीं की गई। खेल क्षेत्र को धन के आवंटन का पैटर्न निराशाजनक रूप से चिंताजनक है। यह देखा गया है कि खेल क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निर्धारित धन राजनेताओं की मर्जी के अनुसार डायवर्ट किया जाता है।

इससे खेल उद्योग पर हमेशा बुरा असर पड़ता है, जो खुद को उलझन में पाता है और हमेशा संघर्ष करता रहता है दूसरा, यह कहने की जरूरत नहीं है कि प्रमुख खेल निकायों के साथ राजनेताओं का जुड़ाव एक पुराना शगल है। हर योग्य राजनेता खेल निकायों का सदस्य बनना चाहता है। चाहे वह बीसीसीआई हो या राज्य स्तर पर खेल निकाय, हर राजनीतिक नेता खेल निकायों में निवेश किए गए भारी धन का लाभ उठाना चाहता है, फिर बिहार कैसे पीछे रह सकता है? बिहार में खेलों के विकास के लिए काम करने वाले नायक बनने के बजाय, राजनेता, एक बार खेल निकायों में प्रतिष्ठित पद प्राप्त करने के बाद, अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए उपलब्ध संसाधनों का दोहन करते हैं। लोगों की याददाश्त कमज़ोर होती है। लेकिन इतनी भी कम नहीं कि वे यह भूल जाएँ कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव, जब बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे, तब उन्होंने बिहार की उभरती प्रतिभाओं को प्रशिक्षित करने के लिए पर्याप्त काम नहीं किया था। क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए लालू की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी इस तथ्य से देखी जा सकती है कि बीसीए के अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, बिहार के किसी भी क्रिकेट खिलाड़ी को रणजी ट्रॉफी टीम में भी जगह नहीं मिली थी; अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़े लीग मैचों की तो बात ही क्या करें। अब खेल पंडित यह तर्क दे सकते हैं कि बीसीए के अध्यक्ष के रूप में लालू के कार्यकाल के दौरान, बिहार के पास राज्य की रणजी टीम नहीं थी क्योंकि बिहार के विभाजन के कारण खेल सुविधाओं के मामले में बिहार को नुकसान हुआ था। झारखंड ने खेल सुविधाओं का एक बड़ा हिस्सा अपने पास ले लिया। हालांकि, खेल पंडितों द्वारा इस बहाने का सहारा लेना तब के कई युवा क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए बेकार था। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उस समय राजद की अगुआई राबड़ी देवी कर रही थीं और लालू यादव राज्य की रणजी टीम बनाने और राज्य के क्रिकेट खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए योग्यतम कोच नियुक्त करने के लिए बहुत कुछ कर सकते थे।

तीसरा, ओलंपिक खेलों के लिए एथलीटों को तैयार करने में बिहार ओलंपिक संघ (बीओए) की भूमिका बहुत अच्छी नहीं है। रिकॉर्ड के अनुसार, बीओए के अधिकारी एथलीटों को विश्व स्तरीय ओलंपिक खेलों के स्तर पर तैयार करने के लिए कार्यक्रम और ट्रायल आयोजित करने की जहमत नहीं उठाते। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि पेरिस ओलंपिक के लिए 117 एथलीट-सदस्यीय टीमों की सूची में बिहार का कोई भी एथलीट शामिल नहीं था। इससे भी बुरी बात यह है कि खेल मामलों की इस दयनीय स्थिति को लेकर बीओए और राज्य सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल चल रहा है। बीओए बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित कोचों की कमी के बारे में लापरवाही के लिए राज्य सरकार पर दोष मढ़ता है। इसका नतीजा यह होता है कि बीओए नियमित अंतराल पर कार्यक्रम आयोजित करने में खुद को असमर्थ पाता है। दूसरी ओर, राज्य सरकार यह कहकर बीओए के बारे में अपनी आवश्यक जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाती है कि बीओए एक स्वतंत्र इकाई है और सरकार इसके कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

इस चल रहे संघर्ष में, उभरते हुए प्रतिभाशाली खिलाड़ी हार रहे हैं। अंत में, यह कहा जा सकता है कि मेडल लाओ, नौकरी पाओ योजना पहली नज़र में बड़ी संख्या में युवाओं को आकर्षित कर सकती है। हालांकि, बिहार में आवश्यक खेल संसाधनों की कमी के कारण, यह योजना कई युवा प्रतिभाओं को आकर्षित नहीं कर पाएगी।

आप की बात

आरक्षण की सीमा

आजादी के बाद 10 वर्ष तक के लिए लागू आरक्षण अब राजनेताओं की चुनावी खेती बन गया है। इससे एक ओर तो जनता में आरक्षित व अनारक्षित के बीच खाई बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी ओर आरक्षण के कारण आरक्षित जातियों में एक वर्ग ऐसा पैदा हो गया है जो इसके लाभ को अपनी ही जातियों के गरीबों तक नहीं पहुंचने देता है। विपक्षी गठबंधन इंडिया द्वारा आरक्षण की सीमा बढ़ाने का चुनावी वादा पूरे देश और समाज के लिए अत्यधिक खतरनाक हो सकता है। हाल ही में कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा निजी कंपनियों के लिए प्रबंधन क्षेत्र में 50 प्रतिशत और गैर प्रबंधन क्षेत्र में 70 प्रतिशत आरक्षण स्थानीय लोगों को देने हेतु कैबिनेट ने प्रस्ताव पास कर लिया था। लेकिन उद्योग जगत के भारी विरोध होने के कारण सरकार को इसे विधानसभा में लाने की हिम्मत नहीं पड़ी और इसे चौबीस घंटे में ही वापस ले लिया गया। लेकिन आशंका है कि कांग्रेस सरकार इसे किसी दूसरे तरीके से ला सकती है। सरकारी नौकरियों में मोटे वेतन, आरामतलबी तथा रिश्वतखोरी की प्रवृत्तियों के कारण अब अनेक समृद्ध जातियां भी आरक्षण की जिद पर कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा करने लगी हैं। अतः आरक्षण की सीमा बढ़ाने के सारे विचार स्पष्ट रूप से खारिज होने चाहिए।

– **बी.एल. शर्मा,** उज्जैन

पर्यटन के प्रभाव

यात्रा और पर्यटन उद्योग का 2023 में वैश्विक जीडीपी में 9.1 प्रतिशत हिस्सा था। यह योगदान लगभग 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर था। इस प्रकार अतिथि सत्कार एक तरह से अमेरिका, स्पेन, जापान, थाईलैंड, श्रीलंका आदि देशों के लिए उद्योग का काम करता है। सरकारें भी पूरा जोर लगाती हैं ताकि पर्यटकों को आकर्षित कर अधिकाधिक लाभ कमाया जाय। मगर आजकल दुनिया के अनेक हिस्सों में इसका विपरीत प्रवृति दिखाई दे रहा है। वहां स्थानीय निवासी बढ़ते पर्यटकों से न सिर्फ ऊब चुके हैं बल्कि उनके कारण उन्हें भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। स्पेन के मैलोर्का में अति-पर्यटन का विरोध करते हुए पचास हज़ार लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह शहर उन लोगों के लिए है जो इसमें रहते हैं। रैली में पर्यटन मॉडल में बदलाव की मांग की गई। पर्यटन के मौजूदा मॉडल ने सार्वजनिक सेवाओं व प्राकृतिक संसाधनों को भारी नुकसान पहुंचाया तथा स्थानीय लोगों का किराये पर रहना मुश्किल कर दिया है क्योंकि पर्यटकों से मकान मालिकों को ज्यादा आमदनी होती है। भारत में भी अनेक पर्यटन स्थलों पर स्थानीय निवासियों को संकट तथा पर्यावरण विनाश जैसी हालत है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

इलाज का खर्च

सरकारी अस्पताल में मोतियाबिंद के ऑपरेशन में एक आंख के लिए लगभग 10,000 रुपये तक खर्च आ सकता है, जबकि निजी अस्पताल में यह 30,000 से 1,40,000 रुपये तक हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस असमानता पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र सरकार को 14 साल पुराने कानून-क्लिनिकल स्थापना नियम को लागू करने का निर्देश दिया है। इसके अनुसार, राज्यों के साथ विचार-विमर्श कर महानगरों, शहरों व कस्बों में इलाज के लिए एक मानक दर तय की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा का मौलिक अधिकार है और केंद्र सरकार इस आधार पर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव को मानक दर अधिसूचित करने के लिए राज्यों के अधिकारियों संग बैठक बुलाने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला एक एनजीओ की जनहित याचिका पर दिया। इसमें मांग की गई थी कि न्यायालय लोगों को चिकित्सा के नाम पर की जाने वाली लूट से बचाए। उल्लेखनीय है कि आजकल दवा इलाज का खर्च बहुत लोगों की कमर तोड़ने वाला बन गया है। सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद कुछ निजी अस्पतालों की लूट जारी है। इस पर कठोरता से लगाम लगनी चाहिए।

– **गोपाल सोनी,** धार

शिक्षकों की छवि

स्कूल शिक्षकों के बारे में अनेक सकारात्मक व नकारात्मक खबरें सामने आती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान में कोचिंगों के कारण अनेक शहर मशहूर हो गए हैं। लेकिन हाल ही में वहां के कुछ शिक्षक बच्चों को नकल कराते दिखे। शिक्षा विभाग के सतर्कता दल ने एक गांव में स्थित सरकारी उच्च प्राथमिक स्कूल के मुख्य दरवाजे पर ताला डालकर अंदर शिक्षक द्वारा ब्लैक बोर्ड पर प्रश्नों के उत्तर लिखकर सामूहिक रूप से नकल कराते पाया। वैसे छात्रों को गलत ढंग से नंबर देने, या ट्यूशन पढ़ने वाले छात्रों का पक्षपात करने की खबरें तो पहले भी आती रही हैं, पर शिक्षकों द्वारा सामूहिक नकल कराने की घटनायें विरल हैं। ऐसे शिक्षको की हरकतों से पूरा शिक्षक समाज शर्मिंदा होता है। राजस्थान के साथ ही अन्य प्रदेशों की सरकारों तथा भारत सरकार को स्कूली शिक्षा का स्तर उठाने के प्रयास करने चाहिए। अच्छे शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के साथ ऐसे भ्रष्ट व अनैतिक शिक्षकों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई करना भी जरूरी है। स्वयं शिक्षकों को भी अच्छे वेतन के साथ अपनी छवि की चिन्ता भी करनी चाहिए।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल pioneer.editorial@gmail.com पर भी भेज सकते है।

बरसते पानी में बारिश प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर एवं जिपं सीईओ

लिमोरा में पुलिया निर्माण, करहीभदर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और ग्राम चिरईगोड़ी में खाद वितरण केन्द्र का किया निरीक्षण

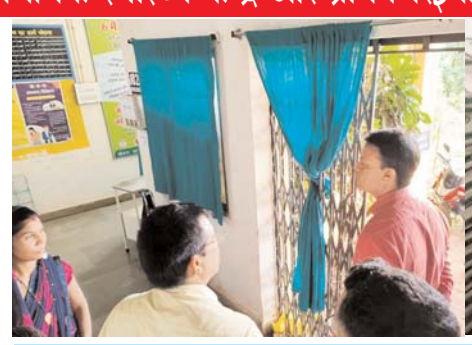

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने बुधवार को बरसते पानी में जिले के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर जिले में लगातार हो रहे बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को पूरे समय मुस्तैद रहकर लगातार हो रहे बारिश के कारण उत्पन्न किसी भी स्थिति से निपटने हेतु पुख्ता उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस दौरान आम जनता को खाद्यान, दवाई, शुद्ध पेयजल आदि अति आवश्यक चीजों के प्रबंध हेतु किसी भी प्रकार के परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस दौरान कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. सजंय कन्नौजे ने बालोद ब्लॉक के ग्राम चिरईगोड़ी के उप खाद गोदाम में पहुँचकर वहाँ पर उपलब्ध खाद का अवलोकन किया। उन्होंने गोदाम के कर्मचारियों से खाद की उपलब्धता एवं किसानों को वितरण के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित किसानों से चर्चा कर उन्हें समय पर खाद बीज की समुचित उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली।

मरीजो से बातचीत कर जाना उनका हालचाल

कलेक्टर एवं सीईओ ने ग्राम करहीभदर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में पहुँचकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित खण्ड चिकित्सा अधिकारी से अस्पताल में प्रतिदिन ईलाज हेतु आने वाले मरीजों की संख्या आदि के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में ओपीडी का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अस्पताल के वार्ड में पहुँचकर वहाँ भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने मरीजों से ईलाज एवं अस्पताल के व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने अस्पताल के डॉक्टरों एवं कर्मचारियों से वर्षा ऋतु के दौरान मौसमी बीमारियों के प्रकोप बढ़ने की संभावना को देखते हुए पूरे समय सजग एवं सतर्क रहकर मरीजों की बेहतर ईलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खण्ड चिकित्सा अधिकारी को अस्पताल में समुचित मात्रा में दवाई एवं चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा अस्पताल में बेहतर साफ-सफाई की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।

पुल निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश

कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने ग्राम लिमोरा में पहुँचकर पीपरछेड़ी-लिमोरा मार्ग में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता से निर्माण के प्रगति के संबंध में जानकारी ली और इस कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। वही इसके पश्चात् अधिकारियों ने गुरूर ब्लॉक के ग्राम दर्रा पहुँचकर देवरानी-जेठानी नाला में निर्मित पुल का अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं ग्रामीणों से चर्चा कर बारिश के दौरान उत्पन्न हालात तथा इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली। इस दौरान एसडीएम प्रतिमा ठाकरे झा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

एसपी रामकृष्ण साहू ने थाना नवागढ़ का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू ने थाना नवागढ का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी अधिकारियों व जवानो का मनोबल बढायें जाने के साथ कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनायें रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में निर्देश दिया गया। थाना परिसर की साफ सफाई रखने थानों का रिकार्ड दुरूस्त रखने एवं सभी अधिकारियों व जवानों को आमजन महिला आगंतुक रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरता पूर्वक लेते हुये तत्काल उचित कार्यवाही करने तथा लंबित अपराधो मर्ग गुम इंसान लंबित शिकायतो का शीघ्र निकाल करने तथा लंबित समंस लंबित वारंट व आपरेशन ईगल अभियान चलाकर स्थायी वारंट की तामिली किये जाने असामाजिक तत्वों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने जप्ती माल की निकाल हर संभव प्रयास करने जप्ती माल एवं थाना के रिकार्ड को व्यवस्थित ढंग से वर्षवार रखने व चोरियो एवं अपराधो पर अंकुश लगाने हेतु रात्रि में गस्त एवं संदिग्ध व्यक्तियो कि चेकिंग करने तथा अवैध कारोबारियो अवैध शराब जुआ सट्टा गांजा नशीली दवा एवं अन्य अवैध कार्यो में लिप्त लोगो के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने सायबर प्रहरी का प्रचार-प्रसार कर व्हाट्सएप ग्रुप बीट वाईस बनाकर अधिक से अधिक लोगो को जोडकर जन जागरूकता अभियान चलाये जाने साथ ही थाना नवागढ़ क्षेत्रांतर्गत सड़क पर बैठे हुये मवेशियों का जगह चिन्हांकित कर नगर पंचायत ग्राम सरपंच कोटवार एवं गौवंष पालको की बैठक लिया जाकर इनको सुरक्षित स्थान में रखने व बांधकर रखने के संबंध में बताया गया मवेषियों के सड़क पर बैठे रहने से आने जाने वाले दो पहिया वाहन 04 पहिया वाहन व भारी वाहनो व सड़क में मवेषियों के बैठे रहने से सड़क दुर्घटना की संभावना रहती है जिसको ध्यान में रखते हुये लगातार पुलिस पेट्रोलिंग व थाना नवागढ़ स्टाफ को सड़क पर बैठे मवेषियों को हटाने हेतु निर्देषित किया गया।

थाना क्षेत्रों में गौवंशो की सुरक्षा हेतु किये जा रहे समुचित प्रयास

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिले के सभी महत्वपूर्ण मार्गो में अक्सर यह देखने मे आ रहा है कि रोड में बैठे गौवंशो से टकराकर आये दिन वाहन दुर्घटना हो रही है जिससे जनहानि व गौवंशो की मृत्यु की घटना लगातार सामने आ रही है। इन घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बेमेतरा ज्योति सिंह, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेमेतरा मनोज तिर्की, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बेरला तेजराम पटेल, उप पुलिस अधीक्षक कमल नारायण शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालयराजेश झा, उप पुलिस अधीक्षक कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में विशेष अभियान चलाकर सभी थाना, चौकी प्रभारियों व यातायात प्रभारी द्वारा लगातार पुलिस स्टाफ की ड्यूटी लगाकर आम रास्तो पर बैठे गौवंशो को सुरक्षित स्थान पर हटाया जा रहा है साथ ही अपने अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर आम जनता को जागरूक करने हेतु अभियान चलाया जा रहा है जिससे सड़क दुर्घटना में कमी लाकर जनहानि व गौवंशो की मृत्यु को रोका जा सके।

भावना बोहरा ने विधानसभा में महिलाओं की सुरक्षा एवं पंडरिया विधानसभा में सड़कों की स्थिति पर पूछे प्रश्न

पायनियर संवाददाता ➤ कवर्धा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधानसभा मानसून सत्र के तीसरे दिन पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रदेश में घटित अपराधिक घटनाओं, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में हुई भर्ती एवं पंडरिया विधानसभा में गाँव के सड़क से कनेक्टिविटी और पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत पंडरिया विधानसभा में योजना के अंतर्गत स्वीकृत सड़कों के संबंध में प्रश्न सदन में उठाया। इस दौरान भावना बोहरा ने गृह मंत्री विजय शर्मा से पंडरिया विधानसभा में सड़कों के निर्माण व मरम्मत की आवश्यकता के बारे में अपनी बात रखी वहीं क्षेत्र में अवैध कारोबार एवं नशीले पदार्थों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए शासन एवं प्रशासन को कड़ी कार्रवाई के विषय में भी अपने विचार रखे। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा अंतर्गत एक दिशा बारह मासी सड़क तथा चारो दिशा बारह मासी सड़क से जुड़े गाँवों की जानकारी मांगते हुए प्रश्न किया कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार पंडरिया विधानसभा अंतर्गत कितने गांव एक दिशा बारह मासी सड़क तथा चारो दिशा बारह मासी सड़क से जुड़ चुके है ? कितने गांव जुड़ना शेष है और वे गांव कब तक जुड़ेंगे साथ ही बारह मासी सड़क से जुड़ने हेतू शेष गांव में वर्षा ऋतु के दौरान आवागमन साधन के विषय में भी प्रश्न पूछा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उत्तर देते हुए जानकारी दी की वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 104 गांव एक दिशा बारह मासी सड़कों से जुड़ चुके हैं तथा चारो दिशा बारह मासी सड़क जोड़ने का प्रावधान नहीं है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं विकास योजना के तहत 91 गांव एक दिशा बारह मासी सड़कों से जुड़ चुके हैं और 33 गांव एक दिशा बारह मासी सड़क से जोड़ना शेष है। वर्षा ऋतु के दौरान वर्तमान में ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित सड़कों अथवा कच्ची सड़कों से ग्रामवासियों द्वारा आवागमन किया जाता है। प्रदेश में अपराध और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के संबंध में प्रश्न करते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने पूछा की जनवरी, 2024 से जून, 2024 तक जिला-रायपुर एवं कबीरधाम में कुल कितने- चोरी, डकैती, लूटमार, हत्या, हत्या के प्रयास, आत्महत्या, नशीले पदार्थों की बिक्री, बलात्कार तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंधित मामले पंजीकृत किये गये? अप्रत्याशित रूप से नशीले पदार्थों के विक्रय पर रोक लगाने के लिए सम्बंधित विभाग द्वारा क्या-क्या कदम उठाये जा रहे है? एवं प्रदेश की राजधानी रायपर में चाकूबाजी की घटनाओं की रोकथाम हेतु विभाग द्वारा क्या-क्या कदम उठाये गये हैं? विभागीय मंत्री ने बताया कि अवैध नशीले पदार्थों के विक्रय करने वालों पर आबकारी अधिनियम की कार्यवाही की जा रही है। वॉल पेंटिंग कराया गया हैं, एवं सार्वजनिक स्थानों में जन जागरूकता हेतु बैनर पोस्टर लगाया गया है। जिले में शराब कोचियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत अधिक से अधिक कार्यवाही किया जा रहा है। तथा समय-समय पर मुख्य मार्ग एवं ग्रामीण मार्गों पर अस्थायी चेक पोस्ट लगाकर अवैध नशीले पदार्थ के परिवहन को रोकने का कार्य किया जा रहा है जिला कबीरधाम में थानों में समय-समय पर अस्थायी चेक पोस्ट लगाकर वाहनों की एवं संदिग्ध व्यक्तियों कि चेकिंग की जा रही है जिसमें पुलिस को सफलता भी प्राप्त हुई है तथा अपराधियों में पुलिस का भय व्याप्त है। जिला रायपुर में नशे के विरुद्ध निजात अभियान चलाया जा रहा है। राजधानी रायपुर चाकूबाजी की घटनाओं को रोकने हेतु ऑनलाईन शॉपिंग साईट्स अमेजन, फ्लिप कार्ट, का डॉटा संधारण एवं विश्लेषण, कर लोगों द्वारा ऑनलाईन मंगाये गये धारदार/ बटनदार चाकू जप्त किया जा रहा है। भावना बोहरा ने महिला सुरक्षा के प्रति भी सदन में प्रमुखता से अपनी बातें रखी इसके साथ अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री पर भी ध्यान आकर्षित किया।

विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा पर्व पर गुरु शिष्य परंपरा का समझा महत्व

पायनियर संवाददाता ➤ कुम्हारी
www.dailypioneer.com

गुरु पूर्णिमा पर सेजेस कुम्हारी में गुरु पूर्णिमा अत्यंत श्रद्धा और बड़े ही हर्षोल्लास के साथ विद्यार्थियों द्वारा मनाया गया। जिसमें प्रथम पाली में अंग्रेजी माध्यम के 1150 बच्चे एवं हिंदी माध्यम के 425 बच्चे एवं समस्त शिक्षकों की उपस्थिति रही। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा सभी शिक्षकों को ग्रीटिंग कार्ड एवं पुष्पगुच्छ द्वारा सम्मानित किया गया। बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति अति सराहनीय थी जिसमें बच्चों ने भाषण, एवं श्लोक के माध्यम से गुरु के प्रति अपनी भावना व्यक्त की। मिडिल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने लघु नाटक गुरु की महिमा द्वारा विद्यार्थी जीवन में गुरु के महत्व को अति मनोरम ढंग से प्रस्तुत किया गया। हिंदी माध्यम की छात्र-छात्राओं ने नृत्य के माध्यम से गुरु की महिमा का बखान किया। कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा ने कबीर दास जी द्वारा रचित गुरु की महिमा के दोहों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में मिडिल स्कूल की शिक्षिका ऋतु राव द्वारा प्राचीन काल में गुरुकुल व्यवस्था, गुरु शिष्य परंपरा एवं गुरु पूर्णिमा क्यों मनाते हैं इसके विषय में बच्चों को सम्पूर्ण जानकारी दी गई। सभी कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्या लता रघु कुमार एवं समस्त शिक्षकगण के मार्गदर्शन पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसी क्रम में गुरुसम्मान के साथ विद्यार्थियों ने शासकीय पूर्व माध्यमिक कन्या शाला बाजार चौक कुम्हारी में बहुआयामी कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम के प्रथम पंक्ति के रूप में गुरु पूर्णिमा उत्साह पूर्वक मनाया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना के बाद गुरु वंदन, गुरु सम्मान, संबंधित व्याख्यान दिए गए वहीं स्कूल के विद्यार्थियों ने गुरुजनों का सम्मान किया। विद्यालय में द्वितीय पंक्ति के रूप में शिक्षा सप्ताह के प्रथम दिवस 'टीएलएम प्रदर्शन' का आयोजन किया गया। इसी प्रकार अंतिम पंक्ति के रूप में सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत निर्मित किचन गार्डन में पौधरोपण व फेंसिंग का कार्य किया गया। वहीं कार्यक्रम में लोक पहुना के रूप में समाजसेवी आजू राम वर्मा उपस्थित हुए। संपूर्ण कार्यक्रमों के सफलतम आयोजन में प्रधान पाठक पी.एम चंद्राकर, सीएसी अजय सिंह के साथ शिक्षक ए.कश्यप, एस श्रीवास्तव, आर देवांगन, के पटेल, के एल वर्मा, आर के ध्रुव, एस के धीवर, डी यादव, ए के प्रधान आदि के कुशल नेतृत्व एवं मार्ग दर्शन में कार्यक्रम सफल सम्पन्न हुआ।

हॉकी अकादमी के लिए बारगावं की बालिकाओं का चयन

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

खेल विभाग की पहल पर रायपुर मे इस वर्ष से आवासीय बालिका हॉकी खेल अकादमी प्रारम्भ की गई है, जिसमे बालिकाओं के चयन के लिए 1। से 19 जुलाई तक राज्य स्तर पर ट्रायल लिया गया। इसी क्रम में बेरला विकासखंड के शा.हायर सेकेण्डरी स्कूल बारगावं की 08 बालिकाओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया, इनमे से 3 बालिकाओं का रायपुर खेल अकादमी हेतु चयन हुआ है । जिसमे कु.अन्नू टडनं ,कु. निशा साहू और कु. हेमकला निषाद ने अपनी जगह बनाई। कलेक्टर रणवीर शर्मा ने हॉकी अकादमी हेतु चयनित बालिकाओं का सम्मान कर उत्साहवर्धन किया। बारगावं मे पदस्थ व्यायाम शिक्षिका ने 2022 से बच्चों को सिखाना चालू किया है और महज कुछ वर्षो मे ही वहाँ के बच्चो ने उपलब्धियों की सीढ़ी चढ़ना प्रारम्भ कर दिया। राष्ट्रीय खेलो मे, हॉकी इंडिया चैंपियानशिप मे अपना स्थान बनाया। बता दे कि 2023 मे डाली निषाद का बिलासपुर खेलो इंडिया मे, तृषा यादव और संजना निषाद का 2024 मे साई सेंटर राजनांदगांव के लिए चयन हुआ है। 2024 मे ही विजय कुमार और चिंताराम पटेल का खेलो इंडिया सेंटर बिलासपुर के लिए चयन हुआ है। साथ ही यंही के सतीश कुमार हेमचंद विश्वविद्यालय की ओर से इस्ट जोन हॉकी मे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। अब बारगावं हॉकी की नर्सरी बन गया है जो की बेमेतरा जिले लिए विशेष उपलब्धि है।

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में हुई महिला केंद्रित कानून सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम

पायनियर संवाददाता ➤ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में राज्य शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति के अन्तर्गत जिला कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन में एवं चंद्रबेश सिंह सिसोदिया जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं सी.पी. शर्मा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग के नेतृत्व में महिला केन्द्रित कानून सप्ताह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में किया गया जहाँ स्कूल के समस्त बच्चों एवं प्राचार्य, शिक्षक / शिक्षिकाओं को महिला केन्द्रित कानून सप्ताह के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। व्योम श्रीवास्तव जिला बाल संरक्षण अधिकारी के द्वारा बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण के विषय में विस्तार से कानूनी जानकारी प्रदान की गई साथ ही किशोर न्याय अधिनियम 2015 एवं संसोधित अधिनयम 2021 के बारे में विस्तार से जानकारी दिये तद् पश्चात राजेन्द्र चन्द्रवंशी परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाईन के द्वारा चाइल्ड हेल्पलाईन की सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दिये तथा POCSO ACT (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 एवं संसोधित अधिनियम 2019) के बारे में विस्तार से विधिक जानकारी प्रदान की गई तद् पश्चात बिहान से सुयशोदा साहू संरक्षण अधिकारी नें महिलाओं के संबंध में कानूनी जानकारी दिये तथा सुराखी यादव केन्द्र प्रशासक सखी वन स्टॉप सेंटर ने सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दिये तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से चेतन साहु एवं कु. स्वाती कुंजाम पीएलवी के द्वारा प्राधिकरण की सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकगणों को प्रदान की गई। संस्था के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने बताया कि आज स्कूल में विभिन्न अन्य पास्को एक्ट नए कानून के जानकारी के साथ- साथ अनेकों गतिविधियों का आयोजन हुआ, आज से सी बी एस ई के व शिक्षा विभाग के आज्ञानुसार शिक्षा सप्ताह का प्रारंभ किया गया साथ ही टी एल एम के प्रथम दिन के उपलक्ष में अनेको गतिविधियों का भी आयोजन किया गया है। इस विशेष कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वियोम श्रीवास्तव जिला बाल संरक्षण अधिकारी, कादरी श्रम विभाग निरीक्षक, यशोदा साहू संरक्षक अधिकारी महिला बाल विकास, राजेंद्र चंद्रवंशी परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन, राखी यादव सखी व स्टाफ वेलफेयर,चेतन साहू एवं स्वाति कुंजाम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहित विद्यालय से संस्था के प्राचार्य पी एल जायसवाल, ललित देवांगन, अखिलेश,अनिल, निशु, आयुशी,रेणुका, राजा, गोविंद, उमेश, विमल,देविका, दीपिका, सरिता कैलाश, मनीषा, छोटू साहू, अनिल, रितिका, ललित कुमार, सुखदेव, नरेश, युवराज, रूखमणी आदि उपस्थित रहे।

बालोद जिला भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस समारोह बीएसपी राजहरा क्लब में संपन्न

पायनियर संवाददाता ➤ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

बालोद जिला भारतीय मजदूर संघ का स्थापना दिवस समारोह बीएसपी राजहरा क्लब के हॉल में एक विचार गोष्ठी के रूप में संपन्न हुआ। विचार गोष्ठी को भामसं के राष्ट्रीय मंत्री आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ आयशा खान, प्रदेश संयोजक पर्यावरण लखनलाल चौधरी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ प्रदेश उपाध्यक्ष माधुरी रथ ने संबोधित किया। समारोह के मुख्य वक्ता भामसं के जिला मंत्री और विभाग प्रमुख मुश्ताक अहमद ने भारतीय मजदूर संघ को देश में प्रथम क्रमांक पर होने की बात को जोर देते हुए कहा कि भले ही भारतीय मजदूर संघ देश का सबसे बड़ा श्रम संगठन बन गया हो, एशिया में भी हम सबसे बड़े संगठन है, चीन के सरकारी ट्रेड यूनियन को छोड़ दें तो हम पूरी दुनिया में भी सर्वाधिक सदस्यता वाले श्रम संगठन है, बावजूद इसके हमारा कार्य अभी भी अधूरा है। जब तक असंगठित क्षेत्र के एक-एक मजदूर को संगठित करके उनको उनका हक व अधिकार नही दिला देते तब तक हमारी लड़ाई अधूरी है, हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री मुश्ताक अहमद ने बताया कि भारी बरसात के बावजूद तय समय में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भामसं का स्थापना दिवस मनाने एकत्रित हुए और विचार गोष्ठी व रैली में पानी में भीगते हुये शामिल हुए गोष्ठी के प्रारंभ में भारतमाता, भगवान विश्वकर्मा व भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दंतोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम प्रारंभ हुआ फिर भारतीय मजदूर संघ के गीत गाये गये, भामसं के पर्यावरण संयोजक लखनलाल चौधरी ने अपना उद्बोधन रखा, सभी यूनियनो ने क्रमशः अपना-अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया फिर विचार गोष्ठी प्रारंभ हुई, जिसमें भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री मुश्ताक अहमद ने सिद्धांतो व विचारों की व्याख्या करते हुये भामसं के सिद्धांतो को कालजयी बताते हुये कहा कि जिन विचारों व सिद्धांतो को लेकर भारतीय मजदूर संघ 23 जुलाई सन् 1955 को प्रारंभ हुआ वे विचार अब 70 वर्ष की उम्र प्राप्त कर चुके है और मजदूर जगत में अब लाल सलाम के बजाय भारतमाता की जय के नारे लगने प्रारंभ हो गये है। अब देश के मजदूर आंदोलन में लाल झण्डे का नहीं बल्कि भगवा झण्डे ने स्थान ग्रहण कर लिया है, जहॉ देश के संगठित क्षेत्रों में भारतीय मजदूर संघ का काम तीव्र गति से बढ़ा है वही असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के समस्याओं को भी देशभर में मुखर आवाज मिली है। यही कारण है कि असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा के लिये राज्य व केन्द्र की सरकारों ने अनेक योजनायें प्रारंभ की है जिनका लाभ असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को प्राप्त हो रहा है। इसके बाद भी असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की समस्यायें गंभीर है, उन्हे न तो न्यूनतम वेतन मिल रहा है न ही उन्हे भविष्य निधि का लाभ दिया जा रहा है और न ही चिकित्सा बीमा की सुविधा मिल पा रही है। अभी भी इस क्षेत्र में संघर्ष की काफी जरूरत है ताकि देश में शोषण के अंधकार को दूर किया जा सके। राजहरा खदान में कार्यरत नियमित एवं ठेका श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए भी संघर्ष करने की बात कही साथ ही कहा कि आज सेल को महारत्न कंपनी कहा जाता है मगर राजहरा खदान में कार्यरत श्रमिकों को बिल्कुल भी ऐसा नहीं लगता है । आज नियमित कर्मचारियों के घरों के छत से पानी गिर रहा है, नालियों की सफाई नहीं हो रही है सड़कों पर जगह जगह खड्डे हो गए हैं पूरा शहर गंदगी से पटा हुआ है, जगह जगह झाड़ियों का अंबार है कोई साफ़-सफाई नहीं हो रही है और बीएसपी प्रबंधन इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा है डीएवी स्कूल और अस्पताल की व्यवस्था में कोई सुधार नहीं है कुल मिलाकर बीएसपी प्रबंधन मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में पूरी तरह असफल है। गोष्ठी व रैली में में प्रमुख रूप से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ से आयशा खान, माधुरी रथ, खदान मजदूर संघ भिलाई से रजनीश जरयाल, बी के मिश्रा, विमल यदू, मुरली साहू, मिलिंद तामड़े, लीखने साहू, शिवकुमार नायक, सुखदेव यादव, संजय यादव, पुरोहित कोठारी, विनोद कुमार आरडे, मुकेश महेश्वरी,भागवत कश्यप, ज्ञानप्रकाश चंद्राकर, विनोद सहारे, उल्लाह देवांगन, सतीश कुमार पाण्डेय, मुरली साहू,डोमेन्द दास, गजाधर साहू, विनोद कुमार नोन्हारे, सी हरि,एवं खदान के ठेका श्रमिक, आई ओ सी एल के ठेका श्रमिक और सुरक्षा गार्ड एवं खदान के सुरक्षा गार्ड शामिल हुए कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर साहू ने और आभार प्रदर्शन बी के मिश्रा ने किया ने किया।

हमर पुलिस हमर संग जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत बम्हनीडीह पुलिस ने स्कूल में सामुदायिक पुलिसिंग का आयोजन किया

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चाम्पा
www.dailypioneer.com

हमर पुलिस हमर संग जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत बम्हनीडीह पुलिस द्वारा बम्हनीडीह स्कूल में सामुदायिक पुलिसिंग का अयोजन किया गया। विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर- चाम्पा के निर्देशन में जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लोगो को जागरूक करने के लिए हमर पुलिस हमर संग कार्यक्रम अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 23.07.2024 को अति. पुलिस अधीक्षक जांजगीर राजेन्द्र कुमार जायसवाल एवम SDOP चांपा यदुमणि सिदार कुशल मार्ग दर्शन में हमर पुलिस हमर संग कार्यक्रम का आयोजन थाना बम्हनीडीह क्षेत्र के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल बम्हनीडीह में जाकर आयोजित किया गया। जन जागरूकता कार्यक्रम के दौरान निरीक्षक दिनेश कुमार यादव थाना प्रभारी बम्हनीडीह द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि 01 जुलाई 2024 से लागू हुए नये कानून - भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नवीन भारतीय न्याय संहिता का उद्देश्य आम जनता को त्वरित रूप से न्याय दिलाकर राहत प्रदान करना है, इसलिए नवीन कानून के बारे में सभी लोगो को जानकारी होना बहुत आवश्यक है। अपराधियों के लिए नए कानून में गंभीर सजा का प्रावधान किया गया है। बालक/बालिका संबधी अपराध में नये कानून में महिला एवं बच्चो से संबंधित कानून को संवेदनशील बनाया गया है तथा महिला एवं बच्चो से संबंधित अपराध में कठोर दण्ड का प्रावधान किया गया है। सायबर क्राईम संबंधी अपराध - किसी प्रकार के अनचाहे लिंक को टच न करे, किसी से OTP शेयर न करे, किसी फर्जी ऑडियो कॉल एवं विडियो कॉल को रिसीव न करे, केवल प्ले स्टोर से ही App डाउनलोड करे, किसी फर्जी लायट्री एवं पैसे के लालच में आकर OTP शेयर व पैसा न डाले के बारे में जानकारी दिया गया। यातायात जागरूकता के संबंध में नशे के हालत में वाहन न चलाये, बच्चो को वाहन चलाने न दे, मो. सा. मे तीन सवारी न चले, हेलमेट का उपयोग, चार पहिया एवं बडे वाहन में सीटबेल्ट का उपयोग करे, एवं तेज वाहन न चलाये के बारे में विस्तृत जानकारी दिया गया। नशा मुक्ति अभियान में आम जानता से अपिल किया गया कि किसी प्रकार का कोई नशा का सेवन न करे । नशा के सेवन से पैसा एवं परिवार दोनो का विनाश होता है। अभिव्यक्ति ऐप के संबंध मे विघार्थीयो एवं जनता को अभिव्यक्ति ऐप डाउनलोड करवाया गया एवं महिला संबंधी किसी भी प्रकार के शिकायत को इस ऐप के माध्यम से शिकायत कर सकते है एवं उसमें त्वरित कार्यवाही होने के संबंध में जानकारी दिया गया। उपरोक्त कार्यक्रम का सफल संचालन थाना प्रभारी बम्हनीडीह निरीक्षक दिनेश कुमार यादव द्वारा किया गया। एवम कार्यक्रम के दौरान सउनि सुनील टैगोर, थाना स्टाप एवं सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के अध्यक्ष नरेन्द्र जायसवाल, प्रधानाचार्य रामशंकर मधुकर, शिकक्षक गण , विद्यार्थी गण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जुआ खेलने वाले 04 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी जांजगीर, पामगढ़ एवं अकलतरा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चाम्पा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चाम्पा के निर्देशन में जिले में जुआ/सट्टा खिलाने एवं खिलने वालो के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 23 जुलाई को मुखबीर सूचना मिला कि थाना अकलतरा क्षेत्र के ग्राम पीपरसत्ती लीलागर नदी के किनारे कुछ लोग ताश पत्ती से रूपयें पैसा का दांव लगाकर जुआ खेल रहें है कि सूचना पर अति. पुलिस अधीक्षक के कुशल मार्ग-दर्शन में गवाहो के साथ निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी जांजगीर, उपनिरी, मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ़ अपने टीम तथा थाना अकलतरा पुलिस के साथ संयुक्त टीम बनाकर मौके पर रेड कार्यवाही किया गया जहां पुलिस को आते देख कुछ जुआडियान मौके से भाग गये तथा मौके पर ताश पत्ती से दांव लगाकर जुआ खेलते आरोपी(01.) आशिष कुमार भारद्वाज पिता दावत राम उम्र 34 साल निवासी धुर्वाकारी थाना पचपेड़ी हाल मुकाम देवरीखुर्द जिला बिलासपुर (02.) घनश्याम साहू पिता स्व. कलीराम साहू उम्र 33 साल निवासी कोडापुरी थाना सकरी जिला बिलासपुर (03.) गोपाल यादव पिता मेवालाल उम्र 39 साल निवासी वार्ड नं 11 नयापारा थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर (04) अजय साहू पिता स्व. भक्कू साहू उम्र 34 साल निवासी नयापारा किर्ति नगर वार्ड नं. 11 थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर मिला। तथा आरोपियों कब्जे एवं घटना स्थल से नगदी रकम 1,20,400/रू, 52 पत्ती तास, 01 ओमनी वैन, 04 नग मोबाईल एवं 09 नग मोटर सायकल जुमला किमती 6,36,400/रू मिला जिसे गवाहो के समक्ष बरामद किया जाकर आरोपियों को विधिवत् गिरफ्तारी कार्यवाही किया गया है। घटना स्थल से कुछ जुआडियानों मोटर सायकल को छोड़कर भाग गयें है, जिसकी पतासाजी की जा रही है मिलने पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। प्रकरण की विवेचना जारी है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी जांजगीर, निरी. मणिकांत पाण्डेय थाना प्रभारी अकलतरा, उपनिरी. मनोहर सिन्हा थाना प्रभारी पामगढ, सउनि राजेन्द्र सिंह क्षत्रिय, प्रआर विवेक सिंह थाना अकलतरा, सउनि उमेन्द्र मिश्रा, प्रआर राकेश तिवारी, आर बालमिकी राठौर, सुरेश रत्नाकर, संतोष भानु थाना जांजगीर आर. विनोद राठौर थाना अकलतरा का सराहनिय योगदान रहा।

आरक्षक ने रुपये नहीं देने पर कबाड़ी की गाड़ी में रेलवे का सामान भरकर आरपीएफ को सौंपा

कबाड़ी ने लगाया तारबहार थाने के आरक्षक पर आरोप, किया शिकायत

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

तारबाहर थाने के एक आरक्षक ने कबाड़ से भरे वाहन को पकड़कर थाने में खड़ा कर दिया। इसके बाद उसने कथित रूप से रुपये की मांग की। कबाड़ी ने किसी तरह 40 हजार रुपये दे दिए। इसके बाद भी उसके वाहन में रेलवे का सामान भरकर आरपीएफ के हवाले कर दिया। कबाड़ी ने पूरे मामले की शिकायत एसपी कार्यालय में की है। मसानगंज में रहने वाले फिरोज मेमन ने बताया कि उसका सिरगिट्टी में कबाड़ी का गोदाम है। गुरुवार को उनका ड्राइवर पिकअप वाहन से कबाड़ लेकर जा रहा था। रेलवे पार्सल आफिस के पास तारबाहर थाने में पदस्थ आरक्षक मुरली भार्गव ने कबाड़ से भरा वाहन रोक लिया। उसने ड्राइवर को धमकाकर अपने पीछे आने के लिए कहा। आरक्षक ने वाहन तारबाहर थाने में खड़ा कर दिया। इसकी जानकारी होने पर कबाड़ व्यवसायी अपने सहयोगी अब्दुल सफीर को साथ लेकर थाने पहुंचा। उसने थाना प्रभारी से मिलकर बिल होने की जानकारी दी। बिल देखने के बाद थाना प्रभारी ने एएसआइ टंडन से मिलने के लिए कहा। एएसआइ टंडन ने बिल देखने के बाद आरक्षक मुरली भार्गव के मोबाइल पर बिल भेजने के लिए कहा। साथ ही उससे बात करने के लिए भेज दिया। आरक्षक ने कबाड़ी से टीआइ और एएसआइ के नाम पर दो लाख रुपये की मांग की। इस पर आरक्षक ने जेल भेज देने की धमकी दी। जेल जाने के डर से कबाड़ी और उसके साथी ने किसी तरह 40 हजार की व्यवस्था कर आरक्षक को दिए। रुपये लेने के बाद भी उनके वाहन को नहीं छोड़ा गया। रात करीब 10 बजे ड्राइवर के सामने ही वाहन में रेलवे का सामान रखवाया गया। इसके बाद ड्राइवर को वाहन एफसीआइ चौक के पास लेकर जाने के लिए कहा गया। इसके कुछ ही देर बाद आरपीएफ की टीम आकर वाहन ले गई। सुबह कबाड़ी को इसकी जानकारी हुई। कबाड़ी के सहयोगी अब्दुल सफीर ने पूरे मामले की शिकायत एसपी कार्यालय में की है।

मिशन शक्ति अंर्तगत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सप्ताह का किया गया आयोजन

- मिशन शक्ति अंर्तगत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सप्ताह का किया गया आयोजन

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चाम्पा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर के निर्देशन में एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यकम अंतर्गत महिलाओं एवं सुरक्षा बचाव हेतु अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति संचालित है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के शोषण और भेदभाव को खत्म करना एवं महिलाओं के सशक्तिकरण करना है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अनिता अग्रवाल महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि उक्त के परिप्रेक्ष्य में मिशन शक्ति 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान (22 जुलाई से 26 जुलाई 2024) के महिला केन्द्रित विधान सप्ताह की थीम अंतर्गत हनुमान गट्टानी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.) में महिला केन्द्रित कानून घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005, छ.ग. टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम, 2005, महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 एवं तीन नये कानूनों के बारे में स्कूल के छात्राओं को जानकारी देते हुए जागरूकता कार्यक्रम किया गया। उक्त कार्यक्रम में स्कूल के प्रचार्य एवं समस्त शिक्षिकाएं एवं शिक्षक तथा महिला एवं बाल विकास विभाग जांजगीर से अनुपमा सिंह कंवर, संरक्षण अधिकारी, नवा बिहान, जिला जांजगीर-चांपा (छ.ग.), एकीकृत बाल विकास परियोजना जांजगीर से सुपरवाइजर पिंकी ठक्कर एवं स्कूल के छात्राएं उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी नगरीय निकायों के चुनाव अपने दम पर लड़ेगी

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

आम आदमी पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष (यूथ विंग) अरुण नायर द्वारा बिलासपुर जिला कार्यालय में नगरीय निकाय चुनाव एवं संगठन विस्तार को ले कर बैठक आयोजित की गई । बैठक में प्रदेश अध्यक्ष यूथ में अरुण नायर ने युवा कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार एवं नगरीय निकाय चुनाव के बारे में चर्चा की एवं नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को पार्टी के लक्ष्य से अवगत कराया एवं संगठन विस्तार और नगरी निकाय चुनाव को लेकर युवा साथियों को मार्ग दर्शन दिया साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को बताया की आम आदमी पार्टी नगरीय निकाय चुनाव सभी जगह से बिना किसी गठबंधन के आप अपने दम पर पूरे छत्तीसगढ़ में नगरी निकाय चुनाव लड़ेगी। इस बैठक में जिला अध्यक्ष खगेश चंद्राकर, जिला सचिव प्रमोद पटेल, राकेश लूनिया, वीरेंद्र राय ,अशोक वस्त्रकार ,नरेंद्र कुमार यादव, विनय गढेवाल, संजय कुर्रे, करण बंजारे, रूपेश सिंह, अजय ,अश्विनी कुमार, लव खुँटे, आशीष, नरेंद्र कुमार, सत्या पात्रें सहित भारी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महापौर और सर्वाधिक पार्षद भाजपा के हों इसके लिए कार्यकर्ता अभी से जुट जाएं

पायनियर संवाददाता ➤ बिलासपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यसमिति बैठक के उपरांत मंडलों की बैठक के दौर में भाजपा दक्षिण मंडल विस्तृत कार्यसमिति बैठक भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के जिलाध्यक्ष रामदेव कुमावत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के त्याग तपश्या की वजह से आज विश्व में एक सबसे बड़ी पार्टी है। उन्होंने पार्टी की विचारधारा एवं इतिहास पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने का आव्हान किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष जुगलकिशोर अग्रवाल द्वारा मंडल कार्यसमिति में प्रस्तावना भाषण देकर बैठक की विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मंडल प्रभारी मनीष अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी संगठन को बूथ इकाई तक सक्षम और मजबूत बनाने सभी से आह्वान किया कार्यकर्ताओं की निस्वार्थ मेहनत लगन और कर्मठता के परिणाम स्वरूप विधानसभा और लोकसभा चुनाव में अपेक्षित परिणाम जीत दर्ज हुई, आगामी नगरी निकाय चुनाव के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कमर कसना होगा विधानसभा क्षेत्र के अधिक से अधिक वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद जीतकर आएंगे महापौर भी भारतीय जनता पार्टी का बनेगा सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से आगामी महीना में नगर निगम मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य प्रारंभ होगा, चुनाव मे मतदाता सूची प्रत्याशियों की जीत का सबसे बड़ा आधार होता है सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह मतदाता सूची निरीक्षण कार्य में विशेष रूप से ध्यान देकर अपनी अहम भूमिका अदा करें, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश आह्वान पर 21 जुलाई से 29 सितंबर तक अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे सभी कार्यक्रम मंडल स्तर पर रूपरेखा बनाकर क मंडल एवं बूथ स्तर पर आयोजित करने हेतु मंडल अध्यक्ष शक्ति केंद्र प्रभारी इस बात की चिंता करें। इस अवसर पर महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष शोभा कश्यप द्वारा माननीया राष्ट्रपति महोदया के अभिभाषण के मुख्य बिंदुओं का वाचन किया। अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष मुर्तुजा वनक ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पारित राजनीतिक प्रस्ताव को कार्यकर्ताओं के बीच रखा।

बुजुर्ग को ठोकर मार ऑटो चालक मौके से हुआ फरार, बुजुर्ग के सर और कंधे पर आई गंभीर चोट

पायनियर संवाददाता ➤ जांजगीर-चाम्पा
www.dailypioneer.com

बम्हनीडीह में ऑटो चालक ने खपरीडीह के एक बुजुर्ग को ठोकर मार दी है जिससे बुजुर्ग को गंभीर चोट आई है मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह लगभग 6 से 7 बजे के बीच चांपा से बम्हनीडीह की ओर से आ रहे ऑटो द्वारा खपरीडीह के निवासी शंभू महंत को जोरदार ठोकर मार कर ऑटो चालक फार हो गया जिसमे शंभू के सर पर गहरी चोट आई , आसपास के ग्रामीणों द्वारा तत्काल शंभू महंत को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनीडीह लेजाया गया जहां उसकी हालत को देखते हुए बेहर उपचार के लिए चांपा रिफर किया गया, ग्रामीणों ने बताया की ऑटो चालक चांपा का है ग्रामीण ने बताया की आटो चालक अपने आटो मे ओवर लोड सवारी भर कर ऑटो चला रहा था जिसके आटो अनियंत्रित होकर पैदल चल रहे शंभू महंत को ठोकर मारी है।

बम्हनीडीह चाम्पा मार्ग पर ओवर लोड चल रहे आटो रिक्शा-

बम्हनीडीह चाम्पा मार्ग पर इन दिनो आटो रिक्शा चालको की मनमानी चल रही है और आटो चालक परिवहन नियम को ढेंगा दिखाते हुए आटो मे ओवर लोड सवारी भर कर फरीटे भर रहे है बताया जा रहा की

3 चक्के ऑटो में 8 से 10 सवारी भर कर आटो चालक आटो चलाते है जिसके चलते आए दिन घटनाएं सामने आ रही है पर इन सब से न तो आटो चालको को मुनाफा तो अतिरिक्त हो रहा है लेकिन साथ ही साथ वह सवारियों के जान के साथ भी खेलवाड़ कर रहे है , सवारियों को ऑटो में ठूस ठूस कर बैठाया जाता है जिससे यात्रा करने वाले राहगीर ऑटो से बाहर लटक कर बैठने को मजबूर है , यात्रा के दौरान अगर गाड़ी जरा सी भी अनियंत्रित होती है तो लटक कर सफर करने वाले सवारी बाहर गिरने की घटना सामने आ चुकी है ।

' अगर ऑटो चालक लापरवाही पूर्वक ऑटो चला रहे है तो चालको के खिलाफमोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की जाएगी '

-दिनेश यादव
थाना प्रभारी बम्हनीडीह

पैदल चल रहे व्यक्ति को बाईक सवार ने मारी ठोकर

पैदल चालक की मौत, बाइक सवार घायल

रायगढ़। धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मिरिगुडा में पैदल चल रहे बुजुर्ग को बाइक सवार के ठोकर मारने से पैदल सवार कि मौत होने कि जानकारी सामने आ रही है। घटना कल रात लगभग 8 बजे के आसपास कि बताई जा रही है जिसमे मोटरसायकल गाड़ी क्रमांक सीजी 13 एटी 4745 ने पैदल चल रहें व्यक्ति को टक्कर मारी हैं। टक्कर जबरदस्त थी की पैदल चल रहें धनाराम कांत उम्र 65 वर्ष ग्राम मिरिगुडा की मौत हो गई है। वही मोटरसाईकल चालक गंभीर रूप से घायल होना बताया जा रहा है। आस पास के लोगों ने बताया की मृतक पैदल दूकान सामान लेने जा रहा था तभी मोटरसाइकल चालक ने ठोकर मार दी। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच सभी को सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ ले आई है। जहां घायल का इलाज किया जा रहा और मृतक के परिवारजनों का इंतजार किया जा रहा। वही पुलिस घटना का कारण पता करने मे जुट गई है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग महासमुन्द

// मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-10 (प्रथम बार) //
(पूर्व ठेकेदार के जोखिम पर अपूर्ण कार्य को पूर्ण करना)

क्रमांक/10/एस.ए.सी./निविदा/ग्रा.यां.से./2024-25 महासमुन्द दिनांक 23/07/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु मैन्युअल निविदा आमत्रिंत की जाती है :-

जिला महासमुन्द अन्तर्गत प्राथ./पूर्व माध्य. शालाओं में अतिरिक्त कक्ष एवं शौचालय निर्माण कार्य

क.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू.) में
1	2	3
	वि.ख. महासमुन्द	
1	शासकीय प्राथमिक शाला लखनपुर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	7.88 लाख
2	शासकीय पूर्व माध्य. शाला लखनपुर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	7.88 लाख
3	शासकीय पूर्व माध्य. शाला सिंधुपाली में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	6.78 लाख
4	शासकीय प्राथमिक शाला जामपाली में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	6.86 लाख
5	शासकीय पूर्व माध्य. शाला भटगांव में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	7.88 लाख
6	शासकीय पूर्व माध्य. शाला रामखेड़ा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	7.86 लाख
7	शासकीय प्राथमिक शाला बम्बूरडीह में 2 नग अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	12.45 लाख
8	शासकीय पूर्व माध्य. शाला चौकबेड़ा में 2 नग अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	12.45 लाख
9	शासकीय पूर्व माध्य. शाला रामसागर भावा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	10.71 लाख
	वि.ख. बागबाहरा	
1	शासकीय प्राथमिक शाला मोंगरापाली रे में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	7.94 लाख
2	शासकीय प्राथमिक शाला देवरी में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	6.38 लाख
3	शासकीय पूर्व माध्य शाला देवरी में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	5.69 लाख
4	शासकीय प्राथमिक शाला रेवा में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	6.67 लाख
5	शासकीय प्राथमिक शाला कोमा में शौचालय निर्माण कार्य	1.27 लाख
6	शासकीय प्राथमिक शाला डोंगरीपाली में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	6.55 लाख
	वि.ख. पिथौरा	
1	शासकीय प्राथमिक शाला पटपरपाली में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	11.96 लाख
2	शासकीय प्राथमिक शाला नवाडीह (लिलेसर) में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य	11.77 लाख

(टीप :- उपरोक्त कार्यों के निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 06/08/2024)

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारियाँ विभागीय वेबसाईड https://res.cg.gov.in में दिनांक 23/07/2024 से डाउनलोड की जा सकती है।

G-242501293/2 कार्यपालन अभियंता

कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों पर त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदक, सुनाई अपनी समस्या

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कलेक्टर कार्तिकेय गोयल ने कलेक्टोरेट के सृजन सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन में सभी जिला स्तरीय अधिकारी की उपस्थिति में बारी-बारी से जिले के आवेदकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में कल जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदको ने अपनी समस्याओं, मांगो और शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। जनदर्शन में कल विकासखंड लैलूंगा के ग्राम मडियाकछार निवासी ठंडाराम अपने दिव्यांग पुत्र के राशन कार्ड एवं ट्राइसायकल की मांग लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनका पुत्र दिव्यांग हैं एवं दूसरों पर आश्रित रहकर जीवन-यापन कर रहा है। उन्होंने कलेक्टर कार्तिकेया गोयल से अपने पुत्र के लिए ट्रायसायकल एवं राशन कार्ड के लिए निवेदन किया। इसी प्रकार रायगढ़ के बंगलापारा निवासी श्रवण कुमार साहू ने बताया कि उनका पुत्र शारीरिक रूप से अक्षम है, उन्होंने अपने पुत्र के लिए आर्थिक सहायता एवं दिव्यांग पेंशन की मांग की। जिस पर कलेक्टर गोयल ने उक्त दोनों आवेदन के निराकरण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया। रायगढ़ शहरी क्षेत्र की महिला समूहों ने आज मुख्यमंत्री सुपोषण योजना के लंबित भुगतान की मांग को लेकर जनदर्शन में पहुंचे थे, उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुपोषण आहार के तहत दाल, चावल एवं अंडा का वितरण जून, जुलाई एवं अगस्त 2022 किया गया था। जिसका भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। समूहों ने अतिशीघ्र लंबित भुगतान की मांग। इसी प्रकार ग्राम लोईंग निवासी फुलकुमारी महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदान किए जाने हेतु आवेदन लेकर पहुंची थी। कलेक्टर ने उक्त दोनों आवेदनों के निराकरण के लिए महिला बाल विकास को निर्देशित किया। ग्राम देलारी निवासी श्याम लाल सिदार जमीन में अतिक्रमण एवं लगाए पौधों को हुए नुकसान की शिकायत लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा स्वयं के कृषि भूमि में मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजनान्तर्गत पौधे लगाए गए थे। जिसमें कंपनी द्वारा अतिक्रमण कर खंभा गड़ा दिया गया है, जिससे उनके पौधों का नुकसान हुआ है। उन्होंने अतिक्रमण हटाने एवं पौधों की क्षतिपूर्ति की मांग की। कलेक्टर ने तहसीलदार रायगढ़ को जांच कर विधिवत कार्यवाही के निर्देश दिए। रायगढ़ के गांधी नगर गढ़उमरिया निवासी भूषण कुमार अपने पुत्र का आरटीई के तहत स्कूल में प्रवेश की मांग लेकर पहुंचे थे। उन्होंने आरटीई के तहत प्रवेश में हो रही दिक्कत के संबंध में जानकारी दी। जिस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। विकासखंड खरसिया के ग्राम बरगढ़ निवासी घनश्याम जयसवाल मनरेगा की मजदूरी भुगतान की मांग लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि स्वयं एवं उनकी पत्नी द्वारा संयुक्त रूप से मनरेगा के तहत मजदूरी का कार्य किया गया था। जिसका भुगतान आज पर्यन्त नहीं हुआ है।

धतूरा 10 का एक, बेल पत्ती, गेंदा और आंक आसमान पर

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

सावन का पहला दिन शिवालयों में बेहद गहमा-गहमी के बीच बीता, लेकिन फूल बाजार अब पूरे माह गुलज़ार रहेगा क्योंकि भक्तों की मांग, बेलपत्तियों और फूलों में निकल चुकी है। लिहाजा कुछ खास प्रजातियां तेजी के दौर में हैं। इसलिए आगत दिनों में कीमतें और भी बढ़ सकती है।

नियमित चाहिए, तो दस रूपये की ग्यारह बेलपत्तियाँ दी जा सकेंगी अन्यथा दो से तीन रुपए प्रति नग लगेंगे। धतूरा तो अनमोल हो चुका है। बेहद कमजोर उपलब्धता से पांच से दस रूपये जैसी कीमत बोली जाने लगी हैं।

इसलिए दो से तीन रुपए

बेल पत्तियाँ, सावन में अहम मानी जाती है लेकिन प्राकृतिक रूप से तैयार होने वाले बेल के वृक्ष तेजी से बढ़ती आबादी के निशाने पर आ रहे हैं। वृक्षों की घटती संख्या से पत्तियां भी शॉर्टेज की स्थिति में आ रही हैं। यही वजह है कि फूल बाजार, पत्तियों के लिए 2 से 3 रुपए प्रति नग जैसी कीमत बता रहा है। मांग को देखते हुए उपलब्धता वाले क्षेत्र से संपर्क बढ़ाने की कोशिश तो है लेकिन सफलता दूर है।

धतूरा शार्ट

आंक के फूल तो मिल जा रहे हैं 5 से 10 रुपए जैसी कीमत के साथ भरपूर मात्रा में लेकिन धतूरा के फल की जबरदस्त शॉर्टेज है। मांग के अनुरूप महज 20 से 25 प्रतिशत उपलब्धता की वजह से यह 5 से 10 रुपए प्रति नग जैसी उच्च कीमत पर पहुंचा हुआ है। अलबत्ता कनेर के फूल इच्छित मात्रा में मिल जा रहे हैं। खरीदी 5 या 10 रुपए में की जा रही है।

गेंदा गर्म

पश्चिम बंगाल, बेंगलोर और नागपुर। गेंदा के फूलों की आवक इन शहरों से हो रही है लेकिन गाड़ियों का अनियमित परिचालन आपूर्ति की राह में बड़ी बाधा बनी हुई है। जबकि मांग नियमित है लेकिन समय पर आपूर्ति नहीं होने से कीमत 300 रुपए किलो पर जा पहुंची है। तेजी की धारणा इसलिए बन रही है क्योंकि आ रहे फूलों में बड़ी मात्रा खराब निकल रही है एवं गंतव्य तक पहुंचने में समय भी ज्यादा लग रहा है।

सामाजिक विवरणी भराये जाने हेतु प्रभारी व सहप्रभारायों की नियुक्ति

पायनियर संवाददाता ‹ भाटापारा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ कन्नौजिया समाज प्रदेश अध्यक्ष तारकेश्वर प्रसाद स्वर्णकार सचिव भागवत सोनी के निर्देशानुसार शाखा मंडलों मे परिवरिक विवरणी फार्म भरवाये जाने हेतु प्रत्येक शाखाओं के लिये प्रभारी व सहप्रभारी की नियुक्ति कि गई है जो तत्काल प्रभावशील रहेगा विवरणी कार्य पूर्ण हो जाने के पश्चात 20-8-24 तक प्रदेश कार्यालय तक कार्यालय को अविलम्ब भेजना निर्धारित रखा गया है। प्रभारियों मे मुख्य रुप से निवासी भिलाई 3 राजेन्द्र सोनी प्रभारी सह प्रभारी प्रदेशी सोनी मंडल दुर्ग, शंकर लाल सोनी निवासी भाटापारा, बेमेतरा प्रभारी. सह, शेखर सोनी बेमेतरा ,गोपाल सोनी निवासी सिलयारी, प्रभारी सिलयारी, अनिल सोनी खरोरा, निवासी प्रभारी सह सिलियारी, गणेश सोनी निवासी रायपुर, प्रभारी रायपुर चन्द्रिका सोनी निवासी भिलाई 3, सह, रायपुर संजीव कुमार सोनी भिलाई 3 निवासी, प्रभारी कुथरेल भानुप्रताप सोनी निवासी भिलाई 3 स.प्र. कुथरेल, हेमराज सोनी प्रभारी धमतरी भागवत सोनी स.प्र. धमतरी रुखम सोनी प्रभारी सीतापार प्रदेशीराम सोनी प्रभारी गंडाई व सहप्रभारी राजेन्द्र सोनी निवासी भिलाई 3।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्यों को मिल रही है गति

रायगढ़ शहर में 3.14 करोड़ के सड़कों के काम स्वीकृत

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

वित्त मंत्री ओपी चौधरी प्रदेश के वित्त मंत्री व रायगढ़ विधायक की पहल से रायगढ़ शहर में सड़कों के निर्माण के 3.14 करोड़ की स्वीकृति नगरीय प्रशासन विभाग से मिली है। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ के जनप्रतिनिधियों और शहरवासियों की मांग को पत्र लिखकर नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव के समक्ष रखा था, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय प्रदेश के विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए त्वरित निर्णय लेकर कार्य कराए जा रहे है, जिसके फलस्वरूप प्रदेश के नगरीय निकायों को राष्ट्रीय स्तर पर 5 पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वित्त मंत्री ओ.पी चौधरी की पहल पर रायगढ़ शहर के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है। शहर में इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत और मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने की दिशा में निरंतर कार्य हो रहा है। वित्त मंत्री चौधरी के निर्देश पर शहर में डामरीकृत सड़कों के निर्माण पर फोकस किया है, जिससे शहर के भीतर लोगों को आवागमन के लिए सुंदर और सुगम सड़कें मिलें। इसके साथ ही रायगढ़ में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही शिक्षा और खेल के क्षेत्र में भी अधोसंरचना विकास को तेजी से मूर्त रूप दिया जा रहा है।

जिला मुख्यालय के स्कूल का हाल बेहाल, दोषियों पर कब गिरेगी गाज?

पायनियर संवाददाता ‹ लवन
www.dailypioneer.com

दुनिया के हर माता पिता यहीं चाहते हैं कि उनके बच्चों को विद्यालय में अच्छी शिक्षा, संस्कार, साफ सफाई सहित विभिन्न प्रकार के नैतिक ज्ञान की प्राप्ति हो और शायद इसी उद्देश्य से वह अपने बच्चों को नियमित विद्यालय जाने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि पढ़कर लिखकर दुनिया में नाम रोशन करने के साथ एक आदर्श नागरिक बन सके । लेकिन स्कूल की तस्वीरों को देखने से शायद उनके मन में खयाल आते रहते हैं कि उन्हें सही शिक्षा सही ज्ञान मिल रहा है या मात्र दिखावे मात्र के है। ऐसे ही एक मामले पर रोशनी डालते हैं तो पता चलता है कि जिला मुख्यालय बलौदाबाजार के पंडित लक्ष्मी प्रसाद तिवारी शासकीय कन्या उच्च माध्य विद्यालय में अव्यवस्था का आलम इस तरह पसरा हुआ है जिसकी झलक तस्वीरों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। ज्ञात हो कि इस विद्यालय में कक्षा 6 वी से 12 वी तक विज्ञान, कला एवम् वाणिज्य संकाय में कुल 1100 से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं जिनके लिए संस्था में केवल एक टॉयलेट ओ भी टूटा फूटा है। विद्यालय के खंडहरनुमा मकान में बच्चियां वाशरूम के रूप में उपयोग करने को मजबूर हैं। जहां गंदगी सांप बिच्छू आदि जहरीले जानवरों का खतरा बना रहता है। कभी भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है। जिसके लिए जिम्मेदार कौन होगा ? कक्षा 9 वी ,10 वी के कमरों की फ्लोरिंग एवम दीवारें टूटी हुई है जिसमें सांप बिच्छू रहने का खतरा बना रहता है। अकसर बरसात के दिनो में जहरीले सांप टेबल के नीचे छुपे हुए मिले हैं। कमरों एवम् बरामदो की छतों से पानी टपकता है जिससे पढ़ने वाले बच्चों को कक्षा में बैठने में काफी असुविधा होती है। लेकिन अभी तक इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया है। सम्पूर्ण तथ्यों पर जिला प्रशासन को एक्शन लेते हुए जांच टीम गठित कर दोषी व्यक्ति यो पर ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। अब कलेक्टर एवं डी ईओ कब सुध लेंगे और जिम्मेदार पर गाज कब गिराएंगे?

देश को समृद्ध करने वाला बजट : मिर्जा एजाज़ बेग

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मिर्जा एजाज बेग ने कहा है कि यह बजट देश को समृद्ध करने वाला बजट है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने लोकसभा में 2024-25 का जो बजट मंगलवार 23 जुलाई 2024 को पेश किया है वह सराहनीय है। इस बजट में सभी वर्गों का खूयाल रखा गया है। इसमें गाँवो, गरीबों और किसानों को समृद्ध करने के लिये विशेष प्रावधान है। स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार पर विशेष ध्यान दिया गया है। रोजगार संबद्ध प्रोत्साहन योजनाओं से पांच वर्ष में 4.1 करोड़ युवाओं को जॉब, कौशल विकास या अन्य अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। बजट में शिक्षा-रोजगार से जुड़ी सात बड़ी घोषणाएं की गई हैं। पढ़ाई करने वालों से लेकर नौकरी की तलाश में लगे युवाओं और रोजगार पाने वालों पर खास तौर पर ध्यान दिया गया है। बेग ने कहा कि यह बजट निश्चित रूप से समूचे देश को विकास और समृद्धि के रास्ते पर ले जाने वाला बजट है। इससे हर वर्ग को फायदा होगा।

जाम्बो ने टेथर के साथ सोलाना में ब्लॉकचेन गतिमान तकनीकी को उभरते बाजार में विस्तार किया

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

जाम्बो, जो एक विशालतम वेब3 मोबाइल आधारभूत संरचना, उभरते बाजार में ऑन-चेन, विस्तार करने जा रहा है। उन्होंने घोषणा की के वह इस विस्तार को सोलाना ब्लॉकचेन साथ में साथ टेथर को ब्लॉकचेन-सक्षम प्रस्ताव वित्तीय और शिक्षात्मक प्रौद्योगिकियों को उभरते बाजार में प्रस्तुत करेंगे। इसका मुख्य आकर्षण है जैम्बो फोन, 99 डॉलर का वेब3 स्मार्ट फोन, जो सभी को जोड़ने में शक्तिशाली रहा है। मोबाइल-फर्स्ट तरीके से ऑन-चेन उपयोगकर्ताओं के प्रकारों को शामिल करना। सोलाना ब्लॉकचेन के उच्च थ्रूपुट के साथ संयुक्त क्षमताओं और टेथर का प्रमुख स्थिर कॉइन, यूएसडीटी, वेब3 वित्तीय और शिक्षात्मक उत्पादों की पहुँच को अधिकांश में दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, और लैटिन अमेरिका में लोकतांत्रिक ज़रूरतों को पूरा करेगा। 99 डॉलर की कीमत वाला और 120 से अधिक देशों में बिक चुका जैम्बोफोन जेन ज़ी को ध्यान में रखकर उभरते बाजारों में उपभोक्ताओं के लिए वैश्विक स्तर पर सर्वोत्तम डिजिटल उत्पादों और अवसरों तक पहुंच का पोर्टल बनाने के उद्देश्य से बनाया गया है। उपयोगकर्ता प्रीलोडेड जाम्बो इकोसिस्टम अनुप्रयोगों छ्द्दस्न्द्ब, गेमिंग और वेब3 इंफ्रास्ट्रक्चर एप्लीकेशन की विशेषता का उपयोग करके वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़ सकते हैं। जैम्बोफोन का उद्देश्य, चुनौतीपूर्ण समस्या से उभरते बाजार, को संबोधित करना है।

सावन में मनभावन फिल्म होगी मोर बाई हाई फाई : विजय मिश्रा

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

इस वर्ष की बहुप्रतीक्षित छत्तीसगढ़ी फिल्म मोर बाई हाई फाई 26 जुलाई को रिलीज़ होने जा रही है। फिल्म में विजय मिश्रा 'अमित' एक अहम् किरदार में नज़र आएंगे। मिश्रा कहते हैं- नारियों के बढ़ते कदम को फिल्म में बेहद रोचक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। शिक्षा से समाज में आए बदलाव का प्रभाव नारी समुदाय में परिलक्षित हो रहा है। जिसे स्टोरी में शामिल किया गया है। निर्माता एवं बहुचर्चित अभिनेता प्रकाश अवस्थी ने 'मोर बाई हाई फाई' में नई टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किया है। युवा निर्देशक नितेश लहरी के सशक्त निर्देशन से हरेक दृश्य और पात्र जीवंत हो उठे हैं। फिल्म की प्रमुख महिला किरदारों को जीते हुए अभिनेत्री सृष्टि देवांगन, दीपाली पांडे, प्रमिला रात्रे ने अपने सशक्त अभिनय से छत्तीसगढ़ी महिलाओं को हाई-फाई बनने का जबर्दस्त संदेश संप्रेषित किया है। अभिनय जगत के दीर्घ अनुभवी अनुपम वर्मा, योगेश अग्रवाल एवं क्रांति दीक्षित का अभिनय धांसू है। विजय मिश्रा आगे कहते हैं- मोर बाई हाई फाई का फिल्मांकन विशुद्ध छत्तीसगढ़ी परिवेश में किया गया है। इसके गीतों को बड़ी खूबसूरती से मनमोहक नृत्यों में पिरोया गया है। बीच बीच में हास्य का जोरदार तड़का भी है। यह फिल्म दर्शकों को अंत तक बांधे रखने में कामयाब होगी। उल्लेखनीय है कि 'मोर बाई हाई फाई' के महत्वपूर्ण किरदार विजय मिश्रा 1982 से छत्तीसगढ़ी रंगमंच चंदैनी गोंदा, सोनहा बिहान, कारी, लोरिक चंदा से सम्बद्ध रहे हैं। बतौर लेखक एवं उद्घोषक के रूप में भी उनकी खास पहचान है। 'ले चलहूं अपन दुवारी', 'मया होगे रे', 'हमर पहुना', 'बहुरिया', 'मोहि डारे' जैसी छत्तीसगढ़ी फिल्में कर चुके हैं।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम

आईडीबीआई बैंक ने लाभ में साल दर साल 40% वृद्धि दर्ज की

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए बैंक का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 40% वृद्धि करते हुए 1,719 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग लाभ 2,076 करोड़ रहा। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.18% का शुद्ध ब्याज मार्जिन दर्ज हुआ और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 3,233 करोड़ रही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 3,998 करोड़ थी। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जमा की लागत 4.58% रही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 4.12% थी। सीआरएआर साल-दर-साल 209 बीपीएस की वृद्धि करते हुए 22.42% पर पहुँच गया। एसेट्स पर रिटर्न साल-दर-साल 34 बीपीएस की वृद्धि के साथ 1.83% रहा, तथा ईक्विटी पर रिटर्न साल-दर-साल 123 बीपीएस बढ़ते हुए 19.87% पर पहुँच गया। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध एनपीए 30 जून 2023 को 0.44% से घटकर 0.23% रह गया और सकल एनपीए 30 जून 2023 को 5.05% से कम होकर 3.87% पर आ गया।

न्युवोको विस्टास ने भारत का पहला हाइड्रोफोबिक कांक्रीट-कांक्रीटो यूनो को इनोवेटिव डैम्प लॉक फॉर्मूला के साथ लॉन्च किया

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह, ने काँक्रीटो यूनो हाइड्रोफोबिक कांक्रीट लॉन्च किया, जो कंस्ट्रक्शन मटेरियल इंडस्ट्री में एक बड़ी सफलता है। अपने एडवांस्ड हाइड्रोफोबिक गुणों के साथ इनोवेटिव डैम्प-लॉक फॉर्मूला के साथ, यह खास और अनूठा काँक्रीट कंस्ट्रक्शन स्टैंडर्ड्स को फिर से डिफाइन करता है। कांक्रीटो यूनो हाइड्रोफोबिक कांक्रीट में एडमिक्चर्स के ब्लेंड्स का एक खास और अनूठा मिक्स है और इसमें एक स्पेशल मिक्स डिजाइन है जो कांक्रीट के भीतर गांठों के गठन को रोकता है, जिसके परिणामस्वरूप स्टैंडर्ड-ग्रेड कांक्रीट की तुलना में जल रिसाव की संभावना न्यूनतम हो जाती है। यह वाटरप्रूफकाँक्रीट स्ट्रक्चर्स की ओवरऑल मजबूती और ड्यूरेबिलिटी को बढ़ाता है, जिससे उनका जीवनकाल काफी बढ़ जाता है। इसके अलावा, कांक्रीटो यूनो का डैम्पलॉक फॉर्मूला महंगी वॉटरप्रूफिंग मेम्ब्रेंस और कोटिंग्स की आवश्यकता को कम करके निर्माण परियोजनाओं में लागत को कम करता है। इसके अलावा, यह नमी को रोकता है, जो इमारतों की खूबसूरती की क्वालिटी को बनाए रखता है। यह उत्पाद स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट्स, आर्किटेक्ट्स, ठेकेदारों, इंजीनियरों और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंपनियों (पीएमसी) के लिए आदर्श है। यह न्युवोको के आरएमएक्स प्लांट्स के माध्यम से पूरे भारत में व्यापक रूप से उपलब्ध है। प्रशांत झा, चीफ रेडी-मिक्स कांक्रीट और मॉडर्न बिल्डिंग मटेरियल ऑफिसर, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने कहा कि कांक्रीटो यूनो हाइड्रोफोबिक कांक्रीट बिल्डिंग मटेरियल इंडस्ट्री में एक गेम-चेंजिंग हाइड्रोफोबिक कांक्रीट है। इसका मतलब है कि हमारे ग्राहकों के लिए कम रखरखाव लागत और अधिक मन की शांति क्योंकि कंस्ट्रक्शन में उनका निवेश पानी के होने वाले किसी भी तरह के नुकसान से बेहतर तरीके से सुरक्षित हैं। इसके साथ ही ये स्ट्रक्चर्स की लंबे समय तक बनाए रखने की क्षमता और खूबसूरती को बढ़ाता हैं।

देश नया, खेल नया, खिलाड़ी नये, इस बार होंगी डर की नई कहानियां इन रोमानिया

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

किस्मत साहसी का साथ देती है, लेकिन रोमानिया में, नसीब निडर का साथ देगा। 'टूरिस्ट ट्रैप' की अपनी धारणा को फिर से रचने के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि कलर्स पहली बार रोमानिया में फोबिया फाइटर्स की अपनी टुकड़ी को ले जाकर छुट्टियों की स्क्रिप्ट को पुनः लिखते हुए, भारत के पसंदीदा स्टंट-आधारित शो 'खतरों के खिलाड़ी' का 14वां सीज़न पेश कर रहा है। 'रोमानिया में डर की नई कहानियांज' थीम के साथ, इस शो के प्रतियोगी चाहे जितनी भी साहसी तैयारियां कर लें लेकिन यह डरावनी छुट्टी निश्चित रूप से उन्हें हिलाकर रख देगी। इस संस्करण की सभी नवीनताओं के बीच, शो का एक पहलू नियत बना हुआ है, वह है ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर और अवॉर्ड विजेता टीवी होस्ट, रोहित शेट्टी का मेज़बान के रूप में अपनी भूमिका को दोहराना और अपने व्यापक अनुभव से डेयरडेविल्स को सलाह देना। एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा निर्मित, हुंडई की पेशकश, स्पेशल पार्टनर्स इंडिका ईज़ी हेयर कलर और विक्स, एसोसिएट पार्टनर्स स्मिथ एंड जोन्स पास्ता मसाला और अंबुजा सीमेंट, 'खतरों के खिलाड़ी 14' का प्रीमियर 27 जुलाई को होगा और उसके बाद हर शनिवार-रविवार रात 9:30 बजे प्रसारित होगा, केवल कलर्स पर। शुरुआत में, दर्शकों का भव्य स्वागत किया जाएगा क्योंकि रोहित शेट्टी एक हेलिकॉप्टर में आसमान से उतरते नज़र आएंगे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा प्रदान कर बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस बना रहा है छत्तीसगढ़ के किसानों को सशक्त

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारत की प्रमुख प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनी, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस, छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ 2024 सीज़न के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के तहत फसलों के लिए बीमा की सुविधा प्रदान कर रही है। इस योजना के अंतर्गत बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी सहित कई जिलों में कवरेज प्रदान की जा रही है। इसके तहत धान (सिंचाई और गैर-सिंचाई वाला), मक्का, काला चना, अरहर दाल, हरी मूंग दाल, मूंगफली, सोयाबीन, कोडो, कुटकी और रागी जैसी विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए व्यापक बीमा प्रदान की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना, उनके नुकसानों को कम करना और कृषि क्षेत्र में नई पद्धतियों को बढ़ावा देना है। पीएमएफबीवाई स्कीम के माध्यम से, बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस का लक्ष्य, किसी भी अप्रत्याशित प्राकृतिक घटना के कारण फसल को होने वाले नुकसान के लिए किसानों को आर्थिक सहायता और कवरेज प्रदान करना है। योजना के लाभों में तूफान, बाढ़, सूखा और कीट हमले जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण उपज को होने वाले नुकसान के लिए क्षतिपूर्ति देना शामिल है। अगर खराब मौसम के कारण बुआई नहीं हो पाती है, तो पॉलिसी इसके लिए बीमा राशि के 25% तक कवरेज प्रदान करती है।

मेटा एआई अब हिंदी और अन्य भाषाओं में उपलब्ध, अब अधिक रचनात्मक और स्मार्ट

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

मेटा एआई अब हिंदी सहित सात नई भाषाओं और ज्यादा देशों में उपलब्ध है, जिसमें पहली बार लैटिन अमेरिका भी शामिल है। हम नए मेटा एआई क्रिएटिव टूल पेश कर रहे हैं, जिससे अपनी कल्पना को आसानी से छवियों में बदल सकते हैं। अब आपके कठिन गणित और कोडिंग सवालों का हल ढूँढने और जटिल प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए मेटा एआई के सबसे बड़े और सक्षम ओपन-सोर्स मॉडल का इस्तेमाल कर सकते हैं। हम अपने ऐप्स और डिवाइस में मेटा एआई असिस्टेंट की पहुँच बढ़ा रहे हैं और नई सुविधाएं जोड़ रहे हैं ताकि आपको उत्तर देने, विचार करने और प्रेरणा मिल सके। मेटा एआई अब 22 देशों में उपलब्ध है, जिसमें अर्जेंटीना, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर, मैक्सिको, पेरू और कैमरून शामिल हैं। यह सुविधा अब हिंदी, रोमन हिंदी, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, पुर्तगाली, और स्पेनिश में उपलब्ध है और जल्द ही और भी भाषाएँ जोड़ी जाएंगी। WhatsApp, Instagram, Messenger, Facebook meta.ai पर मेटा एआई की मदद से लोग कम समय में ज्यादा काम कर पा रहे हैं, रचनात्मक विचारों को साकार कर रहे हैं और अपने ज्ञान का विस्तार कर रहे हैं। मेटा एआई आपके हर काम में मदद करता है। सवालों के जवाब देने से लेकर प्रेरणा और मार्गदर्शन देने तक, जिससे आपकी दिनचर्या बेहतर बनती है और आपको एक भरोसेमंद रचनात्मक साथी मिलता है।

एलेक्रामा इलेक्ट्रिकल रोडशो रायपुर में संपन्न

भारतीय इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का 16 वां संस्करण रहा

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का प्रमुख प्रदर्शनी एलेक्रामा, अपने 16 वें संस्करण के साथ रायपुर में एक प्रारंभिक रोडशो के साथ आरंभ हुआ। यह रोडशो मुख्य प्रदर्शनी के लिए आगामी कार्यक्रमों की शुरुआत को दर्शाता है, जिसमें इलेक्ट्रिकल सेक्टर में नवीनतम प्रगति और नवीनीकरण को उजागर किया जाएगा। रायपुर रोडशो में छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड, और छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के सम्मानित वक्ताओं ने भाग लिया, तथा उनहोंने विद्युत बुनियादी ढांचे में राज्य की प्रगति और इसकी भविष्य की पहलों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए राजेश कुमार शुक्ला, मैनेजिंग डायरेक्टर, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड ने कहा- छत्तीसगढ़ हमारे विद्युत बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य ने 2021 में 23.04 प्रतिशत से 2024 में 14.06 प्रतिशत तक एटी एंड सी घाटे को कम किया है। उन्होंने बताया कि एलेक्रामा हमारी प्रगति को देखने और उद्योग के लीडर्स के साथ मिलकर भविष्य की ऊर्जा को आकार देने में एक अद्वितीय मंच प्रदान करता है। हेमंत वर्मा, चेयरमैन, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग ने सीपीआरआई-बैंगलोर के सहयोग से आने वाली टेस्टिंग सुविधा के बारे में भी बताया, जो छत्तीसगढ़ में काम करने वाली कंपनियों के लिए बहुत फायदेमंद होगी। इस कार्यक्रम में नेटवर्किंग के अवसर भी शामिल थे, जिसके द्वारा उद्योग पेशेवरों, सरकारी अधिकारियों, और अन्य हिस्सेदारों को अपने विचारों का आदान-प्रदान करने और साझेदारी तलाशने का मौका मिलता है ।

5 महीने के बच्चे में विस्कॉट एल्ड्रिच सिंड्रोम का निदान किया गया, जो 10 लाख लड़कों में से 1 को प्रभावित करता है

बोन मैरो ट्रांसप्लांट से थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और अन्य रक्त विकार तथा प्राथमिक प्रतिरक्षा कमियों जैसे रक्त विकारों का इलाज किया जा सकता है

पायनियर संवाददाता ‹ रायपुर
www.dailypioneer.com

5 महीने के बच्चे कियांश की दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी विस्कॉट एल्ड्रिच सिंड्रोम का इलाज किया गया। यह सिंड्रोम बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली के समुचित कामकाज को प्रभावित करता है और प्लेटलेट्स के उत्पादन को बाधित करता है। इससे रोगियों में रक्तस्राव होने की अधिक संभावना होती है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफहेल्थ के अनुसार, हर 10 लाख लड़कों में से केवल 1 से 10 लड़कों में ही विस्कॉट-एल्ड्रिच सिंड्रोम होता है।जबलपुर में दुर्लभ आनुवंशिक रोग से पीड़ित बच्चे का बोन मैरो ट्रांसप्लांट से किया गया इलाज। वही दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट और सेलुलर थेरेपी विभाग के निदेशक डॉ. गौरव खार्या ने इलाज की पुष्टि करने के लिए आनुवंशिक परीक्षण किए और कियांश के लिए तत्काल स्टेम सेल ट्रांसप्लांट की सिफारिश की। डॉ. खार्या बताते हैं, स्टेम सेल बोन मैरो में पाई जाने वाली बहुमुखी कोशिकाएँ हैं। उनमें विभिन्न विशिष्ट कोशिकाओं में विभेदित होने की उल्लेखनीय क्षमता होती है। वास्तव में, बोन मैरो ट्रांसप्लांट थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और प्राथमिक प्रतिरक्षा कमियों जैसे कई रक्त विकारों को ठीक कर सकता है।

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला-महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जानकी सिदार पिता बोधराम सिदार निवासी ग्राम कुटेला तहसीलदार सरायपाली जिला महासमुन्द द्वारा उसके स्वयं के माता रामबाई का जन्म/मृत्यु दिनांक 20/02/2010 को ग्राम चकरदा में हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथी में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 26/07/2024 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 09/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
सरायपाली

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला-महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामसिंह पिता एवन निवासी ग्राम साजापाली तहसीलदार सरायपाली जिला महासमुन्द द्वारा उसके स्वयं के माता पूनीमती का जन्म/मृत्यु दिनांक 15/10/2009 को ग्राम बहेरापाली में हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथी में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 26/07/2024 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 09/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
सरायपाली

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला-महासमुंद (छ.ग.)

// ईश्तहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पूरन कुमार मेहेर पिता भुवनेश्वर मेहेर निवासी ग्राम साजापाली तहसीलदार सरायपाली जिला महासमुन्द द्वारा उसके स्वयं के दादा जगबन्धू का जन्म/मृत्यु दिनांक 16/02/2024 को ग्राम सरायपाली में हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथी में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 31/07/2024 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 16/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
सरायपाली

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

// ई-प्रोक्ययोरमेंट निविदा सूचना //

क्रं./802/लो.क.वि./न.पा./2024 कुम्हारी, दिनांक 23/07/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु. ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
156551	स्वच्छता विभाग हेतु कुशल एवं अकुशल 81 श्रमिकों की आपूर्ति बाबत्।	123.78	14.08.2024

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, कुम्हारी

18 मामलों में आरोपी अजय जैन निकला चोरी का मास्टरमाईंड, पुलिस की गिरफ्त में

डोंगरगढ़ में घर से तकरीबन 10 लाख की सेंधमारी के मामले में पुलिस की कार्रवाई

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

7 जुलाई को डोंगरगढ़ में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वन विभाग के अफसर के सूने घर से तकरीबन 9 लाख 50 हजार की सेंधमारी की इस वारदात के प्रकरण में तीन लोग को गिरफ्तार किया गया है। डोंगरगढ़ पुलिस और सायबर सेल जांच में 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज छानने के बाद आरोपियों तक पहुंची। थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक जितेन्द्र वर्मा सायबर सेल प्रभारी विनय पम्मार ने बताया कि डोंगरगढ़ के आदर्श नगर निवासी प्रार्थी शिवेंद्र भगत के सूने घर में 3 से 5 जुलाई के दरम्यान चोरी की घटना हुई थी। इस दौरान वह परिवार के साथ बाहर थे। घर से सोने-चांदी के जेवरात और लाखों की नगद रकम पार कर दी गई थी। 7 जुलाई को इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामले में संदेहियों की तलाश शुरू की। जांच में सायबर सेल की भी मदद ली गई। सीसीटीवी और दूसरी तकनीकी जांच के दौरान राजनांदगांव के बसंतपुर निवासी आरोपी अजय जैन की गतिविधियां और फुटेज में उसके संदिग्ध दिखने पर उसे हिरासत में लिया गया। आरोपी अजय जैन आदतन चोर है जिसके खिलाफ राजनांदगांव जिला में ही 18 प्रकरण चोरी के दर्ज है। अजय ने घटना कारित किए जाने की बात कबूल ली। उसने पुलिस को अपने साथी रायपुर निवासी आरोपी जितेन्द्र कुमार विश्वकर्मा की भी जानकारी दी। इस वारदात में दो अन्य आरोपी सुरेंद्र राव व राजेश भी शामिल हैं फिलहाल ये दोनों पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। आरोपी अजय ने बताया कि उसकी पहचान जितेंद्र और सुरेंद्र से सेंट्रल जेल दुर्ग में तब हुई थी जब तीनों अलग-अलग प्रकरणों में जेल में थे। जेल से बाहर आते ही दोनों ने चोरी की योजना बनाई। 5 जुलाई की रात को उन्होंने किराए की कार लेकर डोंगरगढ़ पहुंचकर चोरी की और फरार हो गए। सभी ने आपस में चोरी का माल बांट लिया। पुलिस ने आरोपी जितेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा बैंक खाते में जमा अपने हिस्से की रकम 1लाख 20 हजार को जब्त कर फ्रिज कराया है। आरोपियों से सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम 35 हजार रुपए बरामद की गई है। दोनों आरोपी को गिर0 किया गया है। वहीं इस मामले में अजय कुमार जैन की पत्नी दिव्या जैन द्वारा चोरी की सम्पत्ति को छिपाने के मामले में धारा- 317(5) बीएनएस के तहत गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। फरार दो आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शहर की समस्याओं के निराकरण के लिए भाजपा पार्षद दल द्वारा निगम आयुक्त से चर्चा

- चर्चा उपरांत आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया, शीघ्र समुचित व्यवस्था बनाने का आश्वासन

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश पटेल के निर्देश पर जिला भाजपा के महामंत्री नगर निगम भाजपा पार्षद दल के प्रभारी राजेंद्र गोलछा के नेतृत्व में नगर निगम के भाजपा पार्षद दल ने शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार को आयुक्त अभिषेक गुप्ता से मुलाकात कर चर्चा की। जिला भाजपा महामंत्री राजेंद्र गोलछा एवं नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु के साथ मौजूद सभी भाजपा पार्षदों ने शहर की जर्जर सड़क ठीक करने, पेयजल की आपूर्ति में आ रही समस्याओं को दूर करने और शेष नल कनेक्शन शीघ्र पूरे किए जाने को लेकर समुचित व्यवस्था बनाने की मांग की। आयुक्त ने बैठक में उपायों पर की गई चर्चा उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए शीघ्र ही समस्याओं के निराकरण के लिए आश्वस्त किया है। नेता प्रतिपक्ष किशनु यदु ने बताया कि, शहर के मुख्य मार्ग में गड्ढों पर बारिश में पानी भर रहा है। इससे दुर्घटनाएं होने की आशंका है। कुछ स्थानों पर तो पूरी सड़क ही जर्जर है। इन्हें तात्कालिक रुप से आवागमन योग्य बनाए जाने हेतु पैच वर्क या गड्ढों को भरे जाने की महती आवश्यकता है। भाजपा पार्षद दल ने इस संदर्भ में अपनी बातें आयुक्त के सामने रखीं। बैठक में इस पर चर्चा में यह निष्कर्ष आया कि मौसम साफ होने पर गड्ढों को कांक्रीट के माध्यम से भरा जाए। इसके साथ ही जिन स्थानों पर पैच वर्क के टेंडर किए गए हैं वहां यह कार्य शुरु किया जाए। वैकल्पिक व्यवस्था हेतु बारिश बंद होने पर कांक्रीट मिक्स का उपयोग किया जाए। इस संदर्भ में आयुक्त द्वारा ईई को निर्देशित किया गया। लगातार बारिश के चलते मोहारा में शिवनाथ नदी के उफान पर आने से कचरा फिल्टर प्लांट के इंटकवेल में फंस रहा है। इसके चलते शहर में पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही है। भाजपा पार्षद दल ने इस विषय पर भी चिंता जाहिर की। मांग की गई कि यहां गोताखोर की मदद से लगातार इंटकवेल की सफाई करवाई जाए। इसके अतिरिक्त शहर में नल कनेक्शन से छूटे घरों में कनेक्शन शीघ्र प्रदान किए जाने की मांग भी पार्षद दल ने रखी। इन विषयों पर आयुक्त द्वारा तात्कालिक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है। उक्त बैठक में जिला भाजपा महामंत्री राजेंद्र गोलछा, नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश बघेल, पार्षद शिव वर्मा, विजय राय, गप्पू सोनकर, गगन आइच, मधु बैद,अरुण देवांगन, कमलेश बंधे, पार्षद प्रतिनिधि मोंटू यादव, आशीष डोंगरे, अरुण दामले, जीवन चतुर्वेदी, राजेश यादव, अरुण साहू, सेवक उइके उपस्थित रहे ।

दूधमुंहे से मां का आंचल छीना, हत्यारे पति को आजीवन करावास की सजा

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

पत्नी की हत्या के आरोपी पति को अपर सत्र न्यायाधीश अनिष दुबे द्वारा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। प्रकरण वर्ष 2023 का है। आरोपी ने मध्यरात्रि पत्नी का गला दबाकर हत्या करने के बाद उसे आत्महत्या बताने का प्रयास किया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर जब उससे पूछताछ की तो उसने गुनाह कबूल कर लिया था। इस मामले में कोर्ट में 12 गवाहों ने साक्ष्य दिए। अपर लोक अभियोजक अशोक लिल्हारे न इस मामले शासन की ओर से पैरवी की। उन्होंने घटना का ब्यौरा देते हुए बताया कि, ग्राम बिजनापुर निवासी आरोपी संदीप वर्मा (30) ने 11 मार्च 2023 को अपनी पत्नी मीना बाई की हत्या की थी। रात्रि तकरीबन 12.30 से 1.00 बजे के मध्य जब घर के सभी सदस्य जस गीत कार्यक्रम में गए हुए थे तब उसने ये घटना कारित की। परिजनों के वापस लौटने पर मृतिका की जेठानी ने उसे किचन में मृत देखा था जहां आरोपी पहले से मौजूद था। आरोपी ने शव को नीचे उतारकर फंदे की रस्सी छिपा दी। दूसरे दिन सुबह उसने पुलिस को अपनी पत्नी की आत्महत्या की जानकारी दी। उसने बताया कि, मृतिका ने गमछे से फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस थाना मोहारा द्वारा उक्त घटना में कायमी कर कार्यपालिक दण्डाधिकारी से जाँच कराकर शॉर्ट पीएम रिपोर्ट प्राप्त होने पर डॉक्टर द्वारा रिपोर्ट में होमोसाईड मृतिका का मृत्यु होना पाया, सांस रूकने का कारण गला घोटना बताया।शुरुआती जांच में ही पुलिस ने मामले में आरोपी पति को संदेही पाया। साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने तत्काल उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में अपना गुनाह कबूल कर लिया। संपूर्ण विवेचना उपरांत अभियोग पत्र को चालान तैयार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्ग-1 डोंगरगढ़ के न्यायालय में पुलिस चौकी मोहारा द्वारा पेश किया गया। प्रकरण उपरांत अपर सत्र न्यायाधीश अनिष दुबे द्वारा अभियोजन के 12 गवाहों के साक्ष्य उपरांत दिनांक 23 जुलाई 2024 को धारा 302 में आजीवन कारावास तथा 1000/- रूपये जुमार्ना अर्थदण्ड, साक्ष्य छुपाने के लिए धारा 201 में 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 500/- रूपये अर्थदण्ड से दंडित किया गया। दोनों दण्ड के साथ-साथ रहेगा।

जिले में अब तक औसत 526.5 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2024 से अब तक औसत 526.5 मिमी बारिश रिकार्ड की गई है। जिले के सभी 7 तहसीलों में पिछले 24 घण्टों में औसत 51.6 मिमी बारिश हुई। सर्वाधिक वर्षा लाल बहादुर नगर तहसील में 83.5 मिमी दर्ज की गई। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार पिछले 24 घण्टों में डोंगरगढ़ तहसील में 41.3 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 83.5 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 62.2 मिमी, घुमका तहसील में 59 मिमी, छुरिया तहसील में 28.9 मिमी, कुमरदा तहसील में 30.4 मिमी एवं डोंगरगांव तहसील में 55.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

अवैध शराब विक्रेता के घर ग्रामीणों का धावा

- पुलिस बुलाकर पर गड्ढे में छिपाकर रखे शराब जब्त

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर से 3 किमी दूर स्थित ग्राम आरी में ग्रामीणों ने सोमवार को अवैध शराब विक्रेता के घर मे धावा बोल दिया। सैकड़ो ग्रामीण एक साथ अवैध शराब विक्रेता के घर घुसकर नारेबाजी करने लगे। इस वाकये से अवैध शराब विक्रेता के परिजन सहम गये। ग्रामीणों ने मौके पर पुलिस बुलाकर घर मे ही गड्ढे में छिपाकर रखे लगभग 42 नग अवैध शराब को जब्त कराया। ग्रामीणों ने मीडिया को बताया कि आरी में कुछ माह से अवैध शराब की बाढ़ आ गई थी। इस वजह से गांव में अनेक बार वादविवाद की स्थिति बन रही थी। गांव के युवा व बुजुर्ग शराब के गिरफ्त में थे। इस विषय को लेकर गांव में अनेक बार बैठक भी हुई। पुलिस में सूचना दी गई। अवैध शराब विक्रेता पर ठोस कार्रवाई के अभाव में उनके हौसले बुलंद थे। इस बार गांव में विशेष बैठक कर ठोस कार्रवाई का निर्णय लेकर सीधे अवैध शराब विक्रेता के घर धावा बोलते हुए पुलिस से शराब जब्त कराया है। वहीं इनके अतिक्रमण को भी ध्वस्त किया गया है। ग्रामीणों की शिकायत पर डोंगरगांव पुलिस टीम गठित कर गाँव मे मौके पर पहुंची थी। टीआई उपेन्द्र शाह ने बताया कि आरी निवासी बिसेलाल नेताम के घर प्लास्टिक डिब्बे में भरकर गड्ढे में छिपाकर रखे 45 नग देशी अवैध शराब, प्रत्येक में 180 एमएल, 8100 बल्क लीटर जुमला कीमती 4,210 को गवाहन के समक्ष जब्त किया गया। इस मामले में गवाहन के समक्ष परिजनों को सूचित करके माधुरी 19 वर्ष के खिलाफ 34 ब के तहत कार्रवाई कर रिमांड में पेश किया गया है।

आवास उपलब्ध कराने तैयार की गई रणनीतियों एवं कार्य-योजनाओं पर चर्चा

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत राज्य शासन द्वारा हितग्राहियों के आवास स्वीकृति हेतु आगामी वृहद मात्रा में लक्ष्य प्राप्त होने के संबंध में जिले में पूर्व तैयारी के लिए अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने राजनांदगांव जिले के सभी विकासखण्डों में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के स्थाई प्रतीक्षा सूची के 14909 पात्र हितग्राहियों एवं आवास प्लस के 29093 पात्र हितग्राही इस प्रकार कुल 44002 पात्र हितग्राहियों के स्वीकृति की अनुशंसा पर आवश्यक रणनीति और कार्य योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, तहसीलदार एवं पटवारियों को भूमिहीन पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकित कर आबादी भूमि उपलब्ध कराने एवं ऐसे ग्राम पंचायत जहां आबादी भूमि नहीं है।

किसानों के नाम पर फर्जी लोन के मामले में जांच अटकी, जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

- किसानों ने फिर सौंपा ज्ञापन, कहा आरोपियों को कार्रवाई से बचाया जा रहा

पायनियर संवाददाता ◂ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

छुरिया जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से संबंद्ध खोबा सहकारी सोसाइटी में किसानों के नाम पर फर्जी तरीके से लोन निकाले जाने की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दूसरी ओर जिन पर फजीवाड़े का आरोप है वे अब लोन जमाकर किसानों को जबर पर्चियां थमा रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि, संबंधितों को कार्रवाई से बचने का मौका दिया जा रहा है। खोभा सोसाइटी के अंतर्गत आने वाले सैंकड़ों किसानों के नाम से उनकी बगैर जानकारी के फर्जी ढंग से केसीसी लोन निकाल लिया गया है। इसमें समिति प्रबंधक और बैंक प्रबंधक की भूमिका को लेकर शिकायत हुई थी। इस मामले का खुलासा किसान जब खरीफ सीजन का लोन लेने पहुंचे तब उनके नाम से कर्ज होने की बात बताई गई, तब हुआ। बताया जा रहा है कि सैंकड़ों किसानों के नाम करीब एक से दो करोड़ रुपए बतौर लोन निकाला गया। मामले की शिकायत बाद जिला सहकारी बैंक द्वारा छुरिया के बैंक प्रबंधक व सहायक का स्थानांतरण कर दिया गया है। शिकायत करने आए किसानों ने बताया कि जिस तरह से फर्जी तरीके से किसानों की बगैर अनुमति और जानकारी के केसीसी लोन लिया गया है, अब उसे पटाया भी जा रहा है। किसानों के नाम लोन को फर्जी हस्ताक्षर कर पटाने के बाद किसानों को रसीद दिया जा रहा है। कुछ किसान रसीद लेकर भी पहुंचे थे। यदि किसानों के नाम लिए ऋण को पटाया जा रहा है, तो किसानों ने जो शिकायत की थी, वह स्वमेव सत्य हो गई है। यदि कर्ज माफी होती, तो ये राशि हड़प ली जाती। किसानों ने दोषी प्रबंधक के खिलाफ बर्खास्तगी और पुलिस में प्रकरण दर्ज करने की मांग रखी है। कड़ी कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

सेवानिवृत्त मच्छेन्द्र महाले का आकस्मिक निधन

राजनांदगांव। जिला जनसंपर्क कार्यालय राजनांदगांव से सेवा निवृत्त हो चुके मच्छेन्द्र महाले का कल 23 जुलाई 2024 की रात्रि को आकस्मिक निधन हो गया। स्वर्गीय श्री महाले 63 वर्ष के थे। स्वर्गीय महाले राजकन्या महाले के पति और पुत्री चैताली एवं पुत्र गिरीश महाले के पिता थे। स्वर्गीय महाले विगत वर्ष 31 जुलाई 2023 को जिला जनसंपर्क कार्यालय राजनांदगांव से सहायक ग्रेड-3 के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके आकस्मिक निधन पर जिला जनसंपर्क कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए दिव्यंगत की आत्मा की चिरशांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

गठबंधन सरकार को बचाने की कवायद के आरोप

केंद्र के बजट में छत्तीसगढ़ का परिवेश दरकिनार, छग में 10 सांसद व राज्य में सरकार भी कमतर

पायनियर संवाददाता ◂ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

केंद्र सरकार के बजट 2024 पर प्रतिक्रिया आई है। नगर व क्षेत्र के प्रमुख नेताओं व जनप्रतिनिधियों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने बजट में छत्तीसगढ़ से भेदभाव करार दिया है। भाजपा ने हालिया बजट से देश के उद्धार होने का दावा किया है। कांग्रेस ने युवाओं, बेरोजगारों व कामगारों सहित रेलवे को लेकर उदासीनता तथा ग्रामीण अधोसंरचना को नजरअंदाज करने का आरोप मोदी सरकार पर लगाया है।

विकास को रफ्तार देने बूस्टर बजट : गांधी

पूर्व जिपंअध्यक्ष दिनेश गाँधी ने कहा कि मोदी सरकार का देश के युवाओं, महिलाओं, किसानों और मध्यम वर्ग को सुनहरे भविष्य की ओर ले जाने वाला संवेदनशील बजट है। युवाओं को 5 साल में 4 करोड़ रोजगार मुहैया कराने 2 लाख करोड़ का प्रावधान, महिलाओं के लिए 3 लाख करोड़ का प्रावधान, 11 लाख करोड़ से आधारभूत संरचनाओं का निर्माण एवम लगभग 3 लाख करोड़ रुपये गांवों के लिए प्रावधान से भारत की तस्वीर बदल देगी।

सर्वहारा वर्ग के लिए लाभकारी : डॉ. नीरेंद्र

भाजपा ओबीसी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ नीरेंद्र साहू ने कहा कि यह बजट अंत्योदय के विकास के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगा। बजट में निम्न व मध्यमवर्गीय परिवार, किसान, कर्मचारी, करदाता, व्यापारी, सैनिक, उद्यमी के लिए राहत है। प्रधानमंत्री आवास योजना के फंडिंग प्रशंसनीय है। गांव, गरीब व किसान वर्ग के जीवन मे सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।

डबल इंजन सरकार का खामियाजा : सुयश

जपंउपाध्यक्ष सुयश नाहटा ने कहा कि ये बजट छग के लिए निराशाजनक है। ये सिर्फ सिर्फ़ बिहार और आँध्रप्रदेश को केंद्र बिंदु में रखकर बनाया गया है । छत्तीसगढ़ के एक्सप्रेस वे को रद्द करके बिहार को चार एक्सप्रेस वे दिया गया है। डबल इंजन सरकार का ख़ामियाज़ा छत्तीसगढ़ को भुगतना पड़ रहा है। 10 सांसद और राज्य सरकार बनाकर भी छग से भेदभाव किया जा रहा है। सिर्फ़ सरकार बचाने के हिसाब से बजट है।

छग के लिए फे लवर साबित : टिकेश

जपंअध्यक्ष टिकेश साहू ने कहा कि केंद्र सरकार ने बजट में छग से भेदभाव किया है। ग्रामीण परिवेश को तवज्जो नही है। खाद व बीज को लेकर कुछ विशेष नही है। यानी कृषि प्रधान देश मे किसान नजरअंदाज किये गए। ग्रामीण परिवेश के उत्थान के लिए मोदी सरकार ने कुछ नही किया। रोजमर्रा की वस्तुओं पर महँगाई की मार बरकरार है। युवा बेरोजगारों के लिए मोदी सरकार फे लवर है। सिर्फ सरकार बचाने का प्रयास है।

मोदी सरकार का बजट दूरदर्शी : गुप्ता

पूर्व नपंअध्यक्ष लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने कहा कि मोदी सरकार का बजट दूरदर्शी है। बजट के प्रावधानों से देश आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर होगा। शिक्षा व चिकित्सा के क्षेत्र में क्षेत्रीय संतुलन व संयोजन दिखेगा। कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा। युवाओं व कामगारों की मेहनत व हुनर को पहचान मिलेगी। छोटे नगर व कस्बों में अधोसंरचना विकसित होंगे। कृषि व रक्षा पर फोकस संतुलित बजट है।

नगरीय अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज : हीरा

नपंअध्यक्ष हीरा निषाद ने कहा कि बजट ज़मीनी हक़ीक़त से दूर है। आंकड़े में फे रबदल कर सिर्फ़ गठबंधन को साधने का बजट प्रतीत होता है। देश के बेरोज़गारों के लिए कुछ भी नहीं है। नगरीय अर्थव्यवस्था के उत्थान के लिए कोई विशेष प्रावधान इस बजट में नहीं है। छत्तीसगढ़ के 10 सांसद होते हुए भी बजट में राज्य के लिए कुछ भी नहीं है। मध्यम निम्नवर्ग को महंगाई से राहत नही है।

सरकार बचाने का प्रयास : लोढ़ा

नपंउपाध्यक्ष ललित लोढ़ा ने कहा कि बजट में सरकार बचाने का प्रयास नजर आ रहा है। शिक्षित बेरोजगारों को लेकर गंभीरता नही है। महंगाई पर कोई नियंत्रण नही है। जीएसटी के आड़ में सिर्फ निम्न मध्यम वर्ग के जेब पर डाका डालने की नीयत है। नगरीय अधोसंरचना को लेकर मोदी सरकार की समझ निंदनीय है। देश सिर्फ आर्थिक तंगी की ओर अग्रसर होगा।

देश में महिला सशक्तिकरण : जागृति

जिपंसदस्य जागृति चुन्नी यदु ने कहा कि मोदी सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता है। बजट में महिलाओं को पर्याप्त प्राथमिकता दी गई। किसानों की आय दुगुना करने कदम उठाए गये हैं। युवाओं के कौशल उन्नयन पर फोकस है। महंगाई में नियंत्रण का प्रयास है। सर्वहारावर्ग के दैनिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।गृहणियों की चिंता की गई है।

इनकम टैक्स स्लैब में बदलाव : गुलशन

पुर्व नपंउपाध्यक्ष गुलशन हिरवानी ने कहा कि निजी इनकम टैक्स के स्लैब में बदलाव हुआ है। इनकम टैक्स कलेक्शन में भी इजाफे हुए हैं। वेतनजीवी मध्यम वर्गीय परिवार की ईमानदारी को सरकार ने पुरस्कृत किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्नत बुनियादी ढांचे, नवाचार व भावी पीढ़ी के सुधारों के साथ समृद्ध भविष्य की ओर अग्रसर होने कदम बढ़ाया है। इस बजट में समाज के हर वर्ग के विकास की गारंटी है।

बारिश के दौरान जन-जीवन सामान्य बनाए रखने के लिए जरूरी उपाय सुनिश्चित करें : कलेक्टर

जिले में लगातार हो रहे बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों को बारिश के दौरान जल भराव की स्थिति उत्पन्न होने पर जिले में जन-जीवन प्रभावित न हो सके इसके लिए जन-जीवन सामान्य बनाए रखने हेतु जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में समूचे प्रदेश के साथ-साथ बालोद जिले में भी विगत कुछ दिनों से हो रही लगातार घनघोर बारिश से उत्पन्न स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश एवं अतिवृष्टि के कारण आम जनता को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके लिए समय रहते जरूरी उपाय सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

जलभराव के कारण उत्पन्न स्तिथि की समीक्षा की-बैठक में इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों से जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रहे बारिश के कारण उत्पन्न समस्याओं के निराकरण हेतु अपने-अपने अनुविभागों में की गई कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने लगातार बारिश के कारण खेतों एवं नदी-नालों में जल भराव के कारण उत्पन्न स्थिति की भी समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीणों एवं शहरी क्षेत्रों के रहवासी ईलाकों तथा घरों एवं अन्य आवश्यक स्थानों में पानी भर जाने पर उसके निकासी की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने जिला मुख्यालय बालोद सहित जिले के सभी नगरी-निकायों में जल भराव की स्थिति एवं उसके निकासी हेतु किए जा रहे उपायों की भी जानकारी ली। कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने सभी राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को पाइपलाईन आदि लिकेज होने पर तत्काल उसे ठीक करने को कहा।

समुचित मात्रा में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने के निर्देश-बैठक में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से वर्षा ऋतु के दौरान होने वाले जल-जनित बीमारियों की रोकथाम हेतु किए जा रहे उपायों की भी जानकारी ली। इसके लिए उन्होंने जिले के सभी अस्पतालों में पूरे समय डॉक्टरों की उपस्थिति एवं दवाइयां आदि की भी उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करने तथा आम जनता को बीमारियों से बचाव की उपायों की भी जानकारी देने को कहा। उन्होंने राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों सहित संबंधित विभाग के अधिकारियों से जिले में घुमन्तु मवेशियों के सड़क में विचरण की समस्या से निजात दिलाने हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य को विशेष प्राथमिकता के साथ पूरा करने के भी निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने मौजूदा खरीफ सीजन में जिले में धान बोनी एवं रोपाई की स्थिति की भी समीक्षा की। इंद्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने वर्षा ऋतु के दौरान जिले में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की समीक्षा करते हुए कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से इसके लिए किए गए उपायों के संबंध में भी जानकारी ली।

बज़ट में छत्तीसगढ़ की जनता के लिए कुछ नहीं : भूपेन्द्र चन्द्राकर

- ये सरकार बचाने वाला बजट, जेडीयू और टीडीपी जैसे सहयोगी दलों को खुश करने वाला बजट है

पायनियर संवाददाता ➤ महासमुंद
www.dailypioneer.com

आम आदमी पार्टी महासमुन्द के जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र चन्द्राकर ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र और प्रदेश की बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। भूपेन्द्र चन्द्राकर ने कहा, ये सिर्फ़ लोक लुभावन बजट है। इस बजट में गठबंधन की मजबूरियाँ साफ झलक रही है। इस बजट में अपने मुख्य सहयोगी दल जेडीयू और टीडीपी जैसे दलों को खुश करने का प्रयास साफ़ दिख रहा है। न तो

किसानों को कोई राहत दी गई है और न ही नौजवानों को। इस सरकार से आम आदमी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। भूपेन्द्र चन्द्राकर ने कहा, छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव की बात हो या विधानसभा की दोनों ही चुनावों में प्रदेश की जनता ने बीजेपी को बहुमत दिया लेकिन इस बजट से छत्तीसगढ़ को कुछ नहीं मिला। छत्तीसगढ़ की जनता को बीजेपी ने ठगने का काम किया है। छत्तीसगढ़ की बड़ी आबादी कृषक की है, इनमें से ज्यादा आबादी, मनरेगा और कृषि क्षेत्र की नीतियों से प्रभावित है, हैरान करने वाली बात है, केंद्र सरकार के बजट में खेती के लिए कुछ नहीं है। मनरेगा जैसी योजना भी दरकिनार कर दी गई है रोजगार के नाम पर युवाओं को टॉप 500 कंपनी में स्किल डेवलपमेंट का झुनझुना बस पकड़ाया है, उन्हें रोजगार कौन देगा इस पर कोई बात नहीं की गई है, रोजगार के नाम पर सिर्फ़ मनोहर कहानियाँ सुनाई गई है। इतना ही नहीं महिला वित्त मंत्री होने के नाते महिलाओं को इस बार बड़ी उम्मीद थी कि महँगाई से छूटकारे के लिए केंद्र सरकार कुछ तो अलग करेगी लेकिन वो भी ठगी हुई महसूस कर रही है।

नाग व अजगर के बच्चों को रेस्क्यू टीम ने जंगल में सुरक्षित छोड़ा

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

रायगढ़ जिले में सांप के अंडो को 17 दिनों तक अपने घर में रखकर उसमें बच्चे निकलने के बाद रायगढ़ सर्पमित्र टीम के सदस्यों ने वन विभाग के अधिकारियों के दिशा निर्देश में 13 अजगर के बच्चो के अलावा नाग के बच्चे सहित अन्य सांपो को सुरक्षित

जंगल में छोड दिया है। सर्पमित्र टीम के अध्यक्ष विनीतेश तिवारी ने बताया कि हमारे पास कुरूमापाली से एक फोन आया था कि लकड़ियों के बीच में सांप के कुछ अंडे मिले हैं। मौके पर पहुंचकर हमने देखा कि अंडे जो थे वह पानी वाले एरिये में था और कीचड से सना हुआ था। जो कि बहुत डैमेज दिख रहे थे। जिसके बाद हमने अंडे वहां से उठाकर घर लाये और डीएफओ मैडम को बताया कि अंडो की स्थिति वैसे नही है जिसमें से बच्चे निकल पाये।

हत्या का फरार आरोपी गिरफ्तार, पुरानी रंजीश से आरोपी ने पत्थर व डंडे से वारदात को दिया था अंजाम

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

रायगढ़ जिले में पुलिस ने हत्या के फरार आरोपी को आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी ने पुरानी रंजिश और मजदूरी के पैसे की मांग पर उपजे विवाद के बाद हत्या की इस वारदात को अंजाम दिया था। मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार 17 जुलाई को नहर पारा लैलूंगा में रहने वाले असवत सारथी उम्र 32 साल ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 16 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार था नाजिम खान उम्र 32 साल जो नहरपारा के भरत शर्मा उर्फ मुंडा के साथ मजदूरी करता था। भरत शर्मा उर्फ मुंडा से मजदूरी का बचा पैसा मांगने गया था। जहां भरत शर्मा ने नाजिम खान को पूर्व विवाद रंजीश को लेकर डंडा और

पत्थर से मारपीट किया है। आहत नाजिम खान को लैलूंगा अस्पताल में भर्ती कराया गया तथा घटना की रिपोर्ट थाना लैलूंगा में दर्ज करायी गई जिस पर आरोपी भरत शर्मा उर्फ मुंडा के खिलाफ धारा 296, 115(2), 351(2) के तहत अपराध कायम किया गया।

उपचार के दौरान रायपुर में हुई मौत-घायल युवक को प्राथमिक उपचार बाद रायगढ़ और रायगढ़ से डीकेएस अस्पताल रायपुर में भर्ती कराया गया है। जहां 22 जुलाई की रात घायल नाजिम खान की मौत हो गई। घटना को लेकर थाना लैलूंगा में मर्ग कायम कर मारपीट के अपराध में हत्या की धारा 103(1) बीएनएस का विस्तार किया गया।

एमपी फरार होनें की फिराक में था आरोपी-घटना के बाद से आरोपी भरत शर्मा उर्फ मुंडा पकड़े जाने की डर से फरार हो गया था। लैलूंगा थाना प्रभारी अपने स्टाफ के साथ आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आरोपी के मिलने के संभावित स्थान नहर पारा, ग्राम जामबहार, झरन में दबिश दिया गया। जहां मुखबीरों से जानकारी मिली कि आरोपी अपने गांव (मध्य प्रदेश) फरार होने की फिराक में है और लोगों से पैसे मांग रहा था। थाना प्रभारी ने आरोपी की सूचना देने मुखबीर तैनात किया था। आज सूचना पर आरोपी भरत शर्मा उर्फ मुंडा पिता लोहित शर्मा उम्र 45 साल निवासी नहर पारा लैलूंगा थाना लैलूंगा को हिरासत में लिया गया। पुरानी रंजिश की वजह से कर दी हत्या-आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया।

फेसबुक में पड़ोसी महिला से पहले दोस्ती, फिर लूट लिया आबरू

पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर भेजा जेल

पायनियर संवाददाता ➤ रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिले में पड़ोसी महिला को सोशल मीडिया फेसबुक में दोस्त बनाकर और फिर मौका मिलते ही उसके अकेले होनें का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म करने का मामला समाने आया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता महिला ने 22 जुलाई को चक्रधर नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोसी युवक के द्वारा फेसबुक में फ्रे ण्ड रिक्वेस्ट भेजकर मित्रता करने और उसे घर में अकेली पाकर डरा

धमकाकर दुष्कर्म करने की शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद चक्रधर नगर पुलिस ने आज आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

किराये के मकान में रहती है पीडिता महिला-पीडिता महिला ने बताया कि वह चक्रधरनगर क्षेत्र में किराया मकान लेकर उसके पति के साथ रहती थी। उसके पड़ोस में नरेश चैहान 25 साल रहता था। नरेश इसे फेसबुक में फ्रैंड रिक्वेस्ट भेजकर दोस्ती किया और चैटिंग करने लगा। मना करने के बावजूद नरेश चैटिंग और बात करता था। इसके बारे में अपने पति को बताई जिसने भी नरेश को डांटा भी था।

डरा धमकाकर बनाया संबंध-पीड़िता महिला ने बताया कि 16 जून 2023 को महिला का पति काम पर गया हुआ था, महिला घर में अकेले थी नरेश घर आ गया और डराते धमकाते हुए महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाया और उसके बाद से नरेश नुकसान पहुंचाने की धमकियां देकर शारीरिक शोषण करने लगा। महिला के लिखित आवेदन पर महिला विवेचक द्वारा आरोपी नरेश चैहान के खिलाफ बीएनएस के तहत अपराध कायम किया गया।

विधायक चातुरी नंद ने खाद की कमी और बिजली कटौती के मुद्दे पर विधानसभा में रखी अपनी बात

पायनियर संवाददाता ➤ सरायपाली
www.dailypioneer.com

विधायक चातुरी नंद ने क्षेत्र में खाद के कमी के चलते किसानों को हो रही परेशानियों और अघोषित बिजली कटौती के मुद्दे पर विधानसभा में अपनी बात रखी। विधानसभा में कार्यवाही के दौरान विधायक चातुरी नंद ने कहा कि एक तरफ सरकार दावा करती है कि खाद की कमी नहीं है वहीं दूसरी तरफ किसान खाद के कमी के चलते खेती किसानी छोड़ सोसायटी के चक्कर काटने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि किसानों को डीएपी नहीं दी जा रही और उसके बदले दूसरे खाद थमा दिए जा रहे है। सोसायटी में डीएपी नहीं मिल रहा हा लेकिन प्राइवेट खाद दुकानों में कोई कमी नहीं है। विधायक नंद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा

कि किसानों को मोदी की गारंटी देने वाली सरकार आज किसानों को खाद बीज तक नहीं दे पा रही है।उन्होंने अमानक बीज के मुद्दे को भी कृषि मंत्री के समक्ष रखा। विधायक नंद ने विधानसभा में कहा कि क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है जिससे क्षेत्रवासी परेशान है। उन्होंने ग्राम मोहनमुंडा में 15 दिनों से बिजली बंद का मुद्दा भी मंत्री जी के समक्ष रखा। बता दें कि सरायपाली विधायक चातुरी नंद विधानसभा में अपने बेबाक अंदाज और तेजतर्रार वक्ता के रूप में जानी जाती है। मानसून सत्र में भी उनका वहीं अंदाज देखने को मिल रहा है।

शत वृक्षम अभियान के तहत शिल्पी ने 300 वृक्षों का रोपण किया

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

जिले के डौंडी ब्लॉक अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कुआगोंदी की शिक्षिका शिल्पी राय ने शत वृक्षम अभियान के तहत तीन सौ वृक्षों का रोपण विभिन्न शालाओ, परिसरों में किया। साथ ही साथ वृक्ष मित्र की भी नियुक्ति की। शिल्पी राय ने बताया कि डौंडी ब्लॉक की शासकीय शालाओं में कुआगोन्दी, पथराटोला, खैरवाही, सेजस खलारी, सुरडोंगर, झुरहाटोला, क्रीड़ा परिसर डौंडी, आवासीय परिसर तथा दल्लीराजहरा में चौपाटी, बीएसपी व्यायाम शाला, बालोद के कला केंद्र सहित अन्य परिसरों में वृक्षारोपण किया गया। तथा वृक्षों को सहेजने व सुरक्षित रखने बांस की जाली लगाए गए तथा देखभाल के लिए वृक्ष मित्र की भी नियुक्ति की गई है। इन्होंने बताया कि वृक्षारोपण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि हमें स्वच्छ जल, शुद्ध वायु और

उपजाऊ मिट्टी चाहिए तो ज्यादा से पेड़ लगाने होंगे। यह समझना होगा कि वृक्ष किसी बुजुर्ग की तरह समाज के हित का संरक्षण करते हैं। जिस गति से पर्यावरण का हनन किया जा रहा है, उस गति से पयर्यावरण का संरक्षण नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में भीषण गर्मी एवं तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन को देखते हुए मैंने कम से कम सौ पौधे लगाने का लक्ष्य बनाया था,और इस ओर अग्रसित होते हुए तीन सौ पौधे लगाए जा चुके है। जिनमें आम, कटहल, बेल, अमरूद, आंवला, हरड़, बहेड़ा, नींबू, नीम, पीपल, बरगद, गुलमोहर, अशोक, सिंदूर आदि प्रजाति के है।

एक हजार वृक्षारोपण करने का लक्ष्य-उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से, मैं सभी जनमानस से आग्रह करना चाहती हूँ कि प्रति व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए। सामाजिक, पारिवारिक आदि कार्यक्रमों में वृक्ष लगाने का प्रयत्न करे एवं वृक्षों के संरक्षण एवं संवर्धन में भी मदद करें इससे जलवायु संतुलन में मदद मिलेगी। लगभग तीन सप्ताह के इस अभियान में इस कार्य को पूर्ण करने में वन विभाग डौंडी के रेंजर जीवन बोंडेकर, बीएफओ अवारी नर्सरी अहिल्या, जनपद सीईओ डौंडी डीडी मंडले, बीईओ डौंडी जयसिंग भारद्वाज, प्राचार्य साल्हे एमके चंद्रवंशी रेडक्रास जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर पवार, समस्त शालाओं के प्राचार्य, प्रधान पाठक, शिक्षकगण एवं वृक्षमित्र, विद्यार्थियों व ग्रामीणों का पूर्ण सहयोग रहा। इन्होंने इस कार्य को बढ़ाते आने वाले वर्ष में एक हजार वृक्षारोपण करने का लक्ष्य बनाया है।

पीएम-किसान के एप्प से ठगी की शिकायत किसान फर्जी लिंक से रहे सावधान

पायनियर संवाददाता ➤ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

उप संचालक कृषि दीपक कुमार नायक द्वारा जिले के किसानों से अपील किया है की सोशल मिडिया पर पिछले कई दिनों से पीएम-किसान योजना नाम से एक एप्लीकेशन का एपीके लिंक लगातार वायरल हो रहा है। यह एक साइबर फॉड है। इस एपीके लिंक पर क्लिक करते ही एक एप्लीकेशन आपके मोबाईल में डाउनलोड हो जाती है। उसके बाद आपके फोन और सिम को हैक कर अपने कन्ट्रोल में ले लेता है। जिससे आपको आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ सकता है। इस तरह की किसी भी लिंक पर क्लिक नहीं करें, ताकि आपको आर्थिक हानि न हो और न ही सोशल मिडिया पर आने वाले अंजान लिंक, एप्लीकेशन या संदेश को क्लिक करें और न ही इस तरह की लिंक सोशल मिडिया पर दुसरों को फारवर्ड करें। साइबर फॉड होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाईन नम्बर 1930 पर कॉल करें।

वेदांता के हिंदुस्तान जिंक ने एशिया का पहला लो कार्बन 'ग्रीन' जिंक इकोजेन किया लॉन्च

- हिंदुस्तान जिंक के इकोजेन और अन्य जिंक उत्पादों का प्राथमिक उपयोग जंग प्रतिरोध के लिए स्टील गैल्वनाइजेशन में किया जाता है
- अक्षय ऊर्जा के उपयोग से उत्पादित, इकोजेन में उत्पादित जिंक के प्रति टन कार्बन समकक्ष 1 टन से भी कम कार्बन फुटप्रिंट है, जो वैश्विक औसत से 75 प्रतिशत कम है

पायनियर संवाददाता ➤ रायपुर
www.dailypioneer.com

देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपना लो कार्बन ग्रीन जिंक ब्रांड इकोजेन लॉन्च किया। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के अनुसार विश्व की सबसे सस्टेनेबल धातु और खनन कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त यह कंपनी एशिया की पहली जिंक उत्पादक है जिसने दुनिया भर में अपने ग्राहकों के लिए अपनी तरह का पहला लो कार्बन ग्रीन जिंक ऑफर किया है। इकोजेन को एक प्रसिद्ध वैश्विक स्थिरता परामर्श फर्म द्वारा जीवन चक्र मूल्यांकन, एलसीए के माध्यम से लो-कार्बन जिंक के रूप में प्रमाणित किया गया है और इसका कार्बन फुटप्रिंट प्रति टन उत्पादित जिंक पर एक टन से भी कम कार्बन समतुल्य है, जो वैश्विक औसत से 75 प्रतिशत कम है। जिंक का प्राथमिक अनुप्रयोग स्टील को जंग से बचाने के लिए गैल्वनाइजेशन के लिए है स्टील, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव और सनराइज सेक्टर जैसे अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, हाई-टेक विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, रक्षा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इकोजेन हिंदुस्तान जिंक की अपने परिचालन को डीकार्बोनाइज करने के साथ-साथ अपने ग्राहकों को एक बेजोड़ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करने की

प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि बदले में अपने ग्राहकों को अधिक सस्टेनेबल विकल्प प्रदान किए जा सकें। इस नवीनतम पेशकश से हिंदुस्तान जिंक के इकोजेन के साथ एक टन स्टील को गैल्वनाइज करने में उनकी मूल्य श्रृंखला में लगभग 400 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन से बचाव होगा। हिंदुस्तान जिंक की नवीनतम पेशकश, कम कार्बन ग्रीन जिंक को इकोजेन ब्रांड किया गया है। शुरुआत के लिए इकोजेन एक स्पेशल हाई ग्रेड (एसएचजी) जिंक उत्पाद संस्करण के रूप में उपलब्ध है इस कम कार्बन वाले पर्यावरण अनुकूल जिंक का निर्माण अक्षय ऊर्जा का उपयोग करके किया जा रहा है और इसका वैश्विक तापमान वृद्धि क्षमता मूल्य बाजार में सबसे कम है, जो वैश्विक औसत से लगभग 75 प्रतिशत कम है। उत्पाद की प्रमाणन प्रक्रिया एक मास-बैलेंस दृष्टिकोण पर आधारित है और इसे क्रैडल टू गेट पद्धति का उपयोग कर किया गया है। हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन और वेदांता समूह की गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि, स्थिरता हमारे सभी व्यावसायिक निर्णयों के मूल में बनी हुई है। हिंदुस्तान जिंक का एसएंडपी इंडेक्स में नंबर 1 होना, एक स्थायी भविष्य के निर्माण की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इकोजेन का शुभारंभ 2050 तक नेट जीरो बनने की हमारी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। ईएसजी के क्षेत्र में वैश्विक मानक स्थापित कर, वेदांता का हिंदुस्तान जिंक सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक सस्टेनेबल संचालन और उत्पाद बनाकर प्राकृतिक संसाधन उद्योग में क्रांति ला रहा है। उत्पाद लॉन्च के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मुख्यकार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा, इकोजेन का लॉन्च हमारे परिचालन को डीकार्बोनाइज करने की हमारी यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूक ग्राहकों की सेवा भी करता है जो अपने द्वारा उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल की उत्पत्ति के बारे में जागरूक हैं और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को डीकार्बोनाइज करने का लक्ष्य रखते हैं। यह हिंदुस्तान जिंक के नेट-जीरो लक्ष्यों के अनुरूप हमारी उत्पाद रणनीति में एक प्रमुख मील का पत्थर है। एक टन से भी कम कार्बन समकक्ष के कार्बन फुटप्रिंट के साथ उत्पादित, इकोजेन बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और कम कार्बन संक्रमण के लिए प्रौद्योगिकियों में अपनी भूमिका के लिए बाजार में सबसे सस्टेनेबल कम कार्बन जिंक विकल्पों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। कंपनी ने हाल ही में घोषणा की है कि उसे अपने 450 मेगावाट बिजली वितरण समझौते के तहत चैबीसों घंटे अक्षय ऊर्जा का पहला प्रवाह मिलना शुरू हो गया है। यह इसके मौजूदा 40.7 मेगावाट कैप्टिव सौर ऊर्जा के अतिरिक्त है। इन पहलों ने हिंदुस्तान जिंक को 2020 से वित्त वर्ष 24 में अपने जीएचजी (ग्रीनहाउस गैस) उत्सर्जन की तीव्रता को 14 प्रतिशत तक कम करने में मदद की है। हिंदुस्तान जिंक दुनिया में सबसे बड़े जिंक उत्पाद पोर्टफोलियो में से एक प्रदान करता है और उत्पाद नवाचार के लिए ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण पर केंद्रित है। कंपनी यूरोप, दक्षिण अमेरिका, ओशिनिया और मध्य पूर्व सहित 40 से अधिक देशों को आपूर्ति करती है।

हिंदुस्तान जिंक की ग्राहक तकनीकी सेवा टीम और उत्कृष्टता केंद्र ग्राहकों के साथ मिलकर काम करते हैं ताकि उनकी विशिष्टताओं के अनुसार उनकी उभरती जरूरतों को पूरा किया जा सके। सर्वोच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध, कंपनी की जिंक पेशकश देश की पहली ऐसी कंपनी है जिसे पर्यावरण उत्पाद घोषणा (ईपीडी) सत्यापित किया गया है - जो उत्पाद के पर्यावरण फुटप्रिंट पर तुलनीय डेटा प्रदान करती है, साथ ही गुणवत्ता के लिए आईएसओ और बीआईएस (भारतीय मानक ब्यूरो) प्रमाणपत्र भी प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी के पास यूरोप में अपने उत्पादों के निर्यात के लिए आरईएसीएच गुणवत्ता प्रमाणन भी है। वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड विश्व की दूसरी सबसे बड़ी जिंक उत्पादक और वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी चांदी उत्पादक है। कंपनी 40 से अधिक देशों को आपूर्ति करती है और भारत में प्राथमिक जिंक बाजार में लगभग 75 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है। हिंदुस्तान जिंक एक प्रमाणित 2.41 गुना वाटर-पॉजिटिव कंपनी भी है और 2050 या उससे पहले नेट जीरो उत्सर्जन हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। धातु और खनन उद्योग में एक विश्व नेता के रूप में, हिंदुस्तान जिंक एक स्थायी भविष्य के लिए वैश्विक ऊर्जा संक्रमण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण धातुएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण है।

जिले के 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायतों को बनाया जाएगा मॉडल ग्राम पंचायत : डॉ. कन्नौजे

चयनित ग्राम पंचायतों में कार्य योजना के क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु सीईओ जिला पंचायत ने ली बैठक

पायनियर संवाददाता ➤ बालोद
www.dailypioneer.com

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि राज्य शासन की मंशानुरूप जिले के 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले ग्राम पंचायत का मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अंतर्गत बालोद जिले के ग्राम पंचायत कुसुमकसा, सम्बलपुर (लो), कचांदुर, सिकोसा, कवर, मिर्रीटोला, पेण्डरवानी, पलारी, अरकार एवं अरमरीकला को मॉडल ग्राम पंचायत हेतु चयनित किया गया है। उक्त चयनित ग्राम पंचायतों में मॉडल ग्राम पंचायत हेतु कार्य योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन हेतु मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डॉ. कन्नौजे ने सबंधित ग्राम पंचायत

के सचिवों को मॉडल ग्राम पंचायत के कार्य योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन ग्राम पंचायतों के विकास हेतु अधोसंरचना के कार्यों के अलावा आंगनबाड़ी, भवन, बाजार निलामी तथा नियमित करों का आरोपण के साथ-साथ निजी घरों एवं शासकीय भवनों में सोख्ता गड्ढा एव व्यावसायिक परिसर का निर्माण हेतु कमेटी गठित की जाएगी। उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों को इन चयनित ग्राम पंचायतों में विस्तृत कार्य योजना के निर्माण करने के निर्देश दिए हैं। जिससे इन ग्राम पंचायतों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में उप संचालक आकाश सोनी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

मान. विजय शर्मा जी
उप मुख्यमंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास
व प्रभारी मंत्री बालोद

हमेशा सच के साथ
9 वां वर्षगांठ
स्थापना दिवस

देश के लोकप्रिय राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार

पायनियर

रायपुर संस्करण के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हर भारतीय का यही सपना स्वच्छ व सुंदर ग्राम हो अपना
स्वच्छता को अपनाना है भारत को सुंदर बनाना है...

जनपद पंचायत
गुरुर

मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़ शासन

मान. विजय शर्मा जी
उप मुख्यमंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास
व प्रभारी मंत्री बालोद

हमेशा सच के साथ
9 वां वर्षगांठ
स्थापना दिवस

देश के लोकप्रिय राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार

पायनियर

रायपुर संस्करण के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मत्स्य विभाग
बालोद

मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

मान. विजय शर्मा जी
उप मुख्यमंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास
व प्रभारी मंत्री बालोद

हमेशा सच के साथ
9 वां वर्षगांठ
स्थापना दिवस

देश के लोकप्रिय राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार

पायनियर

रायपुर संस्करण के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

मान. विष्णुदेव साय जी
मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

मान. विजय शर्मा जी
उप मुख्यमंत्री, पंचायत एवं ग्रामीण विकास
व प्रभारी मंत्री बालोद

हमेशा सच के साथ
9 वां वर्षगांठ
स्थापना दिवस

देश के लोकप्रिय राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार

पायनियर

रायपुर संस्करण के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग
बालोद

पशुधन विभाग
बालोद

संकलनकर्ता- रवि भूतड़ा ब्यूरो चीफ, बालोद, मोबाइल-9754222333, 9479222333

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403